राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 352
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
रविवार 03 जूलाई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 दिल्ली में हरित क्षेत्र की वृद्धि के लिए कार्यरत है केजरीवाल सरकार, आज से दिल्ली की सरकारी नर्सरी से शुरू हुई नि:शुल्क औषधीय पौधा | पेज 5 बदायूं में पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ फेसबुक पर अभद्र टिप्पणी करने वाला युवक पहुंचा सलाखों के पीछे | पेज 7 रूस ने यूक्रेन के ओडेसा में 9 मंजिला बिल्डिंग पर दागी मिसाइल; 10 की मौत, 7 घायल

मणिपुर लैंडस्लाइड में अब तक 30 लोगों की मौत

18 को सुरक्षित बचाया गया, 35 की तलाश; रेस्क्यू मिशन जारी

नोनी। मणिपुर के नोनी जिले में लैंडस्लाइड से मरने वालों की संख्या 30 हो गई है। जबकि 35 लोग अभी भी मिट्टी के नीचे दबे हुए हैं। सेना के अधिकारियों के मुताबिक, जिन 30 लोगों के शव मलबे से निकाले गए हैं, उनमें से 18 टेरिटोरियल आर्मी के जवान हैं। वहीं, 3 लोगों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है।

गुरुवार तक, टेरिटोरियल आर्मी के 13 जवानों और पांच नागरिकों को सुरक्षित बचा लिया गया। NDRF, SDRF, सेना और पुलिस मिलकर रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं। बचाव मिशन में तेजी लाने के लिए थ्रू-वॉल इमेजिंग रडार की मदद ली जा रही है।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने खुद मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया। उनके साथ राज्य सरकार के कई मंत्री भी मौजूद रहे। हादसे के दौरान मारे गए जवानों की पार्थिव देह को ससम्मान उनके घर भेजा रहा है।

मुख्यमंत्री ने मदद का ऐलान किया

मुख्यमंत्री ने हादसे में मारे गए लोगों के लिए 1 लाख रुपए और घायलों के इलाज के लिए 50 हजार रुपए की सहायता राशि का ऐलान किया है। पूर्वोत्तर के राज्यों में पिछले कुछ दिनों लगातार हो रही बारिश की वजह से बाढ़ जैसे हालात हैं।

बुधवार रात को बारिश की वजह से तुपुर रेलवे स्टेशन से सटी पहाड़ी टूट कर निर्माणाधीन स्टेशन यार्ड पर गिर गई थी। जिरीबाम से इंफाल तक रेल लाइन बिछाई जा रही है। इसी की सुरक्षा के लिए यहां जवानों का कैंप लगाया गया था।

निचले इलाकों में तबाही का खतरा

भूस्खलन के वजह से इजाई नदी का प्रवाह प्रभावित हुआ है। यह नदी तामेंगलोंग और नोनी जिलों से होकर बहती है।

जिला प्रशासन आस-पास के ग्रामीणों को सावधानी बरतने और जल्द से जल्द जगह खाली करने की एडवाइजरी जारी की है।

अमरावती टारगेट किलिंग में मुख्य आरोपी समेत 7 गिरफ्तार

नूपुर शर्मा का सपोर्ट करने पर उदयपुर से 740 किलोमीटर दूर हुई थी कन्हैया जैसी वारदात

एजेंसी

मुंबई। अमरावती में फेसबुक पर नूपुर शर्मा को सपोर्ट करने वाले उमेश कोल्हे की हत्या के मामले में सात आरोपी गिरफ्तार किए गए हैं। इनमें मुख्य आरोपी शेख इरफान शेख रहीम भी शामिल है। जांच में सामने आया है कि इरफान रायबर हेल्पलाइन नाम की एनजीओ चलाता है। सूत्रों के मुताबिक उसे नागपुर से गिरफ्तार किया गया है। वहीं गिरफ्तार छठे आरोपी डॉ. यूसुफ खान उर्फ बहादुर को 5 जुलाई तक पुलिस कस्टडी में भेजा गया है। इसे शनिवार को ही पकड़ा गया है। इस सिलसिले में वारदात वाले दिन 21 जून की रात साढ़े 10 बजे प्रभात चौक के पास महिला महाविद्यालय के पास का एक सीसीटीवी फुटेज भी जारी की गई है, जिसमें दो आरोपियों को उमेश कोल्हे के पीछे जाते हुए देखा गया। फिर वारदात के बाद वे भागते हुए भी दिखे।

गौरतलब है कि उदयपुर में जिस तरह से टेलर कन्हैयालाल की बर्बरता से हत्या हुई है, ठीक उसी तरह की वारदात 21 जून को उदयपुर से 740 किलोमीटर दूर महाराष्ट्र के अमरावती में भी हुई थी। यह दावा स्थानीय भाजपा नेताओं की ओर से किया जा रहा है कि अमरावती में उमेश कोल्हे नाम के दवा व्यापारी ने फेसबुक पर निलंबित भाजपा नेता नूपुर शर्मा के समर्थन में एक पोस्ट लिखी थी, जिसके स्क्रीनशॉट को कुछ अन्य संदिग्ध ग्रुप में वायरल कर दिया गया। इसके बाद उनकी हत्या कर दी गई थी।

सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने इस मामले की जांच शुरू की है। वहीं सांसद नवनीत राणा ने इस मुद्दे पर गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिख महाराष्ट्र पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

घात लगाकर बैठे थे आरोपी

पुलिस ने शनिवार को प्रेस कांफ्रेस में माना कि यह हत्या नूपुर शर्मा के समर्थन में पोस्ट लिखने की वजह से ही हुई है। अमरावती के डीसीपी उमेश साल्वी ने कहा, उमेश कोल्हे की हत्या नूपुर शर्मा की पोस्ट वायरल होने के कारण हुई थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एक आरोपी ने पूछताछ में बताया है कि उसे एक हूबहू संचालक ने उमेश को मारने के लिए कहा था। उमेश को मारने के लिए दो टीमें लगाई गई थीं।

एक टीम को फोन करके उमेश के कॉलेज के पास पहुंचने की पुष्टि की गई और फिर उन पर हमला हुआ। स्थानीय पुलिस के मुताबिक, यहां बीच सड़क पर मेडिकल शॉप के संचालक उमेश प्रह्लाद कोल्हे (54) को गर्दन पर चाकू से वार कर तीन लोगों ने मौत के घाट उतार दिया। तीनों आरोपी घंटाघर हनुमान मंदिर की गली में नूतन कॉलेज के गेट के पास घात लगाकर बैठे थे और जैसे ही उमेश वहां पहुंचे आरोपियों ने उन पर हमला कर दिया।

उमेश के बेटे संकेत कोल्हे की तरफ से दर्ज शिकायत के बाद कोतवाली पुलिस ने जांच के आधार पर मामले में दो लोगों- मुदस्सिर अहमद (22) और शाहरुख पठान (25) को 22 जून को गिरफ्तार किया। दोनों से पूछताछ के बाद सामने आया कि उमेश की हत्या में चार और लोग शामिल थे। इनमें अब्दुल तौफिक (24), शोएब खान (22), आतिब रशीद (22) और शमीम फिरोज अहमद शामिल रहे। यूसुफ खान उर्फ बहादुर को भी देर शाम गिरफ्तार कर लिया गया, जिसे मुख्य आरोपी बताया जा रहा है।

अमरावती में कई परिवारों को धमकी

उदयपुर कांड के बाद से संकेत समेत उनके सभी रिश्तेदार डरे हुए हैं। उनका कहना है कि इस मामले में जल्द असली सच्चाई सामने आनी चाहिए और पुलिस को आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। बीजेपी नेता कुलकर्णी ने बताया कि उमेश से पहले भी जिन तीन-चार लोगों ने नूपुर शर्मा के सपोर्ट में पोस्ट डाली उन्हें भी धमकाया गया। डर के कारण उन्हें माफी मांगनी पड़ी और माफी का वीडियो भी डालना पड़ा। ऐसे माहौल के बीच उमेश की जान जाना संदेह पैदा करता है कि इसके पीछे कोई खेल है।

लड़की की शादी से पहले हादसा : गैस सिलेंडर लीक होने से लगी आग, चार लोगो की मौत

शाहजहांपुर। यूपी के शाहजहांपुर में शादी समारोह का घर मातम में बदल गया। विवाह वाले घर में मंडप कार्यक्रम से पूर्व खाना बनाने के दौरान गैस जलाते समय सिलेंडर लीक होने से आग लग गई। जिससे अफरा-तफरी मच गई। आग से छह लोग बुरी तरह से झुलस गए। जिसमें चार की इलाज के दौरान मौत हो गई। कलान तहसील के विक्रमपुर गांव में शनिवार शाम को एक घर में खाना बन रहा था। घर में लड़की की शादी होने के चलते काफी सारे मेहमान आए हुए थे। बताते हैं कि खाना बनाने के दौरान सिलेंडर से गैस लीक हो गई और आग लग गई। घर में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग से लड़की शैंकी उर्फ सोनाक्षी की दादी मुन्नी देवी (60), अल्हागंज थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव निवासी लड़की की नानी गंगा देवी (65) व कलान के मोहल्ला शांतीनगर निवासी लड़की की ममेरी बहन नीलम (35) पत्नी आदेश बुरी तरह से झुलस गईं।

देश का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर पॉवर प्रोजेक्ट तैयार

423 करोड़ की लागत से बना, तेलंगाना के रामागुंडम को मिलेगी 100 मेगावॉट बिजली

तेलंगाना। नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन ने तेलंगाना में देश की सबसे बड़ी फ्लोटिंग सोलर पॉवर प्रोजेक्ट का काम पूरा कर लिया है। इसकी घोषणा शुक्रवार को की गई। इस प्रोजेक्ट से तेलंगाना के रामागुंडम शहर में 100 मेगावॉट बिजली मिलेगी। प्रोजेक्ट को 423 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है। यह रामगुंडम के लेक के 500 एकड़ में फैला हुआ है। वहीं इसे 40 ब्लॉक में बांटा गया है, सभी ब्लॉक 2.5 बिजली मेगावॉट बनाएंगे। इस परियोजना के शुरू होने से दक्षिणी

क्षेत्र में फ्लोटिंग सोलर कैपेसिटी का कॉमर्शियल उत्पादन बढ़कर 217 मेगावॉट हो गया है। इससे पहले NTPC ने केरल के कायमकुलम में 92 मेगावॉट की परियोजना चालू की। ये कायमकुलम में करीब 350 एकड़ में फैला हुआ है। वहीं आंध्र प्रदेश के सिम्हाद्री में 25 मेगावॉट फ्लोटिंग सोलर के कॉमर्शियल उत्पादन की घोषणा भी की गई थी। इसके साथ ही NTPC की स्टैंडअलोन और कॉमर्शियल क्षमता 54,769.20 मेगावॉट हो गई है।

सोलर मॉड्यूल पानी के तापमान को संतुलित बनाएगा

ये हर साल लगभग 32.5 लाख क्यूबिक मीटर पानी को भाप बनकर उड़ने से बचा सकता है। सोलर मॉड्यूल तापमान को संतुलित बनाए रखने में भी मदद करेगा। यह सालाना 1,65,000 टन कोयले की खपत से भी बचाएगा।

ऊर्जा लक्ष्यों को आगे ले जाएगा प्रोजेक्ट

टाटा पावर के CEO और MD ने बताया कि ये भारत की पहली और सबसे बड़ी फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट की कमिशनिंग है, जो देश के ऊर्जा लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में आगे ले जाएगी।

विदेश में रह रहे रिश्तेदारों से अब ले सकेंगे 10 लाख रुपए

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने विदेशी चंदा (नियमन) अधिनियम से जुड़े कुछ नियमों में संशोधन कर भारतीयों को विदेश में रह रहे अपने रिश्तेदारों से साल में 10 लाख रुपये तक प्राप्त करने की अनुमति दी है और इसके लिए उन्हें अधिकारियों को सूचना नहीं देनी होगी। पहले इसकी सीमा एक लाख रुपए थी। मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि यदि रकम (10 लाख रुपए से) अधिक हो तो लोगों को पूर्व के 30 दिन के बजाय अब सरकार को सूचना देने के लिए 90 दिन का समय मिलेगा।

नए नियम, विदेशी चंदा (नियमन) संशोधन नियमों, 2022 को गृह मंत्रालय ने शुक्रवार रात एक गजट अधिसूचना के जरिए अधिसूचित किया। अधिसूचना में कहा गया है, विदेशी चंदा (नियमन) नियमों, 2011, के नियम 6 में- एक लाख रुपए, शब्दों की जगह 10 लाख रुपए; और 30 दिन के लिए शब्दों की जगह तीन महीने शब्द लेंगे।

पहले एक लाख रुपए थी यह राशि

नियम-6 रिश्तेदारों से विदेशी चंदा प्राप्त करने से संबद्ध है। इसमें कहा गया है कि पहले कोई व्यक्ति किसी वित्त वर्ष में अपने किसी रिश्तेदार से एक लाख रुपए से अधिक या समान राशि चंदे के रूप में प्राप्त करता था तो उसे इस तरह की राशि प्राप्त करने के 30 दिनों के अंदर केंद्र सरकार को सूचना देनी होती थी। इसी तरह, नियम 9 में बदलाव किया गया है, जो विदेशी चंदा प्राप्त करने के लिए एफसीआरए के तहत पंजीकरण और पूर्व अनुमति हासिल करने की अर्जी से संबद्ध है।

जानकारी देने के लिए 45 दिनों का वक्त

संशोधित नियमों के जरिए व्यक्तियों और संगठनों या गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) को गृह मंत्रालय को उस बैंक खाते के बारे में जानकारी देने के लिए 45 दिनों का वक्त दिया गया है जिनका उपयोग इस तरह के धन के उपयोग के लिए किया जाना है। पहले यह समय सीमा 30 दिनों की थी। अब, एफसीआरए के तहत विदेशी चंदा प्राप्त करने पर एक अप्रैल को शुरू होने वाले प्रत्येक वित्त वर्ष के प्रथम दिन, वित्त वर्ष समाप्त होने के नौ महीने के अंदर, अपनी वेबसाइट पर या केंद्र द्वारा निर्दिष्ट वेबसाइट पर खाते का विवरण देने की मौजूदा प्रक्रिया का पालन करना होगा।

राष्ट्रपति चुनाव में द्रौपदी मुर्मू और यशवंत सिन्हा आमने - सामने

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति चुनाव में नाम वापस लेने की अवधि समाप्त होने के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू और विपक्ष के साझा उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के बीच सीधा मुकाबला तय हो गया है।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों की जांच में केवल इन दो उम्मीदवारों के ही नामांकन पत्र सही पाए गए थे।

राष्ट्रपति चुनाव में निर्वाचन अधिकारी और राज्यसभा के महासचिव पी सी मोदी ने शनिवार को बताया कि उम्मीदवारों के नाम वापस लेने की निर्धारित अवधि समाप्त होने के बाद केवल दो उम्मीदवार चुनाव मैदान में बचे हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में श्रीमती मुर्मू और श्री सिन्हा के बीच सीधा मुकाबला होगा।

राष्ट्रपति चुनाव आगामी 18 जुलाई को संसद भवन तथा राज्यों की राजधानियों में होगा। मतदान पूर्वाह्न 10 बजे शुरू होगा और अपराहन 5 बजे समाप्त होगा।

राष्ट्रपति चुनाव के निर्वाचक मंडल में संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य तथा राष्ट्रीय राजधानी राज्यक्षेत्र दिल्ली तथा संघ राज्यक्षेत्र पुडुचेरी समेत सभी राज्यों की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं।

पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले राजस्थान के 3 लोग गिरफ्तार

एजेंसी

जयपुर। उदयपुर में दर्जी कन्हैया लाल की सिर कलम कर हत्या किए जाने के बीच पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के लिए जासूसी करने के आरोप में राजस्थान के तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए तीनों लोग सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के संपर्क में थे।

शीर्ष खुफिया अधिकारी ने कहा कि सीमावर्ती श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू जिलों में %ऑपरेशन हिफाजत% के तहत चलाए गए अभियान में कुल 23 संदिग्ध व्यक्तियों से संयुक्त रूप से पूछताछ की गई।

उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान पाया गया कि इनमें तीन व्यक्ति हनुमानगढ़ के अब्दुल सत्तार, गंगानगर जिले के सूरतगढ़ के नितिन यादव और चूरू के राम सिंह सोशल मीडिया के माध्यम से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के संपर्क में थे।

अधिकारी ने बताया कि ये तीनों पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों को सामरिक महत्व की संवेदनशील सूचनाएं उपलब्ध करवा रहे थे और इस कार्य के बदले पाकिस्तानी हैंडलर से धनराशि भी प्राप्त कर रहे थे।

12 साल से पाकिस्तानी एजेंट था अब्दुल सत्तार

उन्होंने बताया कि हनुमानगढ़ का निवासी अब्दुल सत्तार वर्ष 2010 से नियमित रूप से पाकिस्तान की यात्रा कर रहा था। वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के स्थानीय एजेंट के रूप में कार्य कर रहा था। अधिकारी ने कहा कि पूछताछ में अब्दुल सत्तार ने स्वीकार किया है कि भारत आने के बाद वह लगातार पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में था तथा सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों की फोटो साझा कर रहा था।

उन्होंने कहा कि सूरतगढ़ निवासी नितिन यादव पाकिस्तानी महिला एजेंट के हनीट्रैप में फंसकर सूरतगढ़ और महाजन फील्ड फायरिंग रेंज की सामरिक महत्व की सूचनाएं साझा कर धनराशि प्राप्त कर रहा था।

अधिकारी ने बताया कि तीनों व्यक्तियों के मोबाइल फोन में ऐसी कई महत्वपूर्ण सूचनाएं मिली हैं, जो सामरिक महत्व की हैं एवं प्रतिबंधित हैं।

तीनों व्यक्तियों ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के हैंडलर को ये जानकारियां उपलब्ध कराई थीं। महत्वपूर्ण सूचनाओं के बदले धनराशि प्राप्त किए जाने के प्रमाण भी मिले हैं।

तीनों व्यक्तियों से विस्तृत पूछताछ एवं तकनीकी जांच के बाद इनके विरुद्ध शासकीय गोपनीयता अधिनियम 1923 के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

कोविड-19 | **बीते 24 घंटे में 17,032 नए केस, केरल-महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु में भी फैला संक्रमण**

देश के 6 राज्यों में कोरोना के सबसे ज्यादा मामले

नई दिल्ली। देश में कोरोना महामारी ने एक बार फिर दस्तक दे दी है। पिछले 24 घंटे में 17,032 नए मामले सामने आए, जबकि 14,722 मरीज कोरोना से ठीक हो गए। जबकि 29 संक्रमितों की मौत हो गई। जुलाई के पहले दिन, यानी शुक्रवार को नए केस में 2 प्रतिशत की कमी हुई। इससे पहले गुरुवार को 16,862 नए केस आए थे, जो बुधवार के मुकाबले 10 प्रतिशत कम थे। बीते बुधवार को 18,819 नए केस मिले थे।

देश के छह राज्यों में कोरोना के सबसे ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। इनमें केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल और दिल्ली

शामिल हैं। सबसे ज्यादा मामले केरल और महाराष्ट्र से आ रहे हैं। केरल-महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु में भी रोजाना केस दो हजार से ऊपर आ रहे हैं।

इधर, भारत सरकार ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया को कोवोवैक्स वैक्सीन अमेरिका को निर्यात करने की मंजूरी दे दी है। सीरम, कोवोवैक्स की 32.4 लाख खुराकों को नुवाक्सोविड ब्रांड नाम से अमेरिका को निर्यात करेगा। यह किसी भारतीय विनिर्माता की ओर से अमेरिका निर्यात किया जाने वाली पहली वैक्सीन होगी।

सबसे ज्यादा मामले केरल से

नए संक्रमितों की संख्या में केरल अभी भी टॉप पर बना हुआ है। यहां रोजाना तीन हजार से ज्यादा केस मिल रहे हैं। इससे पहले 28 मई को 2,999 नए संक्रमित मिले थें। पिछले घंटे की बात करें तो यहां 3,904 पॉजिटिव केस मिले, 3,724 मरीज ठीक हो गए, जबकि 15 संक्रमितों ने अपनी जान गंवा दी। एक दिन पहले राज्य में पॉजिटिविटी रेट 18.01त्न था, जो घटकर 16.75त्न पर आ गया। कुल मिलाकर कहा जाए तो केरल पिछले 24 घंटे में नए केस में 4त्न की कमी आई। गुरुवार को यहां 4,083 नए मामले रिकॉर्ड किए गए थे।

महाराष्ट्र में 24 घंटे में नए केस 11 फीसदी घटे

महामारी के मामले में महाराष्ट्र अभी भी कोरोना-स्पॉट बना हुआ है। पिछले दो दिन से भले ही नए केस में कमी आई हो, लेकिन राज्य में पॉजिटिविटी रेट अभी भी 7त्न से ऊपर बनी हुई है। शुक्रवार को यहां 3,249 नए केस आए, 4189 मरीज ठीक हो गए। जबकि 4 मरीजों की मौत हो गई। गुरुवार को नए केस में 11त्न की कमी आई। गुरुवार को 3,640 नए केस आए केस आए थे।

पंजाब में 44,000 करोड़ का वैट घोटाला

पूर्व जिला टैक्सेशन कमिश्नर का दावा : लोहा, स्टील मंगवा उसे कागज बताया; शिकायत की तो ट्रांसफर कर दिया

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व जिला एक्साइज एवं टैक्सेशन कमिश्नर ने 44 हजार करोड़ रुपए के वैट घोटाले का दावा किया है। सेना में कैप्टन रहे रिटायर्ड पूर्व DETC वाईएस मट्टा ने कहा कि व्यापारियों ने लोहा और स्टील जैसा सामान मंगवाया। हालांकि उसे कागज बताकर हजारों की वैट चोरी की। जब उन्होंने नौकरी में रहते इसकी शिकायत की तो उनका ट्रांसफर कर दिया गया। पूरे मामले के खिलाफ वह पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में भी जा चुके हैं। मट्टा के साथ कांग्रेस MLA सुखपाल खैहरा भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सीएम भगवंत मान इस पर कार्रवाई करें। हालांकि सरकार का दावा है कि यह वेरिफाई हो चुका है।

नोटिस भेज मांगी थी जानकारी

कैप्टन वाईएस मट्टा ने कहा कि वह लुधियाना में बतौर ष्ठश्वङ्मष्ट तैनात थे। साल 2012-13 में नोटिस भेजकर कंटेनर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया की तुगलकाबाद रेंज से इन्फॉर्मेशन मांगी थी। 6 महीने बाद मार्च 2013 में उनके पास सूचना आई। उन्होंने तत्कालीन एक्साइज एवं टैक्सेशन कमिश्नर को जानकारी दी। साथ ही इसे इकोनॉमिक इंटेलिजेंस यूनिट के डायरेक्टर को भेजने को कहा। इसके बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। कैप्टन मट्टा ने कहा कि उन्हें मिली जानकारी में पता चला कि कुछ व्यापारियों ने दूसरी जगह माल मंगवाने की बात कही लेकिन उसे लुधियाना में ही उतार दिया गया।

शिकायत की तो लुधियाना से अमृतसर भेजा

कैप्टन वाईएस मट्टा ने कहा कि उन्होंने सीनियर अफसरों को ई-मेल के जरिए इसकी सूचना दी। थोड़े समय बाद ही कैप्टन मट्टा को लुधियाना से बदल दिया गया। पहले अमृतसर और फिर बठिंडा तैनात कर दिया गया। 2014 में मट्टा रिटायर हो गए। रिटायरमेंट के बाद उन्होंने काफी शिकायतें भेजी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद वह पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट चले गए।

शार्ट न्यूज

निलंबित भाजपा नेता नूपुर शर्मा के खिलाफ लुक आउट नोटिस, कोलकाता पुलिस ने किया जारी

कोलकाता। कोलकाता पुलिस ने निलंबित भाजपा नेता नूपुर शर्मा के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। इससे पहले उन्हें एमहर्स्ट और नारकेलडांगा पुलिस थाने में पेश होने के लिए कहा गया था। हालांकि, वह उनके सामने पेश नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने और ज्यादा समय मांगा है। गौरतलब है कि पैगंबर मोहम्मद पर विवादित टिप्पणी करने के बाद नूपुर शर्मा को भाजपा ने निलंबित कर दिया था। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने नूपुर शर्मा को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नूपुर शर्मा के बयान के चलते पूरे देश में आग लग गई है। उन्हें टीवी पर आकर माफी मांगनी चाहिए। वहीं इसके बाद कोर्ट में दाखिल एक अन्य याचिका में सुप्रीम कोर्ट द्वारा नूपुर शर्मा के ऊपर की गई टिप्पणी वापस लेने की मांग की गई। इस याचिका में कहा गया कि इस तरह की टिप्पणी के बाद नूपुर शर्मा की जान को खतरा पैदा हो गया है। बता दें कि नूपुर शर्मा के समर्थन में पोस्ट करने पर उदयपुर में एक व्यक्ति की गला काटकर हत्या कर दी गई। वहीं महाराष्ट्र के अमरावती में भी ऐसी ही एक घटना सामने आई है। इसके अलावा छत्तीसगढ़ में एक मॉडल और एक अन्य व्यक्ति को हत्या की धमकी दी गई है।

दिल्ली पुलिस के कॉन्स्टेबल ने सर्विस रिवॉल्वर से गोली मारकर की खुदकुशी, पेट्रोल पंप के पास कार में मिली लाश

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के एक कॉन्स्टेबल ने उत्तर-पश्चिम जिले में अपनी सर्विस रिवॉल्वर से कथित तौर पर खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या की वजह अभी तक पता नहीं चल सकी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर घटना की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि उन्हें दिल्ली के प्रशांत विहार में एक राहगीर ने सुबह करीब नौ बजे सूचना दी कि इलाके में एक पेट्रोल पंप की चारदीवारी के पास खड़ी एक कार में एक शव पड़ा हुआ है। पुलिस उपायुक्त (रोहिणी) प्रणव तायल ने कहा कि जब पुलिस की एक टीम वहां पहुंची तो उन्होंने देखा कि एक सैंट्रो कार की ड्राइवर सीट पर शव पड़ा है और उसमें से दुर्गंध आ रही है। अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान बाद में कॉन्स्टेबल अमनदीप सिंह के रूप में हुई, जो प्रशांत विहार थाने में तैनात था और आकस्मिक अवकाश पर था। फोटोग्राफर और फोरेंसिक विशेषज्ञों के साथ क्राइम ब्रांच की टीम को मौके पर बुलाया गया था। डीसीपी ने कहा कि उसके परिवार के सदस्यों को सूचित कर दिया गया है और धारा 174 सीआरपीसी (आत्महत्या पर पूछताछ और रिपोर्ट करने के लिए पुलिस) के तहत पूछताछ की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। कॉन्स्टेबल के शव को बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल में भेज दिया गया है और मृतक कॉन्स्टेबल के परिवार के आने पर पोस्टमॉर्टम किया जाएगा। पुलिस के मुताबिक, शव के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस ने कहा कि यह पता लगाने के लिए आगे की जांच की जा रही है कि किस वजह से कॉन्स्टेबल ने यह कदम उठाया।

बाबा बर्फानी के दर्शन को निकला 6113 तीर्थयात्रियों का चौथा जत्था

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के यात्री निवास आधार शिविर से 6,113 तीर्थयात्रियों का चौथा जत्था शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच 228 वाहनों के जरिये अमरनाथ गुफा के लिए रवाना हुआ। एक अधिकारी ने कहा कि 25 बच्चों और 193 साधुओं सहित तीर्थयात्री वार्षिक तीर्थयात्रा के लिए पहलगाम तथा बालटाल मार्गों से 120 बसों एवं 108 हल्के मोटर वाहनों से पवित्र गुफा के लिए रवाना हुए। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 29 जून को तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाई थी। कोविड-19 के कारण तीर्थयात्रा दो साल के लिए निलंबित रही। इस साल 43 दिवसीय तीर्थयात्रा का समापन 11 अगस्त को होगा।

केसीआर ने मोदी पर जमकर साधा निशाना

हैदराबाद। मुख्यमंत्री और तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव ने देश की जनता से किए अपने वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। विपक्ष के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के स्वागत के लिए एक रैली को संबोधित करते हुए केसीआर ने कहा कि मोदी शासन में देश में एक भी व्यक्ति खुश नहीं है। मोदी के नेतृत्व में केंद्र किसानों के हितों की रक्षा सहित विभिन्न मोर्चों पर विफल रहा है। श्री राव ने कहा कि मोदी शासन में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। उन्होंने 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के दौरान जनप्रतिनिधियों से अपने विवेक के लिए मतदान करने का आग्रह किया। श्री सिन्हा ने इस अवसर पर बोलते हुए केसीआर और टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव को उन्हें समर्थन देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव दो लोगों से संबंधित नहीं है बल्कि यह देश के 125 करोड़ लोगों की भलाई के लिए है। श्री सिन्हा ने केंद्र में मोदी सरकार की विफलता को उजागर करने में केसीआर के प्रयासों का समर्थन किया। इससे पहले दिन में केसीआर के नेतृत्व वाली टीआरएस पार्टी ने श्री सिन्हा के आगमन पर बेगमपेट हवाई अड्डे पर उनका भव्य स्वागत किया।श्री सिन्हा को एक विशाल मोटरसाइकिल रैली में बेगमपेट हवाई अड्डे से जल विहार, नेकलेस रोड तक लाया गया जहां जनसभा आयोजित की गई थी। बेगमपेट से जलविहार तक श्री सिन्हा की रैली को देखते हुए पुलिस ने प्रतिबंध लगा दिया था।

कपिल मिश्रा ने कन्हैयालाल के परिजनों को एक करोड की सहायता देने की घोषणा की

उदयपुर। दिल्ली के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता कपिल मिश्रा ने कन्हैयालाल हत्याकांड के बाद सहातार्थ लोगों से एकत्रित हुई राशि में से एक करोड़ रुपए की सहायता कन्हैयालाल के परिजनों को देने की घोषणा की हैं। इससे पहले श्री मिश्रा एवं चित्तौडगढ सांसद सी पी जोशी ने आज यहां कन्हैयालाल के आवास पर पहुंचकर उनके परिजनों मिले और उन्हें ढांढस बंधाया। इसके बाद श्री मिश्रा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि श्री कन्हैयालाल के परिजनों को सहायता राशि जुटाने के आह्वान पर दुनिया भर से अब तक 14 हजार 416 लोगों ने एक करोड 70 लाख रूपए एकत्रित हो चुके है। उन्होंने कहा कि इसमें से एक करोड रूपए श्री कन्हैयालय के परिजनों को दी जाएगी जिसमें उनके आवास का बकाया रिण चुकाया जाएगा तथा शेष राशि श्री कन्हैयालाल की पत्नी के खाते में जमा कराई जायेगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा कन्हैयालाल को बचाने के प्रयास में घायल हुए ईश्वर सिंह को 25 लाख रूपए की सहायता दी जाएगी जबकि राजसमंद में आक्रोशित भीड द्वारा घायल किये गये पुलिस कांस्टेबल संदीप चौधरी को पांच लाख रूपए की सहायता दी जायेगी। श्री मिश्रा ने कहा कि इसी प्रकार के हमले में गुजरात के अमरावती में उमेश कोली की हत्या की गयी है। उनके द्वारा उमेश कोली के परिजनों को इस राशि में से 30 लाख रूपए की सहायता प्रदान की जायेगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा जो एकत्रित राशि बचेगी वह कन्हैयालाल के परिजनों को दे दी जायगी। उन्होंने कहा कि कन्हैयालाल के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता, लेकिन उनकी सहायता कर उनके परिवार के बोझ को कम किया जा सकता है।

मिश्र ने एस्ट्रो ओम ऐप का किया लोकार्पण

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने यज्ञ फाउंडेशन के लिए तैयार एस्ट्रो ओम ऐप का आज यहां लोकार्पण किया। श्री मिश्र ने प्रणव पारीक द्वारा तैयार इस ऐप का राजभवन में लोकार्पण किया। ऐप पर ज्योतिष, यज्ञ, पूजन, योग, प्राकृतिक चिकित्सा की जानकारी और इनसे जुड़ी ऑनलाइन सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं । इस दौरान संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक गोविंद पारीक भी मौजूद थे।

गुजरात के कई हिस्सों में भारी बारिश

आणंद जिले में 380 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया; एनडीआरएफ तैनात

एजेंसी

अहमदाबाद। गुजरात के कई हिस्सों में भारी बारिश से जनजीवन ठप हो गया और सूरत, बनासकांठा तथा आणंद जिलों के निचले इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई है। सूरत के पलसाणा तालुक में शनिवार सुबह तक 209 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

अधिकारियों ने बताया कि बोरसड तालुका के कुछ गांवों में गुरुवार को भारी बारिश के कारण बाढ़ आने के बाद जिला प्रशासन द्वारा तैनात राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के एक दल ने आणंद जिले में बारिश से प्रभावित गांवों में 380 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

शनिवार को सुबह छह बजे तक बीते 24 घंटों के दौरान दक्षिण गुजरात के कुछ हिस्सों और उत्तरी गुजरात के बनासकांठा में भारी बारिश से कई इलाके जलमग्न हो गए।

सरकार के राज्य आपात ऑपरेशन केंद्र (एसईओसी) के अनुसार, बारिश से सूरत शहर भी प्रभावित हुआ है। जिले के पलसाणा तालुका में सबसे अधिक 209 मिमी. बारिश दर्ज की गई। सूरत जिले के अन्य तालुकों बरडोली (125 मिमी.), उल्पड (118 मिमी.) और चोरयासी 117 मिमी. बारिश दर्ज की गई।

एसईओसी के आंकड़ों के अनुसार, दक्षिण गुजरात के नवसारी, तापी और वलसाड जिलों के अलावा उत्तर गुजरात के बनासकांठा में भी भारी बारिश हुई, खासतौर से देवदर (190 मिमी.), दीसा (120 मिमी.) और अमीरगढ़ (120 मिमी.) में बारिश हुई।

दीसा शहर के निचले इलाकों में कई दुकानें जलमग्न हो गईं। सड़कों और अंडरपास में जलभराव हो गया, जिससे यातायात बाधित हो गया। सूरत शहर के निचले इलाकों में यही हाल है।

आणंद जिला प्रशासन के आपदा प्रबंधन अधिकारी ने कहा कि बोरसड तालुका में दो गांवों के कुल 380 लोगों को निचले इलाकों में बाढ़ आने के कारण सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। इलाके में बारिश रुक गई है और जलस्तर कम हुआ है, लेकिन करीब 140 लोग अब भी घर नहीं लौट पाए हैं।

एनडीआरएफ का दल जिले के सिस्वा गांव में भारी बारिश में बह गए एक व्यक्ति की तलाश कर रहा है, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है।

एसईओसी ने कहा कि गुजरात में कुल 251 तालुकों में से करीब 176 में बारिश हुई और उनमें से 39 तालुकों में शनिवार सुबह तक 24 घंटों के दौरान 50 मिमी. बारिश हुई।

मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों में गुजरात के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है। साथ ही दक्षिण तथा मध्य गुजरात के कुछ जिलों तथा सौराष्ट्र-कच्छ क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान जताया है।

ज्योतिषीय ज्ञान प्रामाणिक और सहज रूप में लोगों तक पहुंचाया जाए : मिश्र

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने ज्योतिषीय ज्ञान को प्रामाणिक और सहज रूप में आम जन तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा कि ज्योतिष भारत की अनमोल धरोहर है, इसमें समाहित ज्ञान का आधुनिक वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में वृहद स्तर पर विकास होना चाहिए।

श्री मिश्र आज यहां मानसरोवर स्थित दीपशिखा कॉलेज में यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एवं पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान की ओर से ज्योतिष विद्या पर आयोजित प्रथम इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ज्योतिष ज्ञान से जुड़े अध्ययन को प्रोत्साहित करने के साथ ही इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करने के लिए भी कार्य किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि ज्योतिष का ज्ञान वैदिक परंपराओं का मूल है। पृथ्वी, आकाश एवं नक्षत्रमण्डल के ग्रहों की गतियों तथा उनसे होने वाले प्रभाव की चर्चा ज्योतिष शास्त्र में जिस सूक्ष्मता से मिलती है, वह अन्यत्र कहीं नहीं मिलती। उन्होंने कहा कि विद्वानों को ज्योतिष ज्ञान को प्राचीन वेद विज्ञान और खगोलीय ज्ञान से जोड़कर पूर्ण प्रमाण के आधार पर प्रसारित करना होगा।

उन्होंने कहा कि ज्योतिषीय ज्ञान भारतीय लोक जीवन में भी गहराई तक व्याप्त है। खेती और वर्षा के संबंध में भारतीय काल गणना पर आधारित भविष्यवाणियां आज भी सटीक मानी जाती है। उन्होंने इसी अनुरूप ज्योतिष ज्ञान को आमजन के लिए सुगम करने की आवश्यकता बताई।

इस अवसर पर राज्य मानवाधिकार आयोग अध्यक्ष गोपाल कृष्ण व्यास ने कहा कि ज्योतिष का मूलभूत ज्ञान व्यक्ति को जीवन सुगमतापूर्वक जीने में सहायक होता है। उन्होंने कहा कि ज्योतिष कोई पेशा नहीं मानव कल्याण का माध्यम है।

जम्मू में राष्ट्र नारे लगाने पर छात्राओं को मिली धमकी

जम्मू। केन्द्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के एक सरकारी माध्यमिक विद्यालय में राष्ट्रगान के बाद छात्राओं के एक समूह ने दावा किया है कि 'भारत माता की जय' के नारे लगाए पर कुछ छात्रों ने उन्हें कथित रूप से धमकी दी है। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक ऑडियो संदेश से शनिवार को यह जानकारी मिली। ऑडियो के अनुसार, एक छात्रा ने कथित रूप से कुछ छात्रों के एक समूह द्वारा उन्हें स्कूल परिसर में भारत माता की जय के नारे लगाने पर धमकाने का आरोप लगाया है। छात्रा ने कहा, हम सभी को छात्र समूह द्वारा भारत माता की जय के नारे लगाने पर पीटने की धमकी दी गयी है और उन्हें अपने नियमों और शर्तों का पालन करने के लिए कहा गया है।

उन्होंने कहा, हमारे कुछ वरिष्ठों, सहपाठियों और कनिष्ठों ने इस धमकी को लेकर आपत्ति जताई। हमारे शिक्षकों ने इस बात पर कोई टिप्पणी नहीं की। छात्रा ने बताया कि उन्होंने उपायुक्त को शिकायत के रूप में देश के नागरिक होने पर राष्ट्रीय नारे लगाने के अधिकार के सम्बन्ध में एक प्रति सौंपी है। फिलहाल, किश्तवाड़ के उपायुक्त अशोक कुमार शर्मा ने कहा कि जम्मू के मुख्य शिक्षा अधिकारी (सीईओ) इस मामले के सम्बन्ध में जांच कर रहे हैं।

अमरावती हत्याकांड की जांच करेगी एनआईए

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिए निर्देश

मुंबई। महाराष्ट्र के अमरावती में दुकानदार की हत्या की जांच एनआईए को सौंप दी गई है। सूत्रों के मुताबिक केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने इस मामले में निर्देश जारी कर दिए हैं। गौरतलब है कि अमरावती के दुकानदार उमेश कोल्हे की 21 जून को हत्या कर दी गई थी। बताया जाता है कि उमेश की हत्या नूपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट डालने के विरोध में की गई है। मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

केमिस्ट की चलाते थे दुकान

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 54 साल के उमेश

प्रहलादराव कोल्हे केमिस्ट की दुकान चलाते थे। उन्होंने सोशल मीडिया पर नूपुर शर्मा के समर्थन में कुछ पोस्ट किया था। दावा है कि इसको लेकर ही 21 जून को उनकी हत्या कर दी गई। मामले में महाराष्ट्र पुलिस की टीम ने छह लोगों को गिरफ्तार किया था। इन सभी लोगों से पूछताछ चल रही है। वहीं एटीएस की टीम घटना के आतंकी पहलू को लेकर भी जांच में जुटी है। एटीएस अमरावती की घटना के उदयपुर कनेक्शन के तार तलाश रही है।

गौरतलब है कि उदयपुर में टेलर कन्हैयालाल की दिनदहाड़े गला रेतकर हत्या कर दी गई। हत्यारे कन्हैयालाल द्वारा नूपुर शर्मा का समर्थन किए जाने से नाराज थे। वह कपड़े की नाप देने के बहाने टेलर कन्हैयालाल की दुकान पर गए थे और धोखे से उसका गला रेतकर मौत के घाट उतार दिया। उन्होंने न सिर्फ घटना का वीडियो बनाया, बल्कि अपने कुबूलनामे का भी वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इस मामले में भी एनआईए जांच कर रही है।

मोहम्मद जुबैर को बड़ा झटका, जमानत अर्जी खारिज, कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने ऑल्ट न्यूज के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने जुबैर की जमानत याचिका खारिज कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जुबैर की जमानत याचिका का विरोध करते हुए दिल्ली पुलिस की ड्डस्नस्ह यूनिट ने दलील दी कि उसे कई देशों से फंडिंग को लेकर सबूत मिले हैं जिसको वैरिफाई करना है आगे दोबारा पूछताछ करनी पड़ सकती है, इसलिए फिलहाल जेल भेज दिया जाए। पुलिस जरूरत पड़ने पर दोबारा जुबैर की कस्टडी के लिए अर्जी लगा सकती है।

जुबैर के वकील ने पुलिस पर लगाया आदेश लीक करने का आरोप

हालांकि, मोहम्मद जुबैर के वकील सौतिक बनर्जी ने बताया कि दोपहर के भोजन तक बहस हुई और न्यायाधीश ने मामले को फैसले के लिए सुरक्षित रख लिया था। जज लंच के बाद अभी तक नहीं आए हैं। यह देखकर स्तब्ध हूं कि डीसीपी केपीएस मल्होत्रा ने मीडिया में लीक कर दिया है कि हमारी जमानत याचिका खारिज कर दी गई है और 14 दिन की न्यायिक हिरासत दी गई है।

वकील ने कहा कि यह बेहद निंदनीय है। आज हमारे देश में कानून के शासन की स्थिति ऐसी है कि न्यायिक मजिस्ट्रेट के बैठने और आदेश देने से पहले ही पुलिस ने मीडिया को आदेश लीक कर दिया है। उन्होंने कहा कि केपीएस मल्होत्रा कैसे जानते हैं कि ऑर्डर क्या है? यह आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है। बताया जा रहा है कि अदालत चार बजे आदेश सुनाएगी।

जुबैर को पाक और सीरिया से मिली फंडिंग, कोर्ट में दिल्ली पुलिस का दावा

दिल्ली पुलिस ने ट्विटर पर 2018 में एक आपत्तिजनक पोस्ट लिखे जाने के मामले में ऑल्ट न्यूज के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर को 27 जून को गिरफ्तार किया था। उन्हें शनिवार को अदालत में पेश किया गया और पुलिस ने इस मामले में उनकी 14 दिन की न्यायिक हिरासत मांगी थी। उनकी चार दिन की पुलिस हिरासत शनिवार को समाप्त हो गई।

जुबैर के खिलाफ शुरुआत में भारतीय दंड संहिता की धाराओं 153 (दंगा करने के इरादे से जानबूझकर भड़काना) और 295 (किसी वर्ग के धर्म का अपमान करने के इरादे से पूजा स्थल को नुकसान पहुंचाना या अपवित्र करना) के तहत मामला दर्ज किया गया था।

बाद में उनके खिलाफ 295ए (धार्मिक भावनाओं को आहत करने के उद्देश्य से जानबूझकर और दुर्भावनापूर्ण कार्य करना) के तहत भी मामला दर्ज किया गया था।

पुलिस ने जुबैर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराओं 120 बी (आपराधिक साजिश) और 201 (सबूत नष्ट करना) तथा विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम की धारा 35 के प्रावधान भी लगाए हैं।

प्रावदा मीडिया को विदेशों से करीब दो लाख रुपये मिले : दिल्ली पुलिस

दिल्ली पुलिस ने शनिवार को कहा कि ऑल्ट न्यूज को संचालित करने वाली कंपनी प्रावदा मीडिया को विभिन्न लेन-देन के जरिये दो लाख रुपये से अधिक की राशि ऐसे माध्यमों से मिली, जिनका या तो मोबाइल फोन नंबर या आईपी पता अन्य देशों का था। पुलिस द्वारा जारी एक बयान में बताया गया कि रेजरपे भुगतान माध्यम से प्राप्त एक जवाब के विश्लेषण से पता चला कि ऐसे कई लेन-देन हुए, जिनमें या तो मोबाइल फोन नंबर भारत के बाहर का था या आईपी पता बैंकॉक, ऑस्ट्रेलिया, मनामा, नॉर्थ हॉलैंड, सिंगापुर, विक्टोरिया, न्यूयॉर्क, इंग्लैंड, रियाद क्षेत्र, शारजाह, स्टॉकहोम, अबू धाबी, वाशिंगटन, कंसास, न्यू जर्सी, ओंटारियो, कैलिफोर्निया, टेक्सास, लोअर सैक्सोनी, बर्न, दुबई और स्कॉटलैंड समेत बाहरी शहरों और विदेशों का था। बयान के मुताबिक, इन लेन-देन से प्रावदा मीडिया को कुल 2,31,933 रुपये मिले।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होने मोदी पहुंचे हैदराबाद

हैदराबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में हिस्सा लेने के लिए शनिवार को यहां पहुंचे। वह रविवार को यहां एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

विशेष विमान से पहुंचे श्री मोदी की अगवानी तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने की हालांकि, इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव शामिल नहीं हुए। राज्य सरकार की ओर से तेलंगाना के मंत्री टी. श्रीनिवास यादव ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

गौरतलब है कि पिछले छह महीने में यह तीसरी बार है, जब मुख्यमंत्री केसीआर हवाई अड्डे पर श्री मोदी के स्वागत के दौरान अनुपस्थित रहे।

इससे पहले दिन में केसीआर ने उसी हवाई अड्डे पर विपक्षी राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा की अगवानी की। हवाई अड्डे से श्री मोदी हाईटेक सिटी के नोवोटेल होटल में हैदराबाद इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर के लिए हेलिकॉप्टर से निकले, जहां वह राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भाग लेंगे।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक तीन जुलाई की शाम तक जारी रहेगी।

प्रधानमंत्री रविवार शाम को परेड ग्राउंड में एक जनसभा को संबोधित करेंगे और रात भर हैदराबाद में रुकेंगे। वह चार जुलाई की सुबह आंध्र प्रदेश के भीमावरम के लिए रवाना होंगे।

भाजपा अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) को सत्ता से बेदखल करने के लिए योजना बना रही है। बैठक में भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के सभी मुख्यमंत्री शामिल होंगे।

सिख राजनीतिक मतभेदों को भूलकर श्री अकाल तख्त साहिब के झंडे तहत एकजुट हो : हरप्रीत सिंह

अमृतसर। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने शनिवार को सिख कौम (राष्ट्र) के सर्वोच्च लौकिक प्राधिकरण श्री अकाल तख्त साहिब का स्थापना दिवस भक्ति के साथ मनाया। इस अवसर पर श्री अखण्ड पाठ साहिब के भोग के बाद भाई सिमरप्रीत सिंह के रागी जत्थे ने गुरबानी कीर्तन गाया और ज्ञानी मलकीत सिंह ने पवित्र हुकमनामा का पाठ किया। श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने सिखों के सर्वोच्च लौकिक सत्ता के स्थापना दिवस पर संगत को बधाई देते हुए कहा कि श्री गुरु हरगोबिंद साहिब, छठे सिख गुरु द्वारा स्थापित, श्री अकाल तख्त साहिब सिख कौम के लिए सिर्फ एक इमारत नहीं है, बल्कि यह सच्ची और शुद्ध अवधारणा है, जिसने कौम के संप्रभु अस्तित्व को मूर्त रूप दिया।

शिवकुमार ने गलत तरीके से हासिल नकदी को छिपाने की साजिश रची : ईडी

बेंगलुरु। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हाल ही में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार के खिलाफ दायर आरोपपत्र में कहा कि उन्होंने (शिवकुमार ने) करोड़ों की बेहिसाबी नकदी छिपाने के लिए एक आपराधिक साजिश रची थी जिसे आयकर अधिकारियों ने वर्ष 2017 में दिल्ली के परिसरों से जब्त किया था।

आयकर की इस छापेमारी में 8.59 करोड़ रुपये से अधिक नगदी की बरामद की गयी थी जिसके बाद आयकर विभाग ने श्री शिवकुमार और चार अन्य आरोपियों के खिलाफ कर चोरी के आरोप में बेंगलुरु की एक अदालत के समक्ष आरोप पत्र दायर किया। अन्य आरोपियों में शराब कारोबारी सचिन नारायण (45), सुनील कुमार शर्मा (46), ए हनुमंतैया और एन राजेंद्र शामिल हैं।

ईडी ने आयकर विभाग की शिकायत पर संज्ञान लिया और 2018 में मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया। ईडी ने 24 मई को दिल्ली में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की विशेष अदालत के समक्ष 60 पन्नों की अभियोजन शिकायत दर्ज की थी।

शिकायत में दावा किया गया है कि हनुमंतैया और राजेंद्र के बयान में कहा गया है कि जब्त किए गए 8.59 करोड़ रुपये श्री शिवकुमार के हैं। इसके बाद कांग्रेस नेता ने उन्हें अपने बयान को वापस लेने के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया।आरोपी ने भौतिक साक्ष्य के साथ आयकर अधिकारियों के समक्ष तलाशी के बाद की कार्रवाई में शिवकुमार से संबंधित जब्त नकदी के स्वामित्व की पुष्टि की थी। सात महीने बीत जाने के बाद, उन्होंने उसी तारीख को अपने बयान वापस ले लिए, जब तक कि उन्होंने अपनी वापसी के लिए कोई स्थानापन्न या विश्वसनीय सामग्री प्रस्तुत नहीं की।

ईडी ने कहा,यह आरोपी द्वारा विशेष अदालत के समक्ष अभियोजन कार्यवाही के दौरान कानूनी बाधा पैदा

करने का एक प्रयास था। इसमें कहा गया है कि चार अन्य आरोपियों पर अपराध की आय को छिपाने में कांग्रेस नेता की सहायता करने और उनकी मदद करने का आरोप लगाया गया है। ईडी ने यह भी कहा कि श्री शिवकुमार ने आरोपी को कानून के दायरे में आने से बचने के लिए जब्त की गई नकदी को अपने पास रखने के लिए प्रेरित किया।

बरामद 8.59 करोड़ रुपये में से करीब 6.61 करोड़ रुपये दिल्ली के सफदरजंग एन्क्लेव इलाके में स्थित एक फ्लैट के बेडरूम से बरामद हुए। ईडी ने अपने आरोप पत्र में कहा कि कमरे का नियंत्रण शर्मा के मृतक भाई के शिवकुमार के पास था।

आयकर छापे के दौरान कमरे की चाबी हनुमंतैया के पास से मिली थी। ईडी ने कहा कि हनुमंतैया ने एजेंसी के सामने यह बताने के लिए गवाही दी कि श्री शिवकुमार उन्हें हर साल 1-1.5 लाख रुपये देते थे। ईडी ने कहा कि हनुमंतैया श्री शिवकुमार के अपराध की आय को संभालने में सक्रिय रूप से शामिल था और नकदी के संग्रह, भंडारण तथा वितरण में शामिल था। ईडी ने यह भी कहा कि एक अन्य आरोपी नारायण के पास फ्लैट से बरामद शिवकुमार से संबंधित 1.37 करोड़ रुपये हैं, लेकिन दस्तावेजी सबूतों के साथ नकदी के स्रोत को साबित करने में विफल रहे।

ईडी ने आरोप लगाया कि नारायण ने श्री शिवकुमार की रक्षा के लिए आयकर अधिकारियों द्वारा कराधान के लिए इस राशि की पेशकश की। ईडी ने शर्मा के खिलाफ भी इसी तरह के आरोप लगाए जिन्होंने बेहिसाब नकदी को छिपाने और राजनीतिक उद्देश्यों के लिए इसका इस्तेमाल करने के लिए जानबूझकर श्री शिवकुमार की सहायता की।

श्री शिवकुमार ने 2019 में ईडी के सामने एक बयान दिया था जिसमें कहा गया था कि सफदरजंग एन्क्लेव से कर अधिकारियों द्वारा जब्त की गई 41,03,600 रुपये की राशि उनकी थी और उनकी कृषि आय से जमा हुई थी। ईडी ने कहा कि लेकिन वह भौतिक सबूतों के साथ अपने दावे को साबित करने में विफल रहे।

श्री शिवकुमार ने पहले तर्क दिया था कि आयकर विभाग ने उनकी संपत्तियों पर इसलिए छापा मारा था क्योंकि भारतीय जनता पार्टी गुजरात से 2017 में राज्यसभा चुनाव के दौरान बेंगलुरु रिसॉर्ट में गुजरात कांग्रेस के विधायकों के वोट हासिल करने की कोशिश कर रही थी।

शार्ट न्यूज

पीएनबी को माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी से राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार प्राप्त हुआ

नई दिल्ली। देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक पीएनबी ने नई दिल्ली में केंद्रीय एमएसएमई मंत्रालय द्वारा उद्यमी-भारत कार्यक्रम के तहत आयोजित राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार 2022 में तीसरा पुरस्कार जीता।यह पुरस्कार माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी द्वारा एमएसएमई क्षेत्र के प्रचार और विकास के लिए पीएनबी के योगदान के लिए प्रस्तुत किया गया था और नई दिल्ली में विज्ञान भवन में पीएनबी के एमडी और सीईओ श्री अतुल कुमार गोयल द्वारा प्राप्त किया गया था। पीएनबी की ओर से प्रतिष्ठित सम्मान स्वीकार करने पर, श्री अतुल कुमार गोयल, एमडी और सीईओ ने व्यक्त किया, माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत के सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों में से एक में पीएनबी को इस पुरस्कार से सम्मानित करना एक भव्य सम्मान है। कार्य। मैं एक मंच बनाने के लिए केंद्रीय एमएसएमई मंत्रालय का आभारी हूं जिसने उद्यमिता (विनिर्माण और सेवाएं), उत्पाद की गुणवत्ता, नवाचार और बहुत कुछ को स्वीकार करके एमएसएमई के विकास को लगातार प्रोत्साहित किया है। मैं एक विशेष धन्यवाद देना चाहता हूं सभी उद्यमियों को सफलता की यात्रा में हम पर भरोसा करने के लिए। मैं इस पुरस्कार को हमारे बैंक के प्रत्येक कर्मचारी को भी समर्पित करूंगा जिन्होंने इसे संभव बनाया। यह मान्यता देश भर में एमएसएमई के विकास के लिए पीएनबी की निरंतर प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। ग्राहक केंद्रित उत्पाद और सेवाएं प्रदान करना। राष्ट्रीय एमएसएमई पुरस्कार देश भर में एमएसएमई के विकास और प्रचार के लिए राज्य सरकारों / केंद्र शासित प्रदेशों, आकांक्षात्मक जिलों, संस्थानों या व्यक्तियों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए कई श्रेणियों में प्रदान किए जाते हैं।

कासना पुलिस ने दहेज की माँग पुरी न होने पर दहेज हत्या करने वाले वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। कासना पुलिस ने दहेज की माँग पुरी न होने पर दहेज हत्या करने वाले एक अभियुक्त मैनपाल उर्फ मैमपाल पुत्र सोहनापल निवासी ग्राम गिरधरपुर थाना कासना गौतमबुद्धनगर को शनिवार को उसके मकान से गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि 27 जून 2022 को वादी इन्द्र सिह पुत्र पैमा निवासी कासना थाना कासना गौतमबुद्धनगर द्वारा अपनी पुत्री लता को उसके पति विपिन पुत्र मेनपाल व मेनपाल पुत्र नामालूम (ससुर), मल्लो (सास), रोचक व सचिन (देवर),प्रियंका (ननद),सतपाल पुत्र सोहन,बादल पुत्र सतपाल, बबीता निवासीगण ग्राम गिरधरपुर थाना कासना गौतमबुद्धनगर कृष्णा (मौसी) पत्नी बिजेन्द्र निवासी ग्राम सिलारपुर थाना जारचा जिला गौतमबुद्धनगर द्वारा दहेज के लिए प्रताड़ित करना व दहेज की माँग पूरी न होने पर मारपीट, गाली गलोच करना व धमकी देने के उपरांत फाँसी लगा कर हत्या कर देने के सम्बन्ध मे एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया था। जिस सम्बन्ध मे तत्काल थाना कासना पर मुकदमा अपराध संख्या 154/2022 धारा 498ए, 304बी,323,504 भादवि व 3/4 दहेज अधिनियम के तहत पंजीकृत किया गया था।जिसमें तत्काल अभियुक्तगणों की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित की गयी थी। जिसमें कासना पुलिस एक अभियुक्त विपिन को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

बहुचर्चित बाइक बोट प्रकरण के अभियुक्त गैंगलीडर ललित कुमार मेरठ की 1 करोड़ 50 लाख रुपये की संपत्ति को किया गया कुर्क

ग्रेटर नोएडा। पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह के नेतृत्व में पुलिस कमिश्नरेट के समस्त पुलिस अधिकारियों द्वारा अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से अपराधियों के विरुद्ध निरंतर कड़ी कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है। इस कड़ी में शनिवार को पुलिस आयुक्त न्यायालय गौतमबुद्धनगर द्वारा 14(1) गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही के अंतर्गत बहुचर्चित बाइक बोट प्रकरण के अभियुक्त गैंगलीडर ललित कुमार पुत्र चतरसिंह निवासी सैदीपुर थाना मवाना जिला मेरठ के द्वारा अवैध रुप से अर्जित निम्न सम्पत्ति को कुर्क किया गया जो बहुचर्चित बाइक बोट प्रकरण में मुकदमा अपराध संख्या 558/2021 अंतर्गत धारा 2/3(1) उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1986 से सम्बन्धित है। कुर्क की गयी अचल सम्पत्ति में आवासीय भूखण्ड 291.66 वर्ग गज यानि 243.87 वर्ग मीटर जो भूखण्ड संख्या बी-20 खसरा नंबर 501 राधा गार्डन कालोनी राजस्व ग्राम कसेरू बक्सर परगना व तहसील मेरठ जिसकी कुल अचल सम्पत्ति करीब 1 करोड़ 50 लाख को कुर्क करने के आदेश पारित किये गये। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर के निर्देशन में अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से अपराधियों/माफियाओं के विरुद्ध आगे भी इसी प्रकार की कड़ी कार्यवाही निरंतर स्तर पर जारी रहेगी।

पुलिस ने लक्जरी गाड़ियों को चोरी करने वाले तीन अन्तर्राज्यीय वाहन चोरों को किया गिरफ्तार

नोयडा। थाना सेक्टर -24 पुलिस ने शनिवार को लक्जरी गाड़ियों को चोरी करने वाले तीन अन्तर्राज्यीय वाहन चोरों डॉ वाहिद पुत्र मेहन्दी हसन निवासी ग्राम राधना थाना किठौर जनपद मेरठ वर्तमान पता वार्ड नंबर 12 कस्बा व थाना गढमुक्तेश्वर जिला हापुड़, रविन्द्र पुत्र जगदीश निवासी कुचेसर चौपला फ्लाई ओवर के पास थाना बाबूगढ जनपद हापुड़, अमन पुत्र भीम सिंह निवासी ग्राम राजपुर की मढैय्या थाना सिंभावली जिला हापुड़ को सेक्टर 54 टी प्वाइंट के पास से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने चोरी की नौ सेन्ट्रो कार, चोरी की एक स्विफ्ट वीडीआई कार, कार खोलने की 13 चाबियां और कार का लॉक खोलने का लोहे का एक हुक बरामद किया है। अभियुक्त वाहिद जिसे गाडियों का डाक्टर भी कहा जाता है। शातिर किस्म का वाहन चोर है।वाहिद पर दिल्ली,नोएडा के करीब 50 से अधिक वाहन चोरी के अभियोग दर्ज है। अभियुक्त वाहिद एनसीआर में वाहन चोरी की घटनाएं कारित करता है तथा व्हाटएप के जरिये डोंगल की मदद से अपने साथियो से कॉलिग करता है। इसने अपराध कारित कर अर्जित धन से गढमुक्तेश्वर हापुड़ में मकान ले रखा है। यह अपने साथियो के साथ मिलकर गाड़ी चोरी करता व करवाता है। इसके तीन साथी भूरवा उर्फ भूरा,असलम, विनीत थाना परीक्षित गढ जिला मेरठ से करीब चार दिन पूर्व गिरफ्तार किये गये है। इनके कब्जे से चोरी की चार गाडियां बरामद हुई थी। इसके साथ इसके गैग के साथी रविन्द्र व अमन भी गिरफ्तार हुए हैं। अभियुक्त रविन्द्र उपरोक्त के घर से थाना सेक्टर 20 व थाना सेक्टर 113 की दो स्विफ्ट कारें पूर्व में बरामद की गयी है।अभियुक्तगण शातिर किस्म के वाहन चोर हैं।जो नोएडा एवं एनसीआर क्षेत्र में वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं।जिनके विरुद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

दिल्ली में हरित क्षेत्र की वृद्धि के लिए कार्यरत है केजरीवाल सरकार, आज से दिल्ली की सरकारी नर्सरी से शुरू हुई नि:शुल्क औषधीय पौधा वितरण की शुरुआत : गोपाल राय

दिल्ली की कमला नेहरू रिज में आज पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने नि:शुल्क औषधीय पौधों के वितरण का शुभारम्भ किया

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली की कमला नेहरू रिज से आज पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने नि:शुल्क औषधीय पौधा वितरण करने के कार्य का शुभारम्भ किया और वहां आरडब्ल्यूए, एनजीओ समेत विभिन्न संगठनों और लोगों को नि:शुल्क वितरित किए गए। इसके तहत आज से दिल्ली की 14 सरकारी नर्सरियो से दिल्लीवासियों के लिए मुफ्त औषधीय पौधे बाटें जाएंगे । इस साल सरकार द्वारा लगभग । लाख पौधों का मुफ्त वितरण किया जाएगा । दिल्ली में हरित क्षेत्र बढ़ाने के लिए 11 जुलाई से वन महोत्सव पखवाड़े की शुरुआत भी सेंट्रल रिज से की जाएगी । इस साल वृक्षारोपण महाअभियान के तहत 35 लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है ।

पर्यारण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने पौधा वितरण समारोह के बाद, कमला नेहरू रिज में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान सभी पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए बताया कि केजरीवाल सरकार द्वारा उठाए गए तमाम उपायों के परिणामस्वरूप दिल्ली के अंदर हरित क्षेत्र (ग्रीन कवर) में काफी इज़ाफ़ा देखा गया है । आज दिल्ली प्रदूषण के खिलाफ फाइटर सिटी के तौर पर विकसित हो रही है । दिल्ली सरकार दो तरह से प्रदूषण के खिलाफ कार्य कर रही है - तात्कालिक और दीर्घकालीन पहल । आज जनभागीदारी के साथ दिल्ली में एक नए तरह का माहौल देखा जा सकता है । दिल्ली में जहाँ साल 2013 में हरित क्षेत्र 20 फीसद था वह केजरीवाल सरकार के प्रयासों के कारण, साल 2021 में बढ़कर 23.06 फीसदी हो गया है । साथ ही शहरों के प्रति व्यक्ति फॉरेस्ट कवर के मामले में दिल्ली पूरे देश में नंबर वन हो गया है। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए आज से सरकार ने दिल्लीवासियों के लिए मुफ्त औषधीय पौधा वितरण कार्य की शुरुआत की है । इसके तहत दिल्लीवासियों को दिल्ली की 14 सरकारी नर्सरियो से नि:शुल्क औषधीय पौधे बाटें जाएंगे ताकि लोग अपने- अपने घरो में वृक्षरोपण कर दिल्ली के हरित क्षेत्र को बढ़ावा देने में सहभागिता दे सकेंगे । इनमे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले 13 औषधीय पौधे जैसे आमला , अमरुद ,अर्जुन ,कढ़ी पत्ता ,घृत्त कुमारी , गिलोय ,जामुन ,नीम ,निम्बू ,सहजन ,तुलसी ,बेल पत्र ,बहेड़ा शामिल है ।

उन्होंने बताया कि इस साल सरकार द्वारा लगभग ।लाख पौधों का मुफ्त वितरण किया जाएगा । इसके तहत आज से विभाग द्वारा 14 सरकारी नर्सरी की लिस्ट दिल्ली के नागरिकों के लिए जारी की गई है । इस लिस्ट में हरेक नर्सरी के नोडल अधिकारी का नंबर भी दिया गया है जिससे लोगों को पौधे लेने में आसानी हो। इन 14 नर्सरी में सेंट्रल दिल्ली की आनंद विहार, आईटीओ , कमला नेहरू , कोंडली; वेस्ट दिल्ली की रेवला खानपुर , खड़खड़ी जटमाल, बरार स्क्वायर, बिरला मंदिर; उत्तरी दिल्ली की पूठकलां , कुतुबगढ़, मामुरपुर, अलीपुर और दक्षिण दिल्ली की तुग़लकाबाद , हौज़ रानी नर्सरी शामिल है ।

पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने कहा कि यह औधषीय पौधे इम्युनिटी बढ़ाने में मददगार साबित होते हैं।

ये पौधे इम्युनिटी बढ़ाने का काम करते हैं। यदि यह औषधीय पौधे हमारी रोज की जिंदगी में शामिल कर लिए जाएं, तो निश्चित रूप से दिल्ली के लोगों का स्वास्थ्य बेहतर हो सकेगा ।

11 जुलाई से होगा वन महोत्सव पखवाड़े का शुभारम्भ

पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने बताया कि समर एक्शन प्लान के 14 बिन्दुओ में शामिल वृक्षारोपण महाअभियान को गति देने के लिए 11 जुलाई से वन महोत्सव की शुरुआत सेंट्रल रिज से की जाएगी और 15 दिनों तक चलने वाले इस समारोह का समापन 25 जुलाई को असोला भाटी माइन्स में 1 लाख से अधिक पौधों को लगाकर किया जाएगा । इस पौधारोपण महा अभियान के दौरान दिल्ली सरकार के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, दिल्ली सरकार के मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष अलग-अलग जिलों में इसका नेतृत्व करेंगे। साथ ही 11 जुलाई को दिल्ली के सभी ।0 विधानसभाओ में विधायकों के नेतृत्व यह वृक्षारोपण महाअभियान चलाया जाएगा। दिल्ली के ग्रीन बेल्ट को बढ़ाने और दिल्ली के प्रदूषण को कम करने के लिए हर साल वृक्षारोपण अभियान चलाया जा रहा है। इस साल वृक्षारोपण महाअभियान के तहत 35 लाख से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है । जिसे सभी सम्बंधित 19 विभागों की हरित एजेंसी द्वारा पूरा किया जाएगा।

दिल्लीवासियों से अपील करते हुए पर्यावरण एवं वन मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली को पर्यावरण क्षेत्र में विश्वस्तर पर आगे बढ़ाने के लिए सभी लोग सरकार के साथ अपनी सहभागिता दे । इसके लिए दिल्ली सरकार की नर्सरी से लोगो को मुफ्त में पौधा मुहैया कराय जा रहा है । इस अभियान से ना केवल दिल्ली के हरित क्षेत्र में वृद्धि होगी बल्कि भविष्य में प्रदूषण की समस्या से लड़ने का रोडमैप भी तैयार होगा ।

जनता के सवालों का जवाब नहीं देना चाहती केजरीवाल सरकार : बिधूड़ी

दिल्ली की गंभीर समस्याओं पर भाजपा विधायक घेरेंगे सरकार को

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के 4-5 जुलाई को होने वाले सत्र में भाजपा दिल्ली की समस्याओं पर केजरीवाल सरकार को घेरेगी। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी का कहना है कि केजरीवाल सरकार जनता की समस्याओं पर चर्चा कराने से भागती रही है लेकिन भाजपा इस बार उसे जनता के सवालों का जवाब देने के लिए मजबूर करेगी। जनता मॉनसून की पहली बारिश में ही जलभराव, पब्लिक ट्रांसपोर्ट, शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रदूषण और गली-गली में शराब के ठेकों की समस्याओं से बुरी तरह त्रस्त है।

बिधूड़ी ने कहा कि केजरीवाल सरकार या तो विधानसभा का एक दिन का विशेष सत्र बुलाती है या फिर इतना छोटा सत्र बुलाती है कि उसमें जनता की समस्याओं पर चर्चा हो ही नहीं पाती।

इस बार के सत्र में भी सिर्फ दो दिन की बैठक ही बुलाई गई है जोकि बहुत ही अपर्याप्त है। नियमानुसार 15 दिन पहले सत्र की सूचना दी जानी चाहिए लेकिन इस नियम का बार-बार और खुलेआम उल्लंघन हो रहा है। केजरीवाल सरकार जानबूझ कर ऐसा कर रही है क्योंकि वह जनता के सवालों का जवाब देने से घबराती है। उसके पास कोई जवाब ही नहीं है।

उन्होंने कहा कि मॉनसून की पहली बारिश ने ही पूरी दिल्ली को डुबो दिया और पिछले वर्षों की तरह इस बार भी जनता को जलभराव की समस्या से जूझना पड़ेगा।

हैरानी की बात यह है कि पीडब्ल्यूडी द्वारा नालों की सफाई के नाम पर करोड़ों रुपया खर्च किया गया है लेकिन यह साफ है कि वह भ्रष्टाचार की नजर चढ़ गया है। दिल्ली में डीटीसी की 3760 ओवरएज बसें सड़कों पर चलाकर जनता की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। पिछले कुछ दिनों में ही चलती बसों में आग लग रही है। ऐसी आठ घटनाएं हो चुकी हैं लेकिन दिल्ली सरकार इस तरफ ध्यान नहीं दे रही। दिल्ली सरकार में भ्रष्टाचार का आलम यह है कि कागजों में ही अस्पताल बन गए और उन पर करोड़ों रुपए खर्चा दिखाया गया। हाल ही में किराड़ी में ऐसे अस्पताल का भंडाफोड़ भाजपा ने किया है। प्रदूषण के मारे जहरीली हवा में दिल्ली हांफ रही है लेकिन दिल्ली सरकार कोई कारगर कदम नहीं उठा पाई।

जनता गर्मियों में बूंद-बूंद पानी के लिए तरसती रही और केजरीवाल सरकार हरियाणा पर झूठे आरोप लगाने के अलावा एक तिनका भी टेढ़ा नहीं कर पाए।

दिल्ली में पानी की मांग 1300 एमजीडी तक पहुंच चुकी है जबकि आठ साल उपलब्धता नहीं बढ़ी। दिल्ली सरकार पानी की बजाय जनता को शराब पिलाने पर आमादा है और गली-गली में शराब के ठेके खोल दिए गए हैं। मुफ्त बिजली का वादा करने के बाद अब जनता को मांगने पर ही सबसिडी देने की बात कहकर जनता को भिखारी जैसी हालत में पहुंचा दिया है। स्कूलों में शिक्षकों के हजारों पद खाली पड़े हैं।

बिधूड़ी ने कहा कि भले ही केजरीवाल सरकार जनता के सवालों से मुंह मोड़ने की लाख कोशिश करे लेकिन भाजपा विधायक इस बार विधानसभा सत्र में इन सभी मुद्दों पर सरकार को जवाब देने के लिए मजबूर करेंगे।

जेवर पुलिस ने लूट की योजना बनाते हुए दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर पुलिस ने शनिवार को लूट की योजना बना रहे दो अभियुक्तों दीपक पुत्र रामअवतार निवासी गाँव माचड थाना जहांगीरपुर जिला बुलन्दशहर,नरेन्द्र पुत्र हरिओम निवासी गली नंबर 2,24 फुटा रोड आदर्श नगर मलेना रोड बल्लभगढ फरीदाबाद हरियाणा को साबौता अण्डर पास के पास से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने दो तमंचे तीन सौ पन्द्रह बोर मय दो कारतूस जिन्दा और फर्जी नम्बर प्लेट लगी एक अपाचे मोटरसाईकिल बरामद की है। अभियुक्तगण शातिर किस्म के अपराधी हैं।

रबूपुरा पुलिस ने दो वाहन चोरों को किया गिरफ्तार, कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल सहित अवैध असलहा बरामद

ग्रेटर नोएडा। थाना रबूपुरा पुलिस ने 1/2 जुलाई 2022 को दो वाहन चोरों आमिर पुत्र इसलाम निवासी मौहल्ला आजाद नगर कस्वा व थाना रबूपुरा जिला गौतमबुद्धनगर, जीसान उर्फ सलमान पुत्र हनीफ निवासी मौहल्ला आजादनगर कस्वा व थाना रबूपुरा जिला गौतमबुद्धनगर को कलुपुरा बार्डर से गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्तों का एक साथी जीसान पुत्र इकराम निवासी मौहल्ला आजादनगर कस्बा व थाना रबूपुरा जिला गौतमबुद्धनगर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग गया।पकड़े गए अभियुक्तों के कब्जे से पुलिस ने चोरी की एक मोटरसाइकिल और दो तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय चार कारतूस जिन्दा बरामद किए हैं।अभियुक्तगण की निशादेही पर पुलिस से झाझर बुलन्दशहर रोड शिवा ढाबे के पास खण्डहरनुमा चारदीवारी से इनके द्वारा फरीदाबाद हरियाणा से चोरी कर छिपाई गई एक अन्य चोरी की मोटर साइकिल हीरो होण्डा स्पलैण्डर नंबर डीएल 3एस डीएफ 7203 बरामद की है।अभियुक्तगण शातिर किस्म के वाहन चोर हैं।

आप ने निगम चुनाव जल्द से जल्द कराने के लिए उपराज्यपाल से किया आग्रह

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से यहाँ स्थानीय निकाय चुनाव जल्द से जल्द कराने की माँग करते हुए कहा कि निगम में आते ही कूड़े के पहाड़ों का खात्मा किया जाएगा।

पार्टी से राजेंद्र नगर के विधायक दुर्गेश पाठक ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शुक्रवार को दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने भी मान लिया कि भाजपा ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में अपने 15

सालों के कार्यकाल में कुछ नहीं किया है। अब एलजी साहब ने भी माना कि पूरी दिल्ली कूड़े के पहाड़ों से घिरी हुई है। आज आप दिल्ली में किसी भी राज्य से होते हुए आएं, आपका स्वागत भाजपा द्वारा खड़े किए गए कूड़े के बड़े-बड़े पहाड़ों से होता है। उन्होंने कहा कि यह कूड़े के पहाड़ दिल्ली पर एक बदनुमा दाग लगाते हैं जिससे पूरी दिल्ली परेशान है। पिछले 15 सालों में भाजपा ने इसपर हज़ारों करोड़ रुपए खर्च कर दिए लेकिन कूड़े के पहाड़ एक इंच टस से मस नहीं हुआ। आए दिन इन कूड़े के पहाड़ों में भीषण आग लगती है, जिससे आसपास के लोगों के लिए जीना दूभर हो गया है। आम आदमी पार्टी और दिल्ली वाले पिछले कई सालों से भाजपा द्वारा खड़े किए गए कूड़े के पहाड़ों से छुटकारा पाने की मांग कर रहे हैं।

पाठक ने कहा कि कल श्री सक्सेना ने ट्वीट कर लोगों से सुझाव मांगे कि इन कूड़े के पहाड़ों को कैसे कम किया जा सकता है। मैं उन्हें बताना चाहूंगा कि इसपर पहले ही कई सुझाव दिए जा चुके हैं। भाजपा ने इसपर करोड़ों रुपए खर्च किए लेकिन नतीजे में कोई फर्क नहीं देखने को मिला। दिल्ली के एलजी और भाजपा से विनती है कि आपने जो एमसीडी के चुनाव रोक रखे हैं, उन्हें जल्द से जल्द कराएं। दिल्ली की जनता एमसीडी में भी आम आदमी पार्टी को देखना चाहती है। आम आदमी पार्टी गारंटी के साथ सभी कूड़े के पहाड़ों को खत्म कर देगी।

गंगा मिशन ने दिल्ली में यमुना तट पर किया वृक्षारोपण, रोपे गए 75 पौधे

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन द्वारा शनिवार को जुलाई को दिल्ली में यमुना नदी के किनारे आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'नमामि गंगे' अमृत वाटिका का शुभारंभ किया और पौधे लगाए गए।

कालिंदी कुंज घाट पर यमुना घाट पर वृक्षारोपण पहल के अंतर्गत दिल्ली जल बोर्ड, विभिन्न एनजीओ एवं अन्य संबद्ध संगठन के सहयोग से 75 पौधे लगाए गए।

जल शक्ति मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार इस कार्यक्रम में एनएमसीजी के महानिदेशक जी. अशोक कुमार, एनएमसीजी के कार्यकारी निदेशक (तकनीकी) डीपी मथुरिया, मिशन और डीजेबी के अन्य अधिकारी स्वयंसेवक, स्कूली बच्चे और विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग शामिल हुए।

कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण एवं नदियों के विषय पर रंग सारथी संस्थान के युवाओं द्वारा एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में आदर्श ज्ञान वाटिका के स्कूली बच्चों ने भी भाग लिया, जिन्हें अपने माता-पिता को घर में सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने के लिए मनाने के लिए सूती बैग भी दिए गए। कार्यक्रम में भाग लेने वाले एनजीओ में वाईएसएस, एसवाईए और ट्री क्रेज फाउंडेशन शामिल थे।

कार्यक्रम में एनएमसीजी के महानिदेशक श्री कुमार ने कहा कि गंगा नदी की सहायक नदियों, विशेष रूप से यमुना की सफाई नमामि गंगे कार्यक्रम के पहली प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में कोरोनेशन पिलर पर 31.8 दैनिक करोड़ क्षमता का जल-मल शोधन संयंत्र (एसटीपी) पहले ही चालू किया जा चुका है जबकि एनएमसीजी द्वारा वित्त पोषित यमुना पर तीन अन्य मुख्य एसटीपी हैं, जिन्हें दिसंबर तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसमें रिठाला, कोंडली और ओखला में बनाए जा रहे संयंत्र शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद यमुना नदी के पानी की गुणवत्ता में काफी सुधार होगा क्योंकि दैनिक 138.5 करोड़ लीटर अपशिष्ट जल नदी में बहना बंद हो जाएगा। उन्होंने प्रतिभागियों को इस स्वच्छ यमुना अभियान का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया जो अब गति पकड़ रहा है।

दिल्ली में 'यमुना नदी पर सफाई अभियान' एनएमसीजी द्वारा हर महीने के चौथे शनिवार को आयोजित की जाने वाली एक नियमित गतिविधि है।

उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने संयुक्त जिला चिकित्सालय नोएडा में विशेष संचारी एवं दस्तक अभियान का किया शुभारंभ

विवेक राय गौरवशाली भारत

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रदेश भर में दिनांक 01 जुलाई 2022 से 31 जुलाई 2022 तक विशेष संचारी रोग नियन्त्रण अभियान तथा 16 जुलाई से 31 जुलाई 2022 तक दस्तक अभियान चलाया जाना है।

जिसमें चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, नोडल विभाग तथा जिला पंचायत राज विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, नगर विकास विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग एवं माध्यमिक शिक्षा विभागों द्वारा एक जुट होकर जन सामान्य को संचारी रोगों से बचाव के लिए जागरूक व आवश्यक कार्यवाही संपादित करायेंगे।

इसी क्रम में शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक के द्वारा संयुक्त जिला चिकित्सालय सेक्टर 30 नोएडा में विशेष संचारी एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ जनसामान्य एवं विभिन्न विभागों से आये अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री/स्वास्थ्य मंत्री द्वारा अपेक्षा की गयी कि सभी लोग इस कार्यक्रम को पूरी निष्ठा के साथ सफल बनायें। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम की सफलता आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों पर निर्भर है।

जो दस्तक अभियान में घर-घर जाकर लोगों को जागरुक करेंगी और क्षेत्र में पाये बुखार के रोगी, संभावित टी बी रोगी, संभावित कोविड रोगी, कुपोषित बच्चों और क्षेत्र में अनावश्यक जल भराव की स्थिति के बारे में सूचना ब्लॉक अस्पताल में उपलब्ध करायेंगी। उप मुख्यमंत्री/स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा परिसर में लगाये गये विभिन्न स्टॉलों के साथ-साथ जिला अस्पताल का निरीक्षण भी किया। तदोपरान्त उन्होंने आशा कार्यकत्री, आंगनवाड़ी कार्यकत्री, नोएडा प्राधिकरण के फागिंग एवं कीटनाशक छिड़काव कर्मियों की जागरुकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस कार्यक्रम में डॉ एके सिंह निदेशक संचारी रोग उत्तर प्रदेश, डॉ सुनील शर्मा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ राजेन्द्र सिंह कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला चिकित्सालय, डॉ ललित कुमार अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ सुनील दोहरे अपर मुख्य चिकत्सा अधिकारी, राजेश शर्मा जिला मलेरिया अधिकारी व अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। राज्य मुख्यालय से आये नोडल अधिकारी डॉ एके सिंह निदेशक संचारी रोग उत्तर प्रदेश लखनऊ ने क्षेत्र में भ्रमण कर नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बरौला एवं सैक्टर-22 पर चलने वाली गतिविधियों की समीक्षा की और सुधार के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये।

यूपी 112 गौतमबुद्धनगर लगातार पूरे प्रदेश में 12 वी बार प्रथम स्थान प्राप्त, माह जुलाई से अभी तक प्रथम स्थान पर है काबिज

गौरवशाली भारत संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। माह जून 2022 में पूरे प्रदेश के यूपी 112 के रेस्पान्स टाईम में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर द्वारा प्रथम स्थान प्राप्त किया गया है। विगत माह जुलाई 2021 से लगातार कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर प्रथम स्थान पर ही रहा है। वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 400-450 इवेन्ट प्राप्त होते है। जिनको कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर से डायल 112 से 65 चार पहिया पीआरवी व 50 दो पहिया पीआरवी द्वारा पंहुचकर त्वरित सहायता प्रदान की जाती है। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में माह जून में कुल-17612 सूचनायें प्राप्त हुई। जिन पर पीआरवी द्वारा तत्काल घटना स्थल पर पहुंचकर त्वरित कार्यवाही कर सहायता प्रदान की गयी। महिला की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये गौतमबुद्धनगर में छः महिला पीआरवी चलती है तथा हाईवे पर सुरक्षा एवं त्वरित रेस्पांस के लिये चार पीआरवी ईस्टर्न-पेरीफेरल तथा दो पीआरवी यमुना-एक्सप्रेस-वे पर संचालित रहती है। जून माह में कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में शहरी क्षेत्र में पीआरवी का एवरेज रेस्पांस टाइम 4 मिनट 21 सैकण्ड रहा तथा देहात क्षेत्र में पीआरवी का रेस्पांस टाइम 6 मिनट 9 सैकण्ड रहा तथा कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर का माह जून का ऐवरेज रेस्पांस टाइम 5 मिनट 29 सैकण्ड रहा है। पीआरवी की उत्तम कार्यशैली व तकनीकी सहायता तथा जल्द से जल्द कॉलर को पूर्ण रूप से सहायता प्रदान करने के लिये पीआरवी कर्मियों को समय-समय पर 18 दिवसीय फ्रेशर तथा प्रत्येक छः माह के अन्तराल में सभी पीआरवी कर्मियों को नौ दिवसीय रिफ्रेशर कोर्स कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर की पुलिस लाईन में सम्पन्न कराया जाता है। विगत माह जून में प्रदेश के यूपी-112 कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर चार बार पीआरवी ऑफ दा डे का खिताब प्राप्त किया है।1 जून 2022 को थाना दादरी क्षेत्रान्तर्गत चोरी की सूचना पर पीआरवी 2648 तत्काल मौके पर पहुँचकर त्वरित कार्यवाही करते हुये कॉलर द्वारा बतायी गयी लोकेशन की तरफ आरोपियों का पीछा किया तो 20 किलोमीटर दूर दनकौर थाना क्षेत्र में कॉलर की गाडी खड़ी मिली। पीआरवी कर्मियों ने गाडी को बरामद कर आवश्यक कार्यवाही हेतु थाना दनकौर के सुपुर्द कर कॉलर को सूचना दी गयी।

संपादकीय

कन्हैयालाल के अपराधी केवल हत्यारे नहीं

उदयपुर के कन्हैयालाल दर्जी की दिनदहाड़े गला काटकर हत्या करने की भयानक घटना से देश का बड़ा समूह उद्वेलित है। न तो कन्हैयालाल को जिबह करने वाला रियास अख्तरी और गौस मोहम्मद इस सोच के दो ही है और न कन्हैयालाल उनके निशाने पर एकमात्र व्यक्ति। न जाने कितने रियास और गौस मजहब के नाम पर ऐसे ही अनेक कन्हैयालालों को जिबह करने के लिए तैयार बैठे हैं। कन्हैयालाल की हत्या ठीक वैसे ही है जैसे फ्रांस में 16 अक्टूबर, 2020 को सैमुअल पेटी शिक्षक का एक चेचेन मुसलमान जेहादी आतंकवादी ने सिर कलम कर दिया था। हत्यारा अब्दुलाख अबौयदोविच अंजोरोव को बताया गया था कि पेटी ने अपनी कक्षा में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर बोलते हुए छात्रों को शार्लो हेब्दो के 2012 के कार्टून दिखाए थे ,जिसमें पैगंबर मोहम्मद साहब की आपत्तिजनक छवि दिखाई गई थी। उसके बाद पेटी के विरुद्ध इसी तरह अभियान चलाए गए, जिस तरह इस समय भाजपा की नूपुर शर्मा, नवीन जिंदल और उनके समर्थकों को लेकर चलाया जा रहा है। बाद में पता चला कि जिस दिन पेटी द्वारा शार्लो हेब्दो का कार्टून दिखाने की बात थी उस दिन वो स्कूल गए ही नहीं थे। कन्हैयालाल को नूपुर शर्मा के पक्ष में एक फेसबुक पोस्ट लिखने के कारण जान गंवानी पड़ी। उस घटना के तुरंत बाद फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि यह विशिष्ट इस्लामी आतंकवादी हमला है और हम इसके सामने झुकेंगे नहीं। पूरे फ्रांस में लोगों ने बाहर निकलकर इसका विरोध किया और लाखों लोगों ने कहा कि हम भी सैमुअल पेटी हैं। हमारे यहां ऐसा कुछ नहीं हुआ । उस समय फ्रांस की मस्जिदों के अनेक इमामों, मौलानाओं ने हत्या की निंदा की और कहा कि इस्लाम में इसके लिए कोई स्थान नहीं है।

वैसा ही दृश्य भारत में है। जो नूपुर शर्मा और नवीन जिंदल को गुस्ताख ए रसूल घोषित कर रहे थे वो सब हत्या की निंदा में लग गए हैं। एक दिन पहले मोहम्मद जुबेर की गिरफ्तारी को मोदी सरकार की मुस्लिम विरोधी सोच का प्रमाण बताने वाले मुस्लिम चेहरे भी इसकी निंदा कर रहे हैं। प्रश्न है कि अगर ये सारे लोग इस तरह की हिंसा व हत्या के विरोधी हैं तो ऐसी स्थिति पैदा क्यों हुई जिसमें कन्हैयालाल की बलि चढ़ गई और अनेक की जान खतरे में हैं?

सच यह है कि सिर कलम करने का वातावरण बनाने और रियाज एवं गौस जैसों की जिहादी कट्टरता को परवान चढ़ाने के पीछे उन सारे मुस्लिम नेताओं, बुद्धिजीवियों , स्वयं को सेकुलर- लिबरल मानने वाले हिन्दू बुद्धिजीवियों ,पत्रकारों एक्टिविस्टों की भूमिका है जिन्होंने न केवल नूपुर शर्मा नवीन जिंदल प्रकरण को विकृत तरीके से पेश किया बल्कि लंबे समय से यह प्रचारित करते रहे हैं कि भारत में मुसलमानों के साथ शासन -प्रशासन दोयम दर्जे का व्यवहार कर रहा है , उनकी धार्मिक गतिविधियों तक को बाधित की जा रही है। क्या ऐसी संख्या हजारों लाखों में नहीं है जिन्होंने लंबे समय से दुष्प्रचार किया मानो मुसलमान इस देश में मजहबी अल्पसंख्यक होने के कारण उत्पीड़ित हैं? क्या ज्ञानवापी पर न्यायालय के फैसले के बाद यह शोर नहीं मचाया गया कि हमारी सारी मस्जिदें छिन जाएंगी, नमाज पढ़ने पर बंदिशें लग जाएंगी? एक टीवी डिबेट की बहस में यह कहे जाने को कि आप हमारे देवी देवताओं के बारे में इस तरह बोलते हो अगर मैं आपको इस तरह कहूंगी तो कैसा लगेगा मोहम्मद साहब और इस्लाम के अपमान का इतना बड़ा मुद्दा बना दिया गया कि दुनिया भर में जिहादी सोच वालों को खाद पानी मिल गया। इस घटना की निंदा करने वाले में वे लोग भी हैं, जो उन विरोध प्रदर्शनों के नेतृत्वकर्ताओं में थे या भागीदार थे जिनमें बाजाब्ता बैनर लगे थे कि गुस्ताख ए रसूल की एक ही सजा सिर तन से जुदा सिर तन से जुदा और यही नारे भी लग रहे थे।

जब आप ऐसा माहौल बनाएंगे ,इस तरह के पोस्टर लेकर सड़कों पर निकलेंगे ,नारे लगाएंगे तो उसका हस्र यही होगा। सेकुलरवाद की विकृत सोच और वोट बैंक के कारण अनेक सरकारें ऐसी नीतियां अपनातीं हैं,जो व्यवहार में मुस्लिमपरस्त हो जाती हैं।

चिकित्सा शिक्षा पर बढ़ता व्यावसायिक प्रभाव

आज देश में 604 मेडिकल कॉलेज हैं, जिसमें 90,675 छात्र नामांकित हैं। इनमें से 290 सरकारी कॉलेज और 265 निजी हैं। देश में चिकित्सा से संबंधित 49 डीम्ड मेडिकल विश्वविद्यालय स्तर के संस्थान भी हैं। यह अच्छा है कि देश का योजना विभाग देश की जनता के स्वास्थ्य के बारे में सोचे और अपनी सक्रियता दिखाए।बेशक, सभी के लिए समानयह स्वास्थ्य पर सवाल खड़ा करता है। किसी को भी स्वास्थ्य प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों की आवश्यकता सर्वोपरि है। लेकिन इन संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों में डॉक्टर कौन बनने जा रहा है? क्या वे सेवा की भावना से डॉक्टर बन रहे हैं? अगर छात्रों से सीधे-सीधे सवाल पूछे जाएं तो उनका जवाब हां में होगा लेकिन असली तस्वीर तब सामने आती है जब वे मैदान पर होते हैं। मेडिकल कॉलेज प्रवेश प्रक्रियायह यूजी के आधार पर होता था, लेकिन आज भी उसी के आधार पर है। आपको नीट की परीक्षा पास करनी होगी। उसकी तैयारी ग्यारहवीं, बारहवीं नहीं तो नौवीं दसवीं से शुरू होती है। इस बीच, बच्चे को उनके साथ रहने की मांग करते हुए नेट तैयार करने के लिए ट्यूशन सेंटरों का एक नेटवर्क स्थापित किया गया है। बारहवीं का सर्टिफिकेट पाने के लिए बच्चों को डमी एडमिशन मिलता है। ये डमी दाखिले उनकी मानसिकता में सबसे पहले हैं। इन केंद्रों पर दो साल के लिए औसतन 4-5 लाख रुपये खर्च होते हैं, अगर वे समान हैंएक शहर बनें मेडिकल कॉलेज में दाखिले के समय सरकारी प्राइवेट की फीस को देखें तो सरकारी मेडिकल कॉलेज में भी कोर्स, फीस, हॉस्टल, मेस, किताबें-कपड़े आदि के हिसाब से 15-20 लाख है, जबकि फीस निजी मेडिकल कॉलेजों के केवल 30-40 लाख रुपये और अन्य खर्च अलग हैं। वहां उन्हें 30-40 लाख रुपये का एकमुश्त भुगतान भी करना होगा। इसके बाद निजी मेडिकल कॉलेज आते हैं, जिनमें से अधिकांश सरकार में विधायकों या सांसदों की भागीदारी से संचालित होते हैं। उन्होंने मेडिकल काउंसिल की शर्तों को पूरा कियाधीरे-धीरे बदल रहे हैं। शिक्षकों की ओर से आयु वृद्धि और कुछ शिक्षकों की संख्या और संरचना इस तरह से तय की गई है कि वे कम से कम शिक्षकों के साथ काम कर सकें। इसके अलावा, निजी कॉलेज अपने स्तर पर, पूर्णकालिक, सप्ताह में दो दिन, और सहायक, घर-आधारित विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान करते हैं। यह सच्चाई किसी से छिपी नहीं है। यह एक महत्वपूर्ण पहलू है कि संकाय क्या पढ़ाएगा। वर्तमान सरकार ने भारतीय चिकित्सा परिषद को भंग कर दिया है और अब यहराष्ट्रीय चिकित्सा आयोग अस्तित्व में आया है। एमसीआई लगातार इन संस्थानों पर नजर रखता था। अब मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए केवल एक बार स्वीकृति की आवश्यकता होगी, फिर संस्थान को एक प्रतिष्ठित मान्यता कंपनी से प्रमाण पत्र मिलेगा और संस्थान के विज्ञापन को ए +, ए ++ आदि कहा जाएगा। सरकार राष्ट्रीय स्तर पर एग्जिट टेस्ट कराएगी, जिसके बारे में अभी कुछ भी स्पष्ट नहीं है। एमबीबीएस उनकी शिक्षा की स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके बच्चों का नेट पीजी है। दबाव बना रहता है, जो वे प्रवेश के बाद शुरू करते हैंवे औपचारिक शिक्षा, चिकित्सा पद्धति और अस्पताल के कर्तव्यों पर ध्यान नहीं देते हैं। इस पूरे परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण सवाल यह है कि हम किस तरह के डॉक्टर पैदा कर रहे हैं। हम में से जो स्वास्थ्य के बारे में चिंतित हैं, हमारे हाथ में स्टेथोस्कोप, ब्लड प्रेशर उपकरण, इंजेक्शन आदि हैं, जो कक्षाओं/अस्पतालों में जाने के इच्छुक नहीं हैं, साथ ही सप्ताह में दो दिन आने वाले संकाय, प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर रहते हैं। रात और पाठ्यक्रम समाप्त करें और छोड़ दें।

सुविधा से ज्यादा जरूरी है सुरक्षा

ललित गर्ग

भारत का सड़क यातायात तमाम विकास की उपलब्धियों एवं प्रयत्नों के असुरक्षित एवं जानलेवा बना हुआ है, सुविधा की खूनी एवं हादसे की सड़कें नित-नयी त्रासदियों की गवाह बन रही है। दुनिया की जानी-मानी पत्रिका 'द लांसेट' में इस मसले पर केंद्रित एक अध्ययन में बताया गया है कि भारत में सड़क सुरक्षा के उपायों में सुधार लाकर हर साल तीस हजार से ज्यादा लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। अध्ययन के मुताबिक, खुनी सड़कों एवं त्रासद दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं- वाहनों की बेलगाम या तेज रफ्तार, शराब पीकर गाड़ी चलाना, हेलमेट नहीं पहनना और सीट बेल्ट का इस्तेमाल नहीं करना शामिल हैं। भले ही हर सड़क दुर्घटना को केन्द्र एवं राज्य सरकारें दुर्भाग्यपूर्ण बताती है, उस पर दुख व्यक्त करती है, मुआवजे का ऐलान भी करती है लेकिन बड़ा प्रश्न है कि एक्सीडेंट रोकने के गंभीर उपाय अब तक क्यों नहीं किए जा सके हैं? जो भी हो, सवाल यह भी है कि इस तरह की तेज रफ्तार सड़कों पर लोगों की जिंदगी कब तक इतनी सस्ती बनी रहेगी? सचाई यह भी है कि पूरे देश में सड़क परिवहन भारी अराजकता का शिकार है। सबसे भ्रष्ट विभागों में परिवहन विभाग शुमार है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की ओर से दी गई यह जानकारी हतप्रभ करने वाली है कि देश में प्रतिदिन करीब 415 लोग सड़क दुर्घटनाओं में जान गंवाते हैं। कोई भी अनुमान लगा सकता है कि एक वर्ष में यह संख्या कहां तक पहुंच जाती होगी? इसका कोई मतलब नहीं कि प्रति वर्ष लगभग डेढ़ लाख लोग सड़क हादसों में जान से हाथ धो बैठें। इन त्रासद आंकड़ों ने एक बार फिर यह सोचने को मजबूर कर दिया कि आधुनिक और बेहतरीन सुविधा की सड़के केवल रफ्तार एवं सुविधा के लिहाज से जरूरी हैं या फिर उन पर सफर का सुरक्षित होना पहले सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

'द लांसेट' के अध्ययन में यह तथ्य भी उभर कर सामने आया कि सड़कों पर वाहनों की गति की जांच और लगाम लगाने के लिए जरूरी कदम उठाने से भारत में बीस हजार से ज्यादा लोगों की जान बच सकती है। वहीं केवल हेलमेट पहनने को लोग अपने लिए अनिवार्य मानने लगें और यातायात महकमे की ओर से इस नियम का पालन सुनिश्चित किया जाए तो इससे पांच हजार छह सौ तिरासी जिंदगी बचाई जा सकती है। इसी तरह, वाहनों में बैठ कर सफर करने वाले लोगों के बीच सीट बेल्ट के इस्तेमाल को बढ़ावा देकर तीन हजार से अधिक लोगों को मरने से बचाया जा सकता है। इसके अलावा, शराब पीकर वाहन चलाने की वजह से सड़क हादसों की कैसी तस्वीर बनती है, यह किसी से छिपा नहीं है।

विचारणीय तथ्य है कि हर साल दुनिया भर में सड़क हादसों में साढ़े तेरह लाख से ज्यादा लोगों की जान चली जाती है। इसमें से करीब नब्बे फीसद मौतें कम और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं। अगर सड़क सुरक्षा के कुछ उपायों को ही ठीक से प्रयोग में लाया जा सके, तो मरने वाले कुल लोगों में से लगभग चालीस फीसद तक लोगों को मरने से बचाया जा सकता है। 'दुर्घटना' एक ऐसा शब्द है जिसे पढ़ते ही कुछ दृश्य आंखों के सामने आ जाते हैं, जो भयावह होते हैं, त्रासद होते हैं, डरावने होते हैं, खूनी होते हैं। खूनी सड़कों में सबसे शीर्ष पर है यमुना एक्सप्रेस-वे। इस पर होने वाले जानलेवा सड़क हादसे कब थमेंगे? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि इस पर होने वाली दुर्घटनाओं और उनमें मरने एवं घायल होने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। यही नहीं, देश की अन्य सड़के इसी तरह इंसानों को निगल रही है, मौत का ग्रास बना रही है। इनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। सड़क दुर्घटनाओं में लोगों की मौत यही बताती है कि अपने देश की सड़कें कितनी अधिक जोखिम भरी हो गई हैं। बड़ा प्रश्न है कि फिर मार्ग दुर्घटनाओं को रोकने के उपाय क्यों नहीं किए जा रहे हैं? सच यह है कि बेलगाम वाहनों की वजह से सड़कें अब पूरी तरह असुरक्षित हो चुकी हैं। सड़क पर तेज गति से चलते वाहन एक तरह से हत्या के हथियार होते जा रहे हैं वहीं सुविधा की सड़के खूनी मौतों की त्रासद गवाही बनती जा रही है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय लोगों के सहयोग से वर्ष 2025 तक सड़क हादसों में 50 प्रतिशत की कमी लाना चाहता है, लेकिन यह काम तभी संभव है जब मार्ग दुर्घटनाओं के मूल कारणों का निवारण करने के लिए ठोस कदम भी उठाए जाएंगे। कुशल ड्राइवरों की कमी को देखते हुए ग्रामीण एवं पिछड़े इलाकों में ड्राइवर ट्रेनिंग स्कूल खोलने की तैयारी सही दिशा में उठाया गया कदम है, लेकिन इसके अलावा भी बहुत कुछ करना होगा। हमारी ट्रेफिक पुलिस एवं उनकी जिम्मेदारियों से जुड़ी एक बड़ी विडम्बना है कि कोई भी ट्रेफिक पुलिस अधिकारी चालान काटने का काम तो बड़ा लगन एवं तन्मयता से करता है, उससे भी अधिक रिश्वत लेने का काम पूरी जिम्मेदारी से करता है, प्रधानमंत्रीजी के तमाम भ्रष्टाचार एवं रिश्वत विरोधी बयानों एवं संकल्पों के यह विभाग धडल्ले से रिश्वत वसूली करता है, लेकिन किसी भी अधिकारी ने यातायात के नियमों का उल्लघंन करने वालों को कोई प्रशिक्षण या सीख दी हो, नजर नहीं आता। यह स्थिति दुर्घटनाओं के बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है।

जरूरत है सड़कों के किनारे अतिक्रमण को दूर करने की, आवारा पशुओं के प्रवेश एवं बेघड़क घुमने को भी रोकने की। ये दोनों ही स्थितियां सड़क हादसों का कारण बनती है। यह भी समझने की जरूरत है कि सड़क किनारे बसे गांवों से होने वाला हर तरह का बेरोक-टोक आवागमन भी जोखिम बढ़ाने का काम करता है। इस स्थिति से हर कोई परिचित है, लेकिन ऐसे उपाय नहीं किए जा रहे, जिससे कम से कम राजमार्ग तो अतिक्रमण और बेतरतीब यातायात से बचे रहें। इसमें संदेह है कि उलटी दिशा में वाहन चलाने, लेन की परवाह न करने और मनचाहे तरीके से ओवरटेक करने जैसी समस्याओं का समाधान केवल सड़क जागरूकता अभियान चलाकर किया जा सकता है। इन समस्याओं का समाधान तो तब होगा जब सुगम यातायात के लिए चौकसी बढ़ाई जाएगी और लापरवाही का परिचय देने अथवा जोखिम मोल लेने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, चालान काटना या नये-नये जुर्माने की व्यवस्था करने से सड़क दुर्घटनाएं रूकने वाली नहीं है। यह ठीक नहीं कि जानलेवा सड़क दुर्घटनाओं का सिलसिला कायम रहने के बाद भी राजमार्गों पर सीसीटीवी और पुलिस की प्रभावी उपस्थिति नहीं दिखती।

यह गंभीर चिंता का विषय है कि सड़कों पर बेलगाम गाड़ी चलाना कुछ लोगों के लिए मौज-मस्ती एवं फैशन का मामला होता है लेकिन यह कैसी मौज-मस्ती या फैशन है जो कई जिन्दगियां तबाह कर देती है। ऐसी दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना त्रासद है और इससे भी बड़ी त्रासदी सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना है। हर स्थिति में मनुष्य जीवन ही दांव पर लग रहा है। इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है?

परिवहन नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है, केवल चालान काटना समस्या का समाधान नहीं है। देश में 30 प्रतिशत ड्राइविंग लाइसेंस फर्जी हैं। परिवहन क्षेत्र में भारी भ्रष्टाचार है लिहाजा बसों का ढंग से मेनटेनेंस भी नहीं होता। इनमें बैठने वालों की जिंदगी दांव पर लगी होती है। देश भर में बसों के रख-रखाव, उनके परिचालन, ड्राइवरों की योग्यता और अन्य मामलों में एक-समान मानक लागू करने की जरूरत है, तभी देश के नागरिक एक राज्य से दूसरे राज्य में निश्चिंत होकर यात्रा कर सकेंगे। तेज रफ्तार से वाहन दौड़ाने वाले लोग सड़क के किनारे लगे बोर्ड पर लिखे वाक्य 'दुर्घटना से देर भली' पढ़ते जरूर हैं, किन्तु देर उन्हें मान्य नहीं है, दुर्घटना भले ही हो जाए।

जीएसटी काउंसिल की 47 वीं दो दिवसीय बैठक में कई अहम फैसले

कोविड-19 महामारी की भयंकर त्रासदी से कुछ हद तक राहत पाने के बाद अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए कुछ सख्त कदम कुछ राहतें देने कोविड के बाद छह माह के अंतराल पर यह दूसरी और जीएसटी की 47 वीं दो दिवसीय बैठक 28 - 29 जून 2022 को केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता में चंडीगढ़ में संपन्न हुई जिसमें जीओएम की चार सिफारिशों पर भी चर्चा हुई जिसमें कई बड़े निर्णय हुए। पीआईबी द्वारा सिफारिशों की जो सूची जारी की गई है उसका अध्ययन करने पर हम देखेंगे के अधिकतम दरों में इजाफा किया गया है याने 5 से 12 फ़ीसदी और 12 से 18 फ़ीसदी और कुछ नए माल, सेवाओं पर पांच फ़ीसदी से 12 फ़ीसदी कर लगाया गया है!! इन बढ़ी हुई दरों का सीधा सीधा असर आम आदमी की जेब पर पड़ेगा जो स्वाभाविक रूप से हम समझ सकते हैं। परंतु लंबे समय से चल रहे मुद्दे कसीनो, लाटरी, ऑनलाइन गेमिंग, घुड़दौड़ जैसे मामलों में 28 फ़ीसदी जीएसटी लगाने का मामला फिर टाल दिया गया है और मंत्री समूह से इसपर फिर से विचार कर 15 जुलाई तक रिपोर्ट देने को कहा गया है और अब अगली बैठक 1 अगस्त 2022 को होने का अनुमान है।

साथियों बात अगर हम महंगी होने वाली वस्तुओं की करें तो अनेक वस्तुओं, सेवाओं को नए सिरे से टैक्स के दायरे में लाया गया है और कुछ सेवाओं को 5 से बढ़ाकर 12फ़ीसदी के दायरे में कुछ को12 से 18 फ़ीसदी के दायरे में लाया गया है जिससे आम जनता की जेब पर असर पड़ेगा याने पीआईबी की सूची के अनुसार, जिन वस्तुओं पर दरें बढ़ाई गई हैं, उनमें प्री-पैकेज्ड और लेबल वाले आटा और चावल शामिल हैं। भले ही वो गैर-ब्रांडेड क्यो न हों, उनपर 5 फीसदी की दर से टैक्स लगेगा, इसके अलावा मीट, मछली, दही, पनीर और शहद जैसे प्री-पैक्ड और लेबल्ड खाद्य पदार्थों पर भी इसी दर से टैक्स लगेगा यानी ये सभी खाद्य पदार्थ अब महंगे होने जा रहे हैं, इसके अलावा गुड़, विदेशी सब्जियां, अनरोस्टेड कॉफी बीन, अनप्रोसेस्ड ग्रीन टी, व्हीट ब्रान और राइस ब्रान को भी छूट से बाहर रखा गया है। नई दरें 18 जुलाई 2022 से प्रभावी होंगी।

साथियों, सोलर वॉटर हीटर, फिनिश्ड लेदर पर टैक्स 5 फीसदी से बढ़ाकर 12 फीसदी कर दिया गया है। एलईडी लैंप, स्याही, चाकू, ब्लेड, बिजली से चलने वाले पंप, डेयरी मशीनरी को 12 फीसदी के दायरे से बढ़ाकर अब 18 के दायरे में लाया गया है। इसके अलावा अनाज की मिलिंग मशीनरी पर टैक्स 5 सदी से बढ़ाकर 18 फीसदी करने का फैसला किया गया है।अब बजट होटल में रहना महंगा हो जाएगा, दरअसल, एक हज़ार रुपये प्रति दिन से कम के होटल के कमरों पर 12 फीसदी की दर से टैक्स लगाया जाएगा, फिलहाल ऐसे कमरे कर मुक्त श्रेणी में आते हैं। इसके अलावा बैठक में चेक जारी करने के लिए बैंक द्वारा वसूले जाने वाले शुल्क पर भी 18 फीसदी की दर से जीएसटी लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है।

साथियों, बात अगर हम टैक्स में राहत से आम आदमी को सुविधाओं की करें तो बैठक में असंगठित क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से छोटे ऑनलाइन कारोबारियों के लिए अनिवार्य पंजीकरण को माफ करने पर सहमति व्यक्त की है। कानून में बदलाव 1 जनवरी, 2023 से लागू किए जाएंगे। काउंसिल के मुताबिक, इस फैसले से लगभग 1.2 लाख छोटे व्यापारियों को फायदा होगा।बैठक मेंकंपोजीशन डीलरों को ई-कॉमर्स ऑपरेटरों के माध्यम से इंट्रास्टेट आपूर्ति करने की भी अनुमति दी गई। ट्रांसपोर्ट सेक्टर में रोपवे पर जीएसटी दर में कटौती को मंजूरी मिल गई है। इसके बाद माल ढुलाई सस्ता होने की संभावना है।

इसके अलावा ईंधन लागत सहित माल ढुलाई को किराए पर देने और टूर पैकेज के विदेशी कंपोनेंट्स को जीएसटी से छूट देने पर भी सरकार की ओर से राहत देने का फैसला लिया गया है। काउंसिल ने यह प्रस्ताव भी दिया है कि माल ढुलाई के किराए पर जीएसटी दर को 18 फीसदी से कम

यह अमित शाह की जीत और मराठा साम्राज्य फतेह

प्रशान्त राय

भाजपा की नजर 2024 के लोकसभा चुनाव पर है। एकनाथ शिंदे को सीएम बनाने से मराठा वोटर सध सकता है। शिंदे के सीएम बनने से मराठा-ब्राह्मण कॉम्बिनेशन और हिंदुत्व के प्लॉट पर भाजपा मजबूत होगी।भाजपा के भीतर का दलीय अनुशासन ख़ासतौर पर कांग्रेस जैसी पार्टी और उसके नेताओं के लिए एक सीख की बात है। व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और नाराज़गी होना एक बात हो सकती है लेकिन अंत में पार्टी हित के साथ खड़ा बताना बिल्कुल दूसरी बात। ये राजनीतिक अनुशासन है।

फडणवीस से आखिरी वक्त में कह दिया गया था कि वे ही शिंदे को सीएम बनाने की घोषणा करेंगे। लेकिन, फडणवीस ने खुद को सरकार से बाहर रखने का ऐलान भी कर दिया। इससे उनके समर्थक नाराज हो गए। इसके बाद क्राइसिस मैनेजमेंट के तहत केंद्रीय नेतृत्व की ओर से पहले नड्डा ने, फिर अमित शाह ने फडणवीस से बात की और वे मान गए ।वही शीर्ष नेतृत्व लग चुका था कि महाराष्ट्र भाजपा नेताओं को लगता है केंद्रीय नेतृत्व पिछले 8-10 साल से फडणवीस को ज्यादा तवज्जो देकर बाकी नेताओं को किनारे कर रहा है। इसलिए केंद्र भी चाहता है कि फडणवीस खुद को महाराष्ट्र भाजपा का बेताज बादशाह न समझें।कोई पटकथा तुरंत नहीं लिखा जाता उसको लिखने और ढालने में समय लगता है । देवेन्द्र फडणवीस महाराष्ट्र की राजनीति में चौथे मुख्यमंत्री हो गए ,जो किसी सरकार मे छोटा पद ग्रहण किया है ।

इकतीस महीन पहिले देवेंद्र फडणवीस ने इस्तीफा दे दिया है अजीत पवार की घर वापसी हो गई है शरद पवार का बुढापा सुधर गया है और अजीत, सुप्रिया और रोहित का भी भविष्य भी सुरक्षित हो गया है पूरा मीडिया अभी शरद पवार को सबसे बड़ा चाणक्य साबित करने में लग गया है लेकिन सियासत के इस शतरंज के सबसे बड़े शातिर एवं चाणक्य अमित शाह ही साबित हुए है।जैसे ही विधानसभा चुनाव के परिणाम सामने आए तो अमित शाह ने युद्ध स्तर पर हरियाणा की सियासी जमावट की और 48 घँटे के अंदर दुष्यंत चौटाला को उपमुख्यमंत्री बनाकर बीजेपी की सरकार बना दी लेकिन क्या कारण है कि एक महीने के बाद भी महाराष्ट्र में बीजेपी की सरकार के लिए बिलकुल भी प्रयास नही किये क्यों उन्होंने उद्धव ठाकरे से एक बार बात नही की और महाराष्ट्र का एक भी बार दौरा नही किया क्यो उन्होंने लोकसभा चुनाव की तरह शिवसेना को मनाकर साथ मे क्यो नही मिलाया?

370 हटने के बाद देश की राजनीति का बिग बॉस कौन है क्यो हर महत्वपूर्ण मुद्दे पर अमित शाह की ब्रान्डिंग की जा रही है ।अमित शाह ही बीजेपी का अगला प्रधानमंत्री का उम्मीदवार हो सकते है लेकिन इस सबके बीच एक देवेंद्र फडणवीस खड़े हुए थे , फडणवीस आरएसएस के भी चहेते हैं।

अमित शाह और मोदी की राजनीति को समझा जाए उसके आधार पर कहा जा सकता है की वो अपने सामने में उठने वाली हर राजनीतिक संभवाना का निस्तारण कर देते हैं चाहे शंकर सिंह वाघेला,हरेन और केशूभाई पटेल इसके प्रत्यक्ष उदाहरण है ।

अमित शाह शुरू से जानते थे कि देवेंद्र फडणवीस एक युवा,बेदाग और ऊर्जावान मुख्यमंत्री है और वो नरेंद्र मोदी की आँख के तारे है इसलिए वो शुरू से नही चाहते थे कि वो मुख्यमंत्री नही बने लेकिन जब देवेन्द्र ने अजित पवार की बात पर विश्वास करके कच्ची राजनीति खेली तो अमित शाह को बहुत बड़ा मौका मिल गया अमित शाह ने इस पूरे खेल से अपने आप को अलग कर लिया और अपने किसी सिपहसलार को भी इस काम मे नही लगाया जिसके कारण इस पूरी लड़ाई में देवेन्द्र फडणवीस अभिमन्यु की तरह अकेले पड़ गए और राजनीति के घाघो ने उन्हें घेर कर मार दिया और इस राजनीति से अमित शाह ने एक तीर से कई शिकार किये है अजित पवार के साथ होने से देवेंद्र की ईमानदार छवि धूमिल हो गई शिवसेना से हिंदुत्व का मुद्दा छीन गया कांग्रेस की धर्म निरपेक्षता का मखोल भी उड़ गया और देवेंद्र फडणवीस जैसा नेता उड़ने से पहले ही कैद हो गया । अमित शाह शेयर बाज़ार को बड़ी अच्छी तरह जानते है उन्होंने सियासी मार्केट के हिसाब से राजनीति के शेयर के भाव बढ़ाने और घटाने का काम बखूबी आता है आज वो भारतीय राजनीति को शतरंज की बाजी की तरह खेल रहे है ।

अपूर्ण नहीं संपूर्ण प्रेम!

प्रेम मीरा की तरह पावन,
अश्रु धारा बहे जैसे सावन,
आजीवन किसी के इश्क में दीवानगी,
उसके बिना हर वक्त वीरानगी!

उन्हें पता ना चला,
कैसे पता चलता भला,
उनकी खुशी किसी में थी,
हमारी खुशी उन्हीं से थी!

हमें चाहिए उनकी सोहबत,
मतलब मैं, कैसी मोहब्बत?
उनकी मुस्कुराहट है जरूरी,
क्यों करें हम जी हजूरी!

प्रेम की पवित्रता में कैसे खो दूं,
उनकी खुशी मै, मैं कैसे रो दूं,
जहां रहे वह खिलखिलाते रहे,
बस खुदा हमें उनसे मिलाते रहे!

अगर वह किसी और के हो जाए,
हमें कभी ना अपना पाए,
हम उन्हें फिर भी दिल से दुआ देंगे,
उनकी यादों को दिल में समेट लेंगे!

इश्क,मोहब्बत, प्रेम जिसे कहते हो तुम, वह तो एक इबादत एवं मनोहर कुसुम, वह नहीं तो उसको बनाने वाले से प्रेम करें, क्यों ना हम उस ईश्वर, खुदा पर ही मरे!

शार्ट न्यूज

मोबाइल को लेकर सिपाही ने साथी को लाठी-डंडो से पीटा, फिर पंखे से लटकाया

मथुरा। यूपी पुलिस के एक सिपाही को कथित तौर पर बुरी तरह से पीटने और फिर उसे फांसी पर लटकाने के आरोपी दूसरे सिपाही को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) शिरिश चंद्र ने कहा कि मृतक सिपाही आशीष (25) के पिता रवींद्र सिंह की शिकायत पर नौझील पुलिस थाना में आरोपी कांस्टेबल रोहित के खिलाफ आईपीसी और एससी/एसटी कानून की धाराओं के तहत शुक्रवार को मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि दोनों सिपाही एक ही कमरे में रहते थे और बृहस्पतिवार की रात दोनों ने शराब पी थी। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मोबाइल फोन के इस्तेमाल को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ, जिसके बाद यह घटना हुई। पूछताथ में आरोपी रोहित ने अपना जुर्म कबूल लिया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जब आशीष ने आरोपी के खिलाफ अनुसूचित जाति-जनजाति (एससी-एसटी) कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज करने की धमकी दी तो आरोपी रोहित ने लाठी से उसकी पिटाई शुरू कर दी। उन्होंने बताया कि इसके बाद आरोपी ने उसे छत के पंखे से लटका दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी मृत्यु का कारण फांसी बताया गया है। रोहित को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। मेरठ का निवासी आशीष 28 मई, 2021 से नौझील पुलिस थाना में तैनात था। वह 2020 में पुलिस मे शामिल हुआ था। वह नौझील कस्बे के रतिया बाजार मोहल्ला में रोहित के साथ किराए के मकान में रहता था।

मऊ में सगी बहनों से गैंगरेप, पुलिस ने पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार

मऊ। उत्तर प्रदेश में मऊ में दो सगी बहनों के साथ सामूहिक दुराचार के मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि घोसी कोतवाली क्षेत्र के नदवासराय पुलिस चौकी क्षेत्र के एक गांव निवासिनी दो नाबालिग सगी बहनों संग सामूहिक दुराचार के मामले में पीड़िता की तहरीर पर पांच लोगों के विरुद्ध नामजद मुकदमा पंजीकृत किया गया और बलुआ पोखरा के पास से आज सुबह पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। पुलिस सूत्रों ने आगे बताया कि बताया कि घोसी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासिनी दो नाबालिग सगी बहनें 30 जून की रात में आठ बजे के आस पास गांव के दक्षिण सिवान में शौच करने के लिए गई थी कि पहले से घात लगाये बैठे गांव के ही पांच लोगों ने दोनों को बाजरे के खेत में ले जाकर बलात्कार किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इस संबंध में घोसी कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक नागेश उपाध्याय ने पांच लोगों के विरुद्ध नामजद मुकदमा पंजीकृत करते हुए विशाल, अरुण, सुदीन, जितेश एवं चंद्रकांत को बलुआ पोखरा से शनिवार को गिरफ्तार कर न्यायालय को चालान कर दिया।

मिड डे मील में सड़ा टमाटर डालने का आरोप, गांववालों ने स्कूल पर जड़ा ताला

अलीगढ़। यूपी के अलीगढ़ के एक गांव में मिड डे मील में सड़ा टमाटर मिलने को लेकर गांववालों का गुस्सा भड़क गया। गांववालों ने स्कूल के गेट पर ताला लगा दिया और अधिकारियों को बुलाने की मांग पर अड़ गए। स्कूल पर काफी देर तक हंगामा चलता रहा। मामला, अलीगढ़ के विजयगढ़ थाना इलाके के प्राथमिक विद्यालय गोकुलपुर ब्लॉक धनीपुर का है। आरोप है कि रसोइए के मना करने के बावजूद किसी ने तहरी में सड़ा टमाटर डाल दिया। जिसके बाद रसोइए और एक शिक्षक में झड़प हो गई। इस मामले की सूचना ग्रामीणों को मिली तो वे भी प्रदर्शन करने लगे। शिक्षक ने जब अपनी गलती नहीं मानी तो गुस्साये ग्रामीणों ने स्कूल में ताला लगा दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि यहां रोज स्टाफ के बीच झगड़ा होता रहता है। मिड डे मील में भी काफी लापरवाही देखने को मिलती है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि आज भी स्कूल का स्टाफ देरी से आया। बच्चों ने यह बात अपने परिवार के लोगों को बताई। इसके बाद स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों और उनके परिवारीजनों ने जमकर प्रदर्शन किया।

फिरोजाबाद : अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार तीन युवकों की मौत

फिरोजाबाद। फिरोजाबाद में अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक पर सवार तीन युवकों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर इस दुर्घटना में लोगों की मौत पर गहरा शोक व्यक्त किया और दिवंगत आत्माओं की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने मृतकों के परिजनों की हरसंभव सहायता के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अखिलेश नारायण ने बताया कि यह हादसा फिरोजाबाद के शिकोहाबाद थाना क्षेत्र के तहत आने वाले प्रतापपुर चौराहे के पास शुक्रवार देर रात हुआ। युवक मोटरसाइकिल पर बांदा से दिल्ली जा रहे थे और शुक्रवार रात करीब दो बजे इनकी मोटरसाइकिल को पीछे से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने रौंद दिया जिससे मौके पर ही तीनों युवकों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान बांदा निवासी जयचरण (25) और गणेश उर्फ नमन (23) और सुल्तानपुर निवासी नरेंद्र (24) के रूप में की गई है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि युवकों की जेब से मिले मोबाइल फोन के आधार पर उनके परिजनों को सूचना दी गई और परिजनों ने आकर शवों की पहचान की। शवों का पंचनामा कर पोस्टमार्टम करा दिया गया है।

बीजेपी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की हैदराबाद बैठक में यूपी अध्यक्ष के नाम पर चर्चा संभव

लखनऊ। तेलंगाना में शनिवार को होने वाले राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक होने जा रही है। माना जा रहा है कि इस बैठक में प्रदेश संगठन में बड़ा बदलाव पर चर्चा हो सकती है। ये भी कहा जा रहा है कि इस बैठक में यूपी बीजेपी के नए अध्यक्ष के नाम पर भी इस बैठक में मुहर लग सकती है। हालांकि यूपी के नए अध्यक्ष की नियुक्ति दिल्ली के जरिए ही होगी। इस बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ के अलावा बीजेपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हिस्सा लेंगे। ये बैठक दो दिनों तक चलेगी। गौरतलब है कि स्वतंत्रदेव सिंह को राज्य सरकार में जलशक्ति मंत्री बनाया गया है जिसके बाद से यूपी बीजेपी अध्यक्ष का पद खाली है। क्योंकि पार्टी में एक पद एक व्यक्ति का सिद्धांत है इसलिए यूपी में नए प्रदेश अध्यक्ष की जरूरत है। बीजेपी के नए प्रदेश अध्यक्ष के लिए कई नामों पर चर्चा चल रही है। कन्नौज से सांसद सुब्रत पाठक ब्राम्हण चेहरे के तौर पर सबसे बड़ा नाम है। इनके अलावा नोएडा से सांसद महेश शर्मा, पूर्व डिप्टी सीएम दिनेश शर्मा का नाम भी दौड़ में शामिल है। पिछड़े वर्ग के अध्यक्ष को तवज्जो मिलती है तो केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा, संजीव बालियान, भूपेंद्र सिंह चौधरी, अमरपाल मौर्य, रामशंकर कठेरिया, सांसद भोलानाथ सिंह और रवि सोनकर का नाम आगे चर्चा में है। माना जा रहा है कि आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए ही बीजेपी अगला प्रदेश अध्यक्ष चुनेगी।

जुआ खेलने के दौरान हुई पिटाई में घायल जिम संचालक ने अस्पताल में तोड़ा दम

मैनपुरी। मैनपुरी में 10 दिन पहले घायल हुए एक जिम संचालक की मौत हो गई है। उसके भाई ने आरोप लगाया है कि जिम संचालक को कुछ लोगों ने जुआ खेलने के लिए बुलाया था। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद हो गया और फिर उन्होंने उसे बुरी तरह मारा-पीटा। भाई की तहरीर पर पुलिस ने 5 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। जिम संचालक ने शुक्रवार को आगरा में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। उसकी मौत की खबर मिली तो परिजनों में कोहराम मच गया। एक दिन पहले ही जिम संचालक के भाई की तहरीर पर 5 नामजदों के खिलाफ हत्या का प्रयास करने की धाराओं में बेवर पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज किया गया था। अब पुलिस मामले को हत्या की धाराओं में तब्दील करने की कार्रवाई कर रही है। एक जुलाई को बेवर थाना क्षेत्र के ग्राम दुर्जनपुर निवासी सौरव शुक्ला पुत्र अरविंद शुक्ला ने पुलिस को तहरीर देकर जानकारी दी थी कि उसका भाई लवी शुक्ला बेवर बस स्टैंड के निकट जिम चलाता है। 23 जून को कौशलेंद्र, सुनील पाल ने फोन करके उसके भाई को जुआ खेलने के लिए बुलाया।

सोनेलाल पटेल जयंती पर लखनऊ में घमासान

कृष्णा-पल्लवी पटेल-ओमप्रकाश राजभर समेत कई नेता गिरफ्तार

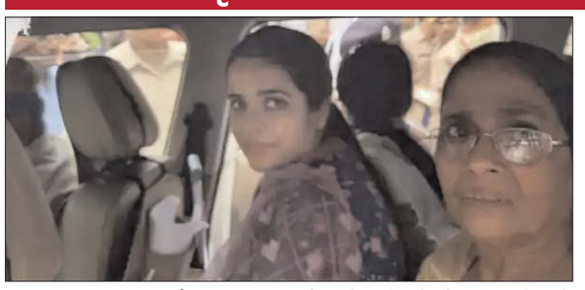

लखनऊ। अपना दल के संस्थापक सोनेलाल पटेल की जयंती पर कार्यक्रम की परमिशन को लेकर लखनऊ में छिड़े घमासान के बीच अपना दल कमेरावादी की राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा पटेल, विधायक पल्लवी पटेल, सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर, महान दल के नेता केशव देव मौर्य और शरद यादव की बेटी सुभाषिनी यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

ये नेता इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान जाने पर अड़े थे। काफी देर तक समझाने-बुझाने के बाद भी जब नेता अपनी मांग से पीछे नहीं हटे तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। उन्हें पुलिस लाइन ले जाया गया है। लखनऊ के विभूति खंड स्थित होटल हयात पर बड़ी संख्या में अपना दल कमेरावादी के कार्यकर्ता भी मौजूद हैं। पुलिस उन्हें समझाने बुझाने का प्रयास कर रही है।

इसके ठीक पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कृष्णा पटेल ने अपनी बेटी और केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल के प्रति गुस्से का इजहार करते हुए कहा कि उनकी गलती माफ करने लायक नहीं है। ऐसे मेरे संस्कार नहीं हैं। यह लड़ाई अब घर की नहीं वर्चस्व की हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के बाद से परेशान किया जा रहा है।

विधायक पल्लवी पटेल ने भी इस मुद्दे पर अपने गुस्से का इजहार किया। पल्लवी ने कहा कि हमे हमारे नेता सोनेलाल पटेल जी की जयंती मनाने की इजाजत नहीं मिली। तीन-तीन लोकेशन को रद्द कर दिया गया। पूछने पर अधिकारी बताते हैं कि ऊपर से ऑर्डर है। गृह विभाग तो मुख्यमंत्री जी के पास है। क्या यह उनका आदेश था या नीचे किसी अधिकारी का। क्या भाजपा के शीर्ष नेता को हराने की वजह से ऐसा किया गया। आखिर हमें इजाजत न देने का आधार क्या है?

चुनाव का बदला लिया जा रहा

सिराथू विधानसभा क्षेत्र से विधायक पल्लवी पटेल ने आरोप लगाया कि पिछले विधानसभा चुनाव का उनसे बदला लिया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि किस आधार पर कार्यक्रम स्थल नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि मैं उसी जगह पर कार्यक्रम करुंगी। सोनेलाल पटेल जी की जयंती मनाने से हमे कोई रोक नहीं सकता। हमने मरकरी हॉल के लिए पैसा जमा किया था।

होटल से निकलते ही पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ही पुलिस ने वहां बसें और गाड़ियां बुला ली थीं। कृष्णा, पल्लवी पटेल, ओमप्रकाश राजभर, केशव देव मौर्य, सुभाषिनी यादव सहित अन्य नेता जैसे ही होटल से बाहर निकले पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद पल्लवी वहां धरने पर बैठ गईं। वह इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान जाने पर अड़ी थीं। अधिकारियों ने नेताओं को वहां न जाने के लिए समझाने का प्रयास किया लेकिन जब वे नहीं माने तो हिरासत में ले लिया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में वैज्ञानिक परीक्षण कराने का अनुरोध

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा जिला जज की अदालत में जहानारा मस्जिद आगरा, श्रीकृष्ण जन्मस्थल मथुरा एवं शाही मस्जिद ईदगाह का वैज्ञानिक परीक्षण कराने का अनुरोध पूर्व में दायर किये गए एक वाद के वादियों के एक प्रतिनिधि ने शुक्रवार को किया है।

वादियों के प्रतिनिधि शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण विराजमान एवं अन्य बनाम इन्तेजामिया कमेटी एवं अन्य वाद के अन्तर्गत यह प्रार्थनापत्र दिया गया था। प्रार्थना पत्र में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण या किसी अन्य एजेंसी से दोनो मस्जिदों का वैज्ञानिक परीक्षण करने के लिए प्रार्थना की गई है।

इस मामले में उनके समेत लखनऊ के चार अधिवक्ता, लखनऊ विश्वविद्यालय की तीन एलएलबी के छात्राएं, शकुंतला मिश्रा यूनिवर्सिटी लखनऊ की दो एलएलबी की छात्राएं एवं आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी देहरादून की एक छात्रा वादी हैं।

इसी वाद के वादियों ने शुक्रवार को ही एक दूसरा प्रार्थनापत्र दिया था जिसमें उनके वाद को "रिप्रेजेन्टेटिव कैपसिटी (समाज के प्रतिनिधि की हैसियत से)" में स्वीकार करने का अनुरोध करते हुए इस प्रार्थनापत्र को धारा 92 सहपठनीय 91 सिविल प्रोसीजर कोड और 151 सीपीसी स्वीकार करने को कहा गया है क्योंकि यह वाद एक धार्मिक स्थल से संबंधित है। उनका कहना था कि आज तक जहानारा मस्जिद, श्रीकृष्ण जन्मस्थल एवं शाही मस्जिद ईदगाह का कभी भी वैज्ञानिक परीक्षण नहीं कराया गया।

उन्होंने बताया कि अदालत से पूर्व में दिए गए एक प्रार्थनापत्र को वापस लेने की स्वीकृति देने का भी अनुरोध किया गया था क्योंकि इसमें कुछ कमियां रह गई थीं।

उनका कहना था कि अदालत ने पूर्व में दिए गए प्रार्थनापत्र को वापस लेने की स्वीकृति दे दी है। अधिवक्ता सिंह के अनुसार शुक्रवार को दिए गए नये प्रार्थनापत्र पर अदालत 15 जुलाई को सुनवाई करेगी।

महमूदाबाद में घघरा नदी का बढ़ा जल स्तर

महमूदाबाद। महमूदाबाद में घाघरा नदी के जलस्तर बढ़ गया है ऐसे में बाढ़ की आशंका के मद्देनजर बाढ़ चौकियों का उपजिलाधिकारी ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने अधीनस्थों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।बता दें कि ग्रामीणों की सहायता के लिये इलाके में बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैं। रामपुर मथुरा क्षेत्र में घाघरा के जल स्तर के बढने पर के अखरी, अंगरौरा, अटौरा, कनरखी, शुकुल पुरवा, कलुवापुर सहित करीब आधा सैकड़ा गांव बाढ़ व कटान से सर्वाधिक प्रभावित होते है। नदी का जलस्तर बढ़ते ही एसडीएम ने बगस्ती पहुंचकर तटबंध का निरीक्षण किया। एसडीएम ने अधीनस्थ कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए कि बाढ़ से निपटने के लिए आवश्यक सभी तैयारियां पूरी कर ली जाए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में यदि किसी को कोई भी समस्या हो उसे तुरंत निस्तारित करवाएं। यदि राशन कार्ड, बीमा, वृद्धा, विकलांग पेंशन नहीं बने हैं तो कैंप लगाकर समस्याएं निस्तारित करवाएं। एसडीएम ने विकासखंड परिसर रामपुर मथुरा में बाढ. प्रभावित लोगों की सहायता के लिये बनायी गयी बाढ़ चौकी के साथ बाढ़ से निपटने की सारी व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया।

प्रयागराज हिंसा : घर में पार्टी दफ्तर चला रहा था जावेद पंप

इलाहाबाद हाईकोर्ट में सरकार का जवाब

प्रयागराज। प्रयागराज हिंसा के आरोपी जावेद पंप का घर गिराए जाने के कदम को सही ठहराते हुए प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) (पीडीए) ने 12 जून को इलाहाबाद उच्च न्यायालय को बताया कि जिस घर को गिराया गया उसपर जावेद पंप नाम की नेम प्लेट लगी थी। यही नहीं, पीडीए ने ये भी कहा कि उसी बिल्डिंग का इस्तेमाल पार्टी के कार्यालय में किया जा रहा था। दरअसल जावेद पंप की पत्नी द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी जिसके बाद हाईकोर्ट ने प्रशासन से जवाब मांगा था। दरअसल अपनी याचिका में आरोपी जावेद पंप की पत्नी फातिमा ने कहा है कि ध्वस्त घर उसके नाम पर था और उसे वो घर उसके पिता ने गिफ्ट में दिया था। जावेद पंप की पत्नी का ये भी कहना है कि ध्वस्त घर के संबंध में सभी वैध दस्तावेज उनके पास मौजूद हैं। उनका आरोप है कि बिना कोई नोटिस दिए उनके मकान को गिरा दिया गया।

जवाब में राज्य सरकार की तरफ से कहा गया है कि जावेद पंप उस घर में अपनी पत्नी के साथ रहता था और उसी के नाम की नेम प्लेट उस भवन पर लगी थी। यही नहीं जावेद पंप ने अपने घर को ही अपना दफ्तर भी बना रखा जिसका साइनबोर्ड भी घर पर लगा हुआ था। प्रशासन ने कहा कि उस घर का इस्तेमाल सिर्फ रहने के लिए नहीं हो रहा था बल्कि वहां वेलफेयर पार्टी ऑफ इंडिया का दफ्तर था।

पार्टी में जावेद पंप राज्य सचिव के पद पर था। प्रशासन ने ये भी कहा कि बिजली बिल, पानी बिल या हाउस टैक्स भरने से ये साबित नहीं होता कि घर का मालिकाना हक उनके (जावेद पंप की पत्नी) के पास है। प्रशासन ने कहा कि प्रयागराज नगर निगम में याचिककाकर्ता (परवीन फातिमा) का नाम कब्जाधारी के कॉलम में लिखा है ना कि भवन के मालिक तौर पर दर्ज है।

बाइक बोट घोटाला मामले में गिरफ्तार आरोपी की डेढ़ करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। यूपी पुलिस ने अरबों रुपये के बाइक बोट घोटाला मामले में गिरफ्तार एक व्यक्ति की करीब डेढ़ करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। नोएडा पुलिस आयुक्त आलोक सिंह के प्रवक्ता ने बताया कि गैंगस्टर कानून की धारा 14 (एक) के तहत कार्रवाई करते हुए मेरठ जिले में अभियुक्त ललित कुमार द्वारा अवैध रूप से अर्जित संपत्ति को कुर्क किया गया। उन्होंने बताया कि कुमार को गौतम बुद्ध नगर में हुए बाइक बोट घोटाला मामले में गिरफ्तार किया गया है और उस पर लोगों को ठगने का आरोप है। इस मामले में हाईकोर्ट ने बाइक बोट प्रकरण के 63 पीड़ितों की अर्जी पर नौ महीने में सुनवाई पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

इससे आठ लाख से अधिक पीड़ितों में न्याय की उम्मीद जगी है। उनका मानना है कि इस निर्देश से न सिर्फ दो बल्कि अन्य मुकदमों की सुनवाई में तेजी आएगी। उनसे ठगे गए पैसों की वापसी हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि 2018 में

बाइक बोट योजना के तहत बाइक टैक्सी शुरू की गई थी, जिसके लिए लोगों से निवेश कराया गया था। यह घोटाला 42 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का है। निवेश करने वाले लोगों का आरोप है कि उन्हें पैसे नहीं दिए गए।

पांच-पांच लाख के तीन आरोपी पकड़ से दूर

इस मामले में दीप्ती बहल, बिजेंद्र हुड्डा और भूदेव फरार हैं। अधिकारियों के अनुसार तीनों पर पांच-पांच लाख का इनाम शासन से घोषित हो चुका है और उनके खिलाफ लुक आउट नोटिस भी जारी कराए जा चुके हैं। बिजेंद्र हुड्डा के खिलाफ रेड कार्नर नोटिस भी जारी है। जांच अधिकारियों का मानना है कि इस घोटाले में लाखों लोगों से ठगा गया अधिकांश पैसा बिजेंद्र हुड्डा के पास ही है। वह अधिकांश रकम विदेश में शिफ्ट कर चुका है।

ओडब्ल्यू ने 26 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दी

बाइक बोट से जुड़े 116 मुकदमों की जांच कर रही ईओडब्ल्यू की मेरठ इकाई ने 55 मामलों में 26 आरोपियों के खिलाफ गौतमबुद्ध नगर जिले की सूरजपुर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है।

61 मुकदमों में अभी जांच जारी है और शीघ्र ही इन मामलों में भी चार्जशीट दाखिल की जाएगी। इस मामले से जुड़े 11 मुकदमों की जांच वर्तमान में सीबीआई द्वारा भी की जा रही है। सीबीआई की जांच अलग चल रही है जिसका मुकदमा सीबीआई ने गाजियाबाद में दर्ज कराया था।

एटा में जमीन विवाद में घायल पूर्व प्रधान की मौत

आक्रोशित परिजनों ने शव को रखकर किया सड़क जाम, हत्या की मुकदमा दर्ज करने की मांग

एटा। एटा के जलेसर में जमीन विवाद को लेकर 27 जून को मारपीट हुई थी। जिसमें घायल पुन्हैरा गांव के पूर्व प्रधान शैलेन्द्र पाल की इलाज के दौरान मौत हो गई। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने शव को जलेसर-अवागढ़ रोड पर रखकर जाम लगा दिया। मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन की टीम लोगों को हटाने की कोशिश की, लेकिन वे मानने के लिए तैयार नहीं हुए।

इसके बाद एटा के जिला अधिकारी अंकित कुमार अग्रवाल और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक उदय शंकर सिंह मौके पर पहुंचे।

उन्होंने गांव वाले और परिजनों को समझाने की कोशिश की। डीएम और एसपी के समझाने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई के आश्वासन के बाद परिजनों ने जाम हटाया।

14 लोगों पर दर्ज हुआ है मुकदमा

इस मामले में 9 नामजद और 5 अज्ञात लोगों पर पूर्व में ही हत्या के प्रयास और

मारपीट की रिपोर्ट जलेसर थाने मे दर्ज हो चुकी है। इस मामले के मुख्य आरोपी केशव ने न्यायालय में सरेंडर भी कर दिया है।

शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने की मांग

मृत पूर्व प्रधान के बेटे गवेंद्र पाल सिंह ने आरोपियों को भू-माफिया घोषित कर उनके शस्त्र लाइसेंस निरस्त करने, केस को 307 और 302 में बदलने की मांग की। इसके साथ ही आरोपियों द्वारा कब्ज़ा की गयी जमीन को छुड़ाने की मांग की। मृतक के बेटे गवेंद्र पाल सिंह ने कहा कि 27 जून को एक विवादित जमीन की नाप करने के लिए लेखपाल और राजस्व टीम गांव पहुंची थी।

राजस्व टीम के जाने के बाद ही मोनू उर्फ केशव ने अपने साथियों के साथ मिलकर मेरे पिता और अन्य साथियों पर फायरिंग कर दी।

इसके साथ ही धारदार हथियारों से भी हमला किया। जिसमें मेरे पिता शीलेन्द्र पाल सिंह घायल हो गए थे। जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गयी।

यूपी के 18 हजार से ज्यादा स्कूलों को योगी सरकार की बड़ी सौगात

अलीगढ़। यूपी के 18381 सरकारी स्कूलों को लेकर अच्छी खबर है। यूपी सरकार इन स्कूलों को बड़ा तोहफा दिया है। इसको लेकर सरकार ने पहल भी शुरू कर दी है। दरअसल यूपी सरकार प्रदेश के परिषदीय स्कूलों को स्मार्ट स्कूल बनाने की पहल कर रही है। सरकार प्रदेश में 18 हजार से अधिक स्कूलों को स्मार्ट क्लास की सौगात दी है। अलीगढ़ जनपद में भी करीब 250 स्कूलों को स्मार्ट क्लास की सौगात मिलेगी। स्मार्ट क्लास निर्माण के लिए प्रत्येक स्कूल को प्रोजेक्ट अप्रूवल बोर्ड द्वारा धनराशि स्वीकृत कर दी गई है।

पूरे प्रदेश में करीब 18381 परिषदीय स्कूलों को स्मार्ट क्लास की सौगात दी गई है। जिसमें अलीगढ़ जनपद से से करीब 250 स्कूलों को योजना का

लाभ मिलेगा। प्रोजेक्ट अप्रूवल बोर्ड द्वारा स्मार्ट क्लास बनाने के लिए 441 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत गई है। जिसमें से अलीगढ़ जनपद में करीब 60 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। प्रत्येक स्कूल को 2.40 लाख रुपये प्रदान किए जाएंगे, जिससे क्लास में प्रोजेक्टर, एलईडी स्क्त्रसेन, स्पीकर, माइक, वेबकैम, इंटरनेट कनेक्शन अनिवार्य रूप से लगाया जाएगा।

बीआरसी को आईसीटी की सौगात

प्रदेश सरकार परिषदीय स्कूलों के साथ बीआरसी कार्यालयों को भी हाईटेक करने जा रही है। बीआरसी केंद्रों को भी इंफॉर्मेशन एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी सेंटर स्थापित किया जाएगा। अलीगढ़ जनपद में 12 बीआरसी है, जहां इंफॉर्मेशन एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी सेंटर स्थापित किया जाएगा। आईसीटी स्थापित होने के बाद इन सेंटरों से लाइव स्ट्रीमिंग और वीडियो कॉन्फ्रेंस में आसानी से जुड़ सकेंगे। प्रत्येक ब्लॉक में 6.40 लाख की लागत से आईसीटी सेंटर स्थापित की जाएगी।

अलीगढ़ बीएसए सतेंद्र कुमार ने बताया, प्रदेश सरकार द्वारा स्कूलों की गुणवत्ता सुधारने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्त्रस्म में परिषदीय विद्यालयों को स्मार्ट क्लास की सौगात दी गई है।

जनपद में करीब 250 स्कूलों में स्मार्ट क्लास स्थापित किया जाएगा। जिससे बच्चों को वीडियो और प्रजेंटेशन के माध्यम से विजुअल शिक्षा प्रदान करने में सहयोग मिलेगा।

गोंडा से दलित लड़की को किडनैप कर ले गया मुंबई

जबरन धर्म परिवर्तन और निकाह के बाद कराया गैंगरेप

गोंडा। यूपी के गोंडा में पुलिस ने एक दलित लड़की को अगवा कर मुंबई ले जाने और वहां उसका धर्म परिवर्तन कराने का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि किडनैप करने वाले दूसरे समुदाय के लड़के ने धर्म परिवर्तन कराने के बाद लड़की से निकाह किया। फिर मुंबई में अलग-अलग स्थानों पर ले जाकर अपने साथियों से उसका रेप कराया। कुछ दिनों बाद उसे गोंडा स्टेशन पर लाकर छोड़ गया। पीड़ित परिवार ने न्याय की गुहार लगाई तो एसपी ने परसपुर पुलिस को कार्रवाई का आदेश दिया। इसके बाद पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म, दलित उत्पीड़न समेत अन्य धाराओं में 4 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

पीड़िता का कहना है कि उसके गांव का ही रहने वाला जावेद जो मुंबई में नौकरी करता है, उससे अक्सर बातें करता था। वह लड़की को मुंबई बुलाता था लेकिन उसने इससे इनकार कर दिया। लड़की के पिता ने अपनी शिकायत में कहा कि 14 जून को जावेद ने उसकी बेटी को कुछ सुंघाकर बेहोश कर दिया और जब उसे होश आया तो वह मुम्बई में किसी कमरे में थी। आरोपी के मुम्बई में रह रहे कई जान पहचान वालों ने भी बारी-बारी से उसका रेप किया। मामला बिगड़ता देख 21 जून को आरोपी बेटी को करनैलगंज रेलवे स्टेशन पर छोड़कर चले गए।

यही नहीं जाते-जाते जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए धमकी भी दी। उसी दिन उसने बेटी के साथ हुई घटना की सूचना कस्बा चौकी पर दी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद पिता ने एसपी से मिलकर न्याय की गुहार लगाई।

इंस्पेक्टर समशेर बहादुर सिंह ने बताया कि ग्राम सकरौर पठान पुरवा निवासी जाबेद पुत्र तैज्जमुल, बहादुर पुत्र तफज्जुल उर्फ फज्जी, महमूद पुत्र खानू व इबरार पुत्र खल्लू के विरुद्ध मारपीट, गैंगरेप सहित कई धाराओं केस दर्ज किया है।

बदायूं में पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ फेसबुक पर अभद्र टिप्पणी करने वाला युवक पहुंचा सलाखों के पीछे

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के सहसवान कोतवाली इलाके में रहने वाले एक युवक को पुलिस ने पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने के मामले में गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक युवक ने फेसबुक पर पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। बदायूं के सहसवान कोतवाली में युवक के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। आरोप है कि नदायल में रहने वाले 30 साल के रेहान ने फेसबुक पर पीएम मोदी के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी। बताया जा रहा है कि इस पोस्ट के बाद से इलाके में अफवाह फैल गई। इस बीच पुलिस हरकत में आई और पुलिस ने आरोपी को आईटी कानून की धारा 67 के तहत पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। रेहान को जेल भेज दिया गया है।

राम चंद्र प्रसाद सिंह ने खनन, इस्पात निर्माण प्रक्रिया और जीवनोपरांत उत्पादों के अपशिष्ट पर की चर्चा

नयी दिल्ली। केंद्रीय इस्पात मंत्री ने राम चंद्र प्रसाद सिंह ने 'इस्पात क्षेत्र में सर्कुलर इकोनॉमी के लिए रोडमैप' विषय पर चर्चा करने के लिए शुक्रवार को मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। इस बैठक में इस्पात एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते भी शामिल थे।

मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा कि बैठक के दौरान, सर्कुलर इकोनॉमी (पुनर्चक्रण अर्थव्यवस्था) की अवधारणा को समझाया गया जिसमें प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को कम करना भी शामिल है। इसमें सामग्री संसाधन दक्षता बढ़ाने और पर्यावरण पर कुप्रभाव को कम करने के उद्देश्य से 6आर, यानी रिड्यूस (किफायती उपयोग), रीयूज(दोबारा प्रयोग), रीसाइकिल(पुनर्चक्रण), रिकवर(वापस पाना), रिडिजाइन (दोबारा आकार देना) और रीमैन्युफैक्चर (दोबारा बनाना) के सिद्धांतों को अपनाना भी शामिल है।

समिति के अध्यक्ष श्री सिंह ने खनन, इस्पात निर्माण प्रक्रिया और जीवनोपरांत उत्पादों से उत्पन्न कचरे के उपयोग की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला। अध्यक्ष ने सुझावों पर कहा कि इससे निवेश, रोजगार और विकास को बढ़ावा मिलेगा और यह चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप है। उन्होंने हितधारकों से इस्पात क्षेत्र में चक्रीय अर्थव्यवस्था और वेस्ट टू वेल्थ (कचरे से कंचन) को बढ़ावा देने की दिशा में निश्चित कदम उठाने का आग्रह किया।

बैठक में इस्पात क्षेत्र में पुनर्चक्रण अर्थव्यवस्था बनाने के अवसरों, लाभों, चुनौतियों और भविष्य के उपायों के बारे में चर्चा की गई। इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए विभिन्न उपायों के बारे में सुझाव भी दिया गया। समिति के सदस्यों ने विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरुकता पैदा करने और इस्पात के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस्पात की खपत में वृद्धि से भविष्य में इस्पात कबाड़ की उपलब्धता में वृद्धि होगी। बैठक में सदस्यों ने सलाह दी कि अनौपचारिक क्षेत्र के एकीकरण के लिए कदम उठाए जाने चाहिए जो इस्पात क्षेत्र में पुनर्चक्रण अर्थव्यवस्था के लिए एक अनुकूल परितंत्र तैयार करने में मदद करेंगे।

शक्कर में मांग, खाद्य तेलों में तेजी, दलहनो में मिश्रित रंगत, चावल सामान्य

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में मांग नरम बताई गई। खाद्य तेलों में मजबूती दर्ज की गई। सोयाबीन रिफाइंड बढ़कर बिका। तिलहन में मांग साधारण बताई गई। दलहनो में मिश्रित रंगत हुई। दाल तथा चावल में खरीदी रही।

किराना बाजार

शक्कर में पूछपरख रही। आज शक्कर में कामकाज 3550 से 3590 रुपये के स्तर पर चला। शक्कर में 06 गाड़ी आवक हुई। खोपरा गोला, खोपरा बूरा, हल्दी तथा साबूदाना में मांग सुधार लिए रही।

तेल -तिलहन

खाद्य तेल में मांग से मजबूती दर्ज की गई। आज सोयाबीन रिफाइंड 5 रुपये बढ़कर बिका। तिलहन में प्लान्टो की लिवाली बताई गई।

दाल-दलहन

स्थानीय संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन मिश्रित रंगत लिए रहे। आज मसूर ऊंची एवं तुअर नीची बिकी। दालों में भाव ऊंचे रहे। चावल में पूछपरख रही।

किराना

शक्कर 3550 से 3590 रुपये प्रति क्विंटल। खोपरा गोला 170 से 195 रुपये प्रति किलोग्राम। खोपरा बूरा 2000 से 3500 रुपये प्रति 15 किलोग्राम। हल्दी खडी 100 से 162 रुपये प्रति किलोग्राम। साबूदाना 4850 से 5450, पैकिंग में 5800 से 6000 रुपये प्रति क्विंटल।

तिलहन

सरसों निमाड़ी 6100 से 6300, रायडा 6000 से 6100 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1610 से 1620, सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1320 से 1325, सोयाबीन साल्वेंट 1295 से 1300 पाम तेल 1310 से 1315 रुपये प्रति 10 किलो।

दलहन

चना (कांटा) 4700 से 4750, मसूर 6950 से 6975, तुअर निमाड़ी 5300 से 6200, तुअर सफेद (महाराष्ट्र) 6450 से 6600, तुअर (कर्नाटक) 6600 से 6700, मूंग 5900 से 6050, मूंग हल्की 5000 से 5500, उड़द 6800 से 7500, उड़द मीडियम 5500 से 6700, उड़द नया 6900 से 7300, हल्का 2500 से 4500 रुपये प्रति क्विंटल।

दाल

चना दाल 5800 से 6300, तुअर दाल सवा नंबर 8300 से 8400, तुअर दाल फूल 8500 से 8700, तुअर दाल नई 9000 से 9700, आयातित तुअर दाल 8100 से 8200, मसूर दाल 8000 से 8300, मूंग दाल 7400 से 7600, मूंग मोगर 8500 से 8800, उड़द दाल 8900 से 9200, उड़द मोगर 9500 से 9800 रुपये प्रति क्विंटल।

चावल-पोहा

बासमती 10000 से 11000, तिबार 8000 से 8500, दुबार 7000 से 7500, मिनी दुबार 6500 से 7000, मोगरा 3500 से 4500, बासमती सैला 6500 से 9000, कालीमूंछ 7500 से 8000, राजभोग 6500 से 7000, दूबराज 3500 से 4500, परमल 2500 से 2650, हंसा सैला 2450 से 2650, हंसा सफेद 2350 से 2450, पोहा 3700 से 4100 रुपये प्रति क्विंटल।

रवा-मैदा

रवा 1340 से 1350, मैदा 1310 से 120, आटा 1255 से 1260, चना बेसन 3240 से 3250 रुपये प्रति 50 किलोग्राम।

जेरी हॉल ने मर्डोक से तलाक के लिए दायर की याचिका

वाशिंगटन।मॉडल और अभिनेत्री जेरी हॉल ने अमेरिका के कैलिफोर्निया की एक अदालत में मीडिया उद्योगपति रूपर्ट मर्डोक से तलाक के लिए अर्जी दाखिल की है। यह जानकारी बीबीसी ने शनिवार को दी। याचिका में गहरे मतभेद का हवाला दिया गया। दोनों की शादी छह वर्ष पूर्व हुयी थी। बीबीसी ने कहा कि मर्डोक का न्यूज कारोबार का साम्राज्य अमेरिका में फॉक्स न्यूज और वॉल स्ट्रीट जर्नल तथा ब्रिटेन में द सन एंड द टाइम्स सहित प्रमुख आउटलेट्स को नियंत्रित करता है। उनके बारे पहले कहा जाता था कि वह अपनी नयी पत्नी को अधिक समय देते थे। यह मर्डोक (91) का चौथा तलाक है। हॉल (66) ने पहले रोलिंग स्टोन्स के फ्रंटमैन मिक जैगर के साथ शादी की थी। टेक्सन मॉडल से अभिनेत्री बनी हॉल के जैगर के साथ चार बच्चे थे। इन्होंने वर्ष 1990 में इंडोनेशिया के बाली में एक हिंदू विवाह समारोह में शादी के बंधन में की थी। शादी को एक दशक से भी कम समय के बाद लंदन के उच्च न्यायालय में रद्द कर दिया गया था और फैसला सुनाया गया था कि ब्रिटेन और इंडोनेशियाई कानून के अनुसार यह शादी आधिकारिक नहीं थी।

पर्यावरण संरक्षण के लिये कॉन्टैक्टलेस मैनेजमेंट ऐप कार्डबाइट

नयी दिल्ली। तेजी से डिजिटल हो रही दुनिया और पर्यावरण को लेकर मौजूद चुनौतियों के बीच कम्पनियां नये तरीके तलाश कर रही हैं, जिनसे वह न केवल कारोबार को आगे बढ़ायें बल्कि उस माध्यम से पर्यावरण संरक्षण भी हो सके।

ऐसे में भारत के पहले कॉन्टेक्टलेस मैनेजमेंट एवं नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म 'कार्डबाइट' ने उपभोक्ताओं एवं अन्य को डिजिटल कार्ड्स के विविध विकल्प उपलब्ध कराये हैं। कार्डबाइट तेजी से लोकप्रियता प्राप्त कर रहा है और अब तक 20 हजार से अधिक लोगों ने ऐप डाउनलोड करके इसकी सेवाओं का लाभ उठाया है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि वर्तमान समय की बदलती परिस्थितियों में वर्चुअल कार्ड्स ब्रांड्स की छवि को मजबूत करने का सशक्त माध्यम बन रहे हैं। ब्रांड का पर्सनलाइज्ड ई-कार्ड न सिर्फ इनहाउस कनेक्टिविटी बढ़ा रहा है, बल्कि बाकी दुनिया से जुड़ने का तरीका भी बेहतर बना रहा है। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता को देखते हुए डिजिटल कार्ड्स में कई अन्य फायदे भी हैं। इनकी लागत कम होती है, प्रयोग करना भी आसान होता है और इन्हें उपभोक्ता की जरूरत के हिसाब से बदला जा सकता है।

कम्पनी के प्रबंध निदेशक एवं सह संस्थापक नवीन कपूर ने कहा कि कार्डबाइट भारत का पहला कॉन्टेक्टलेस मैनेजमेंट एवं नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म है, जिसका लक्ष्य आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) का प्रयोग करते हुए बिजनेस नेटवर्किंग एवं सीआरएम प्रोसेस को बेहतर बनाना है।

इस ऐप की मदद से यूजर डिजिटल विजिटिंग कार्ड बना सकते हैं और अपने नेटवर्क के अंदर या बाहर उन्हें शेयर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ऐप का स्मार्ट स्कैनर यूजर को अपने पेपर कार्ड को आसानी से ई-कार्ड में बदलने का मौका देता है। स्कैनिंग के बाद उसे ऐप के वैलेट में सुरक्षित रखा जा सकता है। इससे विजिटिंग कार्ड को प्रिंट कराने की तुलना में 75 प्रतिशत समय और 80 प्रतिशत खर्च की बचत होती है।

पेट्रोल-डीजल के दाम 42 वें दिन भी स्थिर

एजेंसी

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में उतार-चढाव के बीच शनिवार को घरेलू स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया जिससे लगातार 42 वें दिन ईंधन के दाम स्थिर रहे।

तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी भारत पेट्रोलियम के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल का दाम 96.72 रुपये और डीजल का दाम 89.62 रुपये प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमश: 111.35 रुपये और 97.28 रुपये प्रति लीटर पर है। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर राज्यों में अलग-अलग हैं।

क्रेंद्र सरकार ने मई के अंतिम सप्ताह में आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमश: आठ रुपये और छह रुपये प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी।

इससे पेट्रोल-डीजल के दाम कम से कम क्रमश: 9.5 रुपये और सात रुपये तक गिर गए थे।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में लंदन ब्रेंट क्रूड बीते दिन 0.13 प्रतिशत गिरकर 108.89 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.31 प्रतिशत की गिरावट के साथ 105.43 डॉलर प्रति बैरल पर रहा था।

पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर निर्यात कर लगाया

नई दिल्ली । सरकार ने पेट्रोल और एटीएफ के निर्यात पर छह रुपए प्रति लीटर की दर से कर लगाया है और डीजल के निर्यात पर 13 रुपए प्रति लीटर का कर लगाया गया है। एक अलग सरकारी अधिसूचना में कहा गया कि सरकार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की ऊंची कीमतों से उत्पादकों को होने वाले अप्रत्याशित लाभ के एवज में घरेलू रूप से उत्पादित कच्चे तेल पर 23,230 रुपए प्रति टन का अतिरिक्त कर लगाया है। निर्यात पर कर तेल रिफायनरी विशेषकर निजी क्षेत्र के लिए है जिन्हें यूरोप और अमेरिका जैसे बाजारों में ईंधन का निर्यात करने पर खासा लाभ मिलता है। वहीं घरेलू स्तर पर कच्चे तेल का उत्पादन करने पर लगाया गया कर स्थानीय उत्पादकों के लिए है जिन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से अप्रत्याशित लाभ मिल रहा है।

हीरो को ई-वाहनों के लिए हीरो ट्रेडमार्क की अनुमति मिली

नई दिल्ली । देश की प्रमुख दो-पहिया वाहन विनिर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प को अपने इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री के लिए हीरो ट्रेडमार्क का इस्तेमाल करने की अनुमति मिल गई है। हीरो ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा कि ट्रेडमार्क के इस्तेमाल को लेकर एक मध्यस्थता न्यायाधिकरण ने उसके पक्ष में निर्णय सुनाया है। दो-पहिया इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता हीरो इलेक्ट्रिक ने हीरो मोटोकॉर्प को अपने इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए हीरो ट्रेडमार्क का इस्तेमाल करने से रोकने का अनुरोध किया था लेकिन न्यायाधिकरण ने हीरो इलेक्ट्रिक की याचिका को अनुपयुक्त पाया।

अब सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर्स को भी देना होगा 10 फीसदी टीडीएस

- एक जुलाई से टीडीएस से जुड़े नियमों में हुए बदलाव

नई दिल्ली ।

अब सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर्स को भी 10 फीसदी के हिसाब से टीडीएस का भुगतान करना होगा। टीडीएस से जुड़े नियमों में बदलाव एक जुलाई से लागू हो गए हैं। नई नीति को वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में शामिल किया गया था। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने सेक्शन 194आर से जुड़े नए नियम जारी कर दिए हैं। नए प्रावधान उन लोगों पर लागू होंगे जो किसी को एक वित्त वर्ष में 20,000 रुपए से अधिक का मुनाफा या अन्य सुविधाएं देते हैं। यह यह भुगतान कारोबार से संबंधी लाभ या अन्य सुविधाओं के लिए होनी चाहिए। सीबीडीटी द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार, वित्त वर्ष में 20,000 से अधिक के लाभ , सामग्री या भुगतान करने वाले को 10 फीसदी टैक्स काटना ही होगा। दिया गया लाभ नगदी है या कोई अन्य भौतिक सामग्री या दोनों का मिक्स, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। यह मुनाफा, लोन माफी, रेंट फ्री निवास स्थान, फर्नीचर, जमीन, कार या अन्य गिफ्ट हो सकते हैं। हालांकि, एमआरपी पर दी जाने वाली छूट और रीबेट को इससे बाहर रखा गया है। सर्कुलर में बताया गया है कि कुछ अन्य चीजें भी हैं जिन पर टीडीएस काटने पर विचार हो सकता है। जैसे फ्री सैंपल डिस्ट्रीब्यूशन, स्पॉन्सर्ड ट्रिप्स, इवेंट की फ्री टिकट, डॉक्टर या अन्य मेडिकल प्रैक्टिशनर को फ्री सैंपल मेडिसिन आदि इसमें शामिल हो सकते हैं। ऐसी कोई इकाई जो कारोबार नहीं करती है, जैसे सरकारी अस्पताल को लाभ दिए जाने पर टीडीएस नहीं कटेगा। अगर कोई कंपनी किसी सोशल मीडिया हस्ती या इन्फ्लुएंसर को कोई प्रोडक्ट प्रचार के लिए देती है और वह उसे अपने पास रख लेता है तो इस पर टीडीएस कटेगा। हालांकि, इस्तेमाल के बाद वापस कर देने पर टीडीएस नहीं कटेगा।

आरबीआई गवर्नर ने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर फिर किया अगाह, बताया बड़ा

वित्तीय प्रणाली के डिजिटल होने से बढ़ रहे हैं साइबर जोखिम, इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर शक्तिकांत दास ने क्रिप्टोकरेंसी को लेकर एक बार फिर अगाह किया है। दास ने कहा कि क्रिप्टोकरेंसी से खतरा है। बिना सही मूल्य के आधार पर मूल्य निकालना केवल सट्टेबाजी है। गौरतलब है कि सरकार विभिन्न हितधारकों और संस्थानों से इनपुट इकट्ठा करने के बाद क्रिप्टोकरेंसी पर एक परामर्श पत्र को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। भारतीय रिजर्व बैंक लगातार क्रिप्टोकरेंसी के बारे में अपनी चिंता जाहिर कर रहा है। वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) के 25वें अंक की प्रस्तावना में दास ने यह भी कहा कि जैसे-जैसे वित्तीय प्रणाली तेजी से डिजिटल होती जा रही है, साइबर जोखिम बढ़ रहे हैं और इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने गुरुवार को कहा कि मुद्रास्फीति के दबाव और भू-राजनीतिक जोखिमों से सजगतापूर्वक निपटने की जरूरत होने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था पुनरुद्धार की राह पर है। रिजर्व बैंक की 25वीं वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) में यह आकलन पेश करने के साथ ही कहा गया है कि बैंकों के साथ-साथ गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थानों के पास भी झटके झेलने के लिए पर्याप्त पूंजी बफर मौजूद है। रिपोर्ट के मुताबिक, वैश्विक घटनाक्रम से पैदा हुई चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था पुनरुद्धार की राह पर चल रही है। हालांकि, मुद्रास्फीति के दबाव, बाहरी घटनाक्रम और भू-राजनीतिक जोखिमों के चलते हालात से सावधानी से निपटने और करीबी निगरानी रखने की जरूरत है।

रिपोर्ट कहती है कि यूरोप में युद्ध, मुद्रास्फीति के लगातार ऊंचे स्तर पर बने रहने और कोविड-19 महामारी की कई लहरों से निपटने के लिए केंद्रीय बैंकों द्वारा उठाए गए मौद्रिक कदमों के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था का परिदृश्य अनिश्चितता भरा है। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) का पूंजी का जोखिम-भारित संपत्ति अनुपात (सीआरएआर) 16.7 प्रतिशत के नए उच्चस्तर पर पहुंच गया जबकि उनका सकल गैर-निष्पादित संपत्ति (जीएनपीए) अनुपात मार्च, 2022 में 5.9 प्रतिशत के साथ छह साल के निचले स्तर पर आ गया। रिपोर्ट के मुताबिक ऋण जोखिम के लिए व्यापक तनाव परीक्षणों से पता चलता है कि एससीबी गंभीर तनाव परिदृश्यों में भी न्यूनतम पूंजी आवश्यकताओं का पालन करने में सक्षम होंगे।

औद्योगिक श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति मई में 6.97 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली । औद्योगिक श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति मई में बढ़कर 6.97 प्रतिशत पर पहुंच गई। अप्रैल में यह 6.33 प्रतिशत के स्तर पर थी। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि खाने-पीने के कुछ सामान महंगे होने से इसमें बढ़ोतरी हुई है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने कहा कि मई में साल-दर-साल आधार पर मुद्रास्फीति बढ़कर 6.97 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो अप्रैल में 6.33 प्रतिशत और पिछले साल के समान महीने में 5.25 प्रतिशत पर थी। इस दौरान खाद्य मुद्रास्फीति 7.92 प्रतिशत रही, जो इससे पिछले महीने 7.05 प्रतिशत पर थी। मई, 2021 में यह 5.26 प्रतिशत थी।मई में अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक- औद्योगिक श्रमिक (सीपीआई-आईडब्ल्यू) 1.3 अंक बढ़कर 129 अंक हो गया।

इंडियन बैंक ने एमसीएलआर बढ़ाई

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन बैंक ने विभिन्न अवधि के ऋणों के लिए कोष की सीमान्त लागत (एमसीएलआर) आधारित ऋण दर में 0.15 प्रतिशत की वृद्धि की है। यह बढ़ोतरी रविवार से लागू हो गई है। एक साल की अवधि की बेंचमार्क एमसीएलआर को 7.40 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.55 प्रतिशत किया गया है। ज्यादातर उपभोक्ता ऋण की ब्याज दरें इसी के आधार पर तय होती हैं। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में बैंक ने कहा कि एक दिन से लेकर छह माह की अवधि के ऋण पर भी एमसीएलआर को इसी अनुपात में बढ़ाकर 6.75 से 7.40 प्रतिशत किया गया है।

सोने पर आयात शुल्क बढ़कर 15 फीसदी हुआ

नई दिल्ली । सोने का आयात और चालू खाता घाटा (सीएडी) को बढ़ने से रोकने के लिए सरकार ने इस महंगी धातु पर आयात शुल्क 10.75 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी कर दिया है।शुल्क में बदलाव 30 जून से प्रभाव में आया है। इससे पहले सोने पर मूल सीमा शुल्क 7.5 फीसदी था जो अब 12.5 फीसदी होगा। 2.5 फीसदी के कृषि अवसंरचना विकास उपकर के साथ सोने पर प्रभावी सीमा शुल्क 15 फीसदी होगा। सोने के आयात में एकाएक तेजी आई है और मई में कुल 107 टन सोने का आयात किया गया, वहीं जून में भी सोने का उल्लेखनीय आयात हुआ। वित्त मंत्रालय ने कहा कि सोने का आयात बढ़ने से चालू खाता घाटे पर दबाव बढ़ रहा है।

सोना 1,100 रुपए महंगा, चांदी में भी तेजी

नई दिल्ली ।

सरकार ने सोने पर आयात शुल्क में 5 फीसदी की बड़ी बढ़ोतरी कर दी जिससे सोने की कीमतों में तीन फीसदी का तगड़ा उछाल दिखा। वायदा बाजार में सोना फिर 52 हजार की ओर भाग रहा है। सोने की कीमत में 1,100 रुपए का उछाल देखा गया। मल्टीकमोडिटी एक्सचेंज पर 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने की वायदा कीमत 1,103 रुपए बढ़कर 51,620 रुपए पहुंच गई। जो करीब दो महीने का शीर्ष स्ेतर है। इससे पहले सोने में ट्रेडिंग की शुरुआत 51,000 के स्तर पर खुलकर हुई थी, लेकिन आयात शुल्क बढ़ने की वजह से इसकी कीमतों में अचानक तेजी आ गई। सोना अभी पिछले बंद भाव से 2.18 फीसदी ऊपर चल रहा है। वहीं एमसीएक्स पर चांदी का वायदा भाव 370 रुपए चढ़कर 58,700 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गया है। इससे पहले चांदी में कारोबार की शुरुआत 58,418 रुपए के भाव पर खुलकर हुई थी, लेकिन मांग बढ़ने की वजह से जल्द ही इसमें उछाल दिखने लगा। चांदी अभी अपने पिछले बंद भाव से 0.63 फीसदी बढ़त पर चल रही है। घरेलू बाजार में जहां सोने-चांदी की कीमतों में तेजी दिख रही है, वहीं वै श्विक बाजार में दोनों कीमती धातुएं सस्ती हुई हैं। अमेरिकी बाजार में सोने का हाजिर भाव सुबह 1,802.63 डॉलर प्रति औंस रहा, जो अपने पिछले बंद भाव से 0.23 फीसदी नीचे है, जबकि चांदी का हाजिर भाव 20.1 डॉलर रहा जो अपने पिछले बंद भाव से 0.80 फीसदी सस्ता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार की ओर से आयात शुल्क बढ़ाए जाने से खुदरा बाजार में सोने की हाजिर कीमत भी बढ़ेगी और इसमें तेज उछाल आ सकता है।

जून में मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में आई सुस्ती

मुंबई ।

जून में मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियों में थोड़ी सुस्ती आई है। पीएमआई से इसका संकेत मिला है। यह इंडेक्स जून में थोड़ा गिरकर 53.9 पर आ गया। मई में यह 54.6 था। हालांकि पीएमआई 50 के ऊपर बने रहने का मतलब एक्टिविटी में एक्सपैंशन है। इसके 50 से नीचे रहने पर एक्टिविटी में कॉन्ट्रैक्शन का संकेत मिलता है। अच्छी बात यह है कि पीएमआई लगातार 12वीं बार 50 से ऊपर रहा है। जून में इंडियन मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रिकवरी जारी रही। डोमेस्टिक और इंटरनेशनल क्लाइंट की मजबूत मांग से ऐसा हुआ। हालांकि कीमतों पर बहुत दबाव की वजह से टोटल सेल्स और प्रोडक्शन की ग्रोथ थोड़ी कम रही। कोरोना की महामारी 2020 में शुरू होने के बाद इंडियन इकोनॉमी में गिरावट देखने को मिली थी। अब इकोनॉमी में रिकवरी आ रही है। आरबीआई ने इस फाइनेंशियल ईयर में जीडीपी ग्रोथ 7.2 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। प्रोडक्शन, फैक्ट्री ऑर्डर, पर्चेजेज स्टॉक और एंप्लॉयमेंट में कम वृद्धि की वजह से जून में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई की ग्रोथ कम रही। उधर, केंद्रीय बैंक ने कहा है कि इकोनॉमी में रिकवरी तो आ रही है लेकिन अब भी इसमें कई बाधाएं हैं। इनमें वैश्विक स्थितियां और फाइनेंशियल मार्केट्स में उतार-चढ़ाव शामिल हैं।

अमेरिका और यूरोपीय बाजारों में उथल-पुथल

मुंबई । अमेरिका में संभावित मंदी और रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद उपजी स्थितियों की वजह से यूरोप के बाजारों में भी उथल-पुथल दिख रही है। पिछले कारोबारी सत्र में अमेरिका के प्रमुख शेयर बाजार नैस्डेक पर 1.33 फीसदी की बड़ी गिरावट दिखी। वॉल स्ट्रीट पर निवेशक बढ़ती ब्याज दरों और मंदी की आशंका से घबराए हुए हैं, जिससे लगातार गिरावट दिख रही। वहीं यूरोपीय बाजार भी महंगाई और मंदी की आशंका से घिरे हैं। यहां के शेयर बाजारों पर रूस-यूक्रेन युद्ध का साया भी दिखता है। यूरोप के सभी प्रमुख शेयर बाजारों में पिछले सत्र के दौरान गिरावट दिखी है। जर्मनी का स्टॉक एक्सचेंज पिछले सत्र में 1.69 फीसदी की बड़ी गिरावट पर बंद हुआ तो फ्रांस का शेयर बाजार 1.80 फीसदी लुढ़क गया। लंदन स्टॉक एक्सचेंज पर 1.96 फीसदी की गिरावट दिख रही है।

शार्ट न्यूज

चौथे दौर में पहुंचीं फ़्रांस की हार्मनी टैन

लंदन। फ्रांस की हार्मनी टैन ने अपने पहले विम्बलडन में शानदार फॉर्म जारी रखते हुए शनिवार को ब्रिटेन की केटी बोल्टर को हराकर चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। पहले दौर में सेरेना विलियम्स को हराने वाली टैन ने दिखाया कि सेरेना पर उनकी जीत कोई तुक्का नहीं थी। उन्होंने कोर्ट-2 में हुए मुकाबले में बोल्टर को 6-1, 6-1 से लगातार सेटों में मात दी। जीत के बाद टैन ने कहा, मुझे यकीन नहीं हो रहा। शायद मैं कल सुबह सोकर उठूं तो शायद यकीन हो, लेकिन यह अद्भुत है। उन्होंने कहा, मेरा खयाल है कि मुझे ग्रास कोर्ट पसंद है। सेरेना के खिलाफ पहला राउंड बहुत भावनात्मक था। उसके बाद मैं एक बार में एक मैच पर ध्यान दे रही हूं। टैन का अगला मुकाबला कोको गफ़ या अमांडा एनिसिमोवा में से किसी एक से होगा।

कलाइवानी फाइनल में पहुंचीं, कुलदीप ने बनाई सेमीफाइनल में जगह

नयी दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज कलाइवानी श्रीनिवासन ने शानदार जीत के साथ शनिवार को कजाकिस्तान के नूर-सुल्तान में जारी इलोर्डा कप मुक्केबाजी टूर्नामेंट के पहले संस्करण के फाइनल में प्रवेश किया जबकि कुलदीप कुमार ने सेमीफाइनल में पहुंचकर अपने लिए पदक पक्का किया। कलाइवानी ने महिलाओं के 48 किग्रा भार वर्ग के सेमीफाइनल मुकाबले में उज्बेकिस्तान की फरजोना फोजिलोवा के खिलाफ उत्कृष्ट मुक्केबाजी का प्रदर्शन किया। चेन्नई में जन्मी इस मुक्केबाज के अपने शक्तिशाली वार और लगातार सटीक हमलों के दम पर अपनी प्रतिद्वंद्वी को पैर जमाने का कोई मौका नहीं दिया और अंत में एकतरफा अंदाज में जीत हासिल करने में सफल रहीं। कुलदीप ने प्रतियोगिता के चौथे दिन भारत को विजयी शुरुआत दिलाई। कुलदीप को हालांकि जीत के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। कुलदीप को पुरुषों के 48 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में स्थानीय खिलाड़ी कैरेट यर्नूर से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। हालांकि, सतर्क रहते हुए सटीक आक्रमण करने वाले कुलदीप ने यह मुकाबला 3-2 के करीबी अंतर से जीत ली। इस बीच, पुरुष वर्ग में एक अन्य मुक्केबाज, यशपाल को 71 किग्रा भार वर्ग के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान के असलानबेक शिमबर्गेनोव से 0-5 के अंतर से हार का सामना करना पड़ा। महिलाओं के श्रेणी में बबीता बिष्ट (81 किग्रा), ज्योति (52 किग्रा) और नीमा (63 किग्रा) ने सेमीफाइनल में हार के बाद कांस्य पदक के साथ संतोष किया।

टी20 के बाद टेस्ट में भी ओवर के सबसे महंगे गेंदबाज़ बने ब्रॉड

बर्मिंघम। एजबेस्टन टेस्ट में भारतीय टीम का नौंवा विकेट रवींद्र जडेजा के रूप में गिरा। उस वक़्त भारत का स्कोर 375 रन था। इसके ठीक बाद वाले ओवर में स्टुअर्ट ब्रॉड गेंदबाज़ी करने आए। इस ओवर में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज़्यादा रन बनने का रिकॉर्ड स्थापित हुआ। ब्रॉड के इस ओवर में कुल 35 रन आए। ब्रॉड के ख़िलाफ़ इससे पहले टी20 क्रिकेट में युवराज सिंह ने छह छक्के लगाकर 36 रन बटोरे थे। इन दोनों रिकॉर्ड का मतलब है कि ब्रॉड अब टेस्ट और टी20 क्रिकेट में सबसे महंगा ओवर फेंकने वाले गेंदबाज़ बन गए हैं। ब्रॉड भारतीय पारी का 84वां ओवर डाल रहे थे। पहली गेंद को जसप्रीत बुमराह ने चौके के लिए खेल दिया। दूसरी गेंद पर वाइड से पांच रन मिले। अगली गेंद नो बॉल थी और गेंद बल्ले का ऊपरी किनारा लगकर कीपर के ऊपर से गई छह रन के लिए। अगली यानी दूसरी गेंद पर बुमराह ने मिड ऑन के ऊपर स्लॉग कर चौका मार दिया। तीसरी गेंद पर भी चौका लगा। चौथी गेंद पर भी कप्तान बुमराह ने चौका मार दिया। पांचवीं गेंद पर बुमराह ने छक्का जड़ दिया। आखिरी गेंद पर एक रन बना और इस तरह ओवर में गए 35 रन।

शहीद भगत सिंह कप फुटबाल टूर्नामेंट में उतरेंगी 20 टीमें

नयी दिल्ली। भारत की आजादी के 75वें साल के उपलक्ष्य में राजधानी में जुलाई-अगस्त में शहीद भगत सिंह कप फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 20 टीमें हिस्सा लेंगीं, 98 मैच खेले जाएंगे और कुल 20 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जायेगी। दिल्ली सरकार के शिक्षा एवं खेल विभाग में उप निदेशक संजय अंबस्टा और टूर्नामेंट के तकनीकी पार्टनर सुदेवा दिल्ली फुटबॉल क्लब के अध्यक्ष अनुज गुप्ता ने शनिवार को यहां त्यागराज स्टेडियम में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए बताया कि टूर्नामेंट का आयोजन दो आयु वर्गों अंडर 18 और अंडर 22 में किया जाएगा। दोनों वर्गों के विजेता को पांच-पांच लाख रुपये, उपविजेता को ढाई-ढाई लाख रुपये और तीसरे स्थान की टीम को एक-एक लाख रुपये दिए जाएंगे। दोनों वर्गों में शीर्ष स्कोरर को एक-एक लाख रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच 11 जुलाई को शाम पांच बजे त्यागराज स्टेडियम में खेला जाएगा। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया इस अवसर पर मुख्या अतिथि होंगे। टूर्नामेंट का फ़ाइनल 15 अगस्त के आसपास आयोजित होगा। टूर्नामेंट में दिल्ली की प्रीमियर डिवीजन और सीनियर डिवीजन लीग के क्लब हिस्सा लेंगे। करीब 500 खिलाड़ी टूर्नामेंट में शिरकत करेंगे। आयोजकों ने बताया कि टूर्नामेंट के मैच त्यागराज स्टेडियम, सुदेवा फीफा ग्राउंड, राजीव गांधी स्टेडियम बवाना, ईस्ट विनोद नगर स्टेडियम और कोहट आर्टिफिशियल ग्राउंड पीतमपुरा में कृत्रिम रोशनी वाले मैदान में खेले जाएंगे। अनुज ने कहा कि इस टूर्नामेंट का उद्देश्य राजधानी में फुटबॉल को बढ़ावा देना और खिलाड़ियों के कौशल को निखारना है। दिल्ली में यह पहली बार है कि इस स्तर का टूर्नामेंट दो आयु वर्गों में आयोजित किया जा रहा है।

दिल्ली के गुरप्रीत हैरी ने नेशनल अंपायर प्रशिक्षण परीक्षा सफलतापूर्वक पास की

नयी दिल्ली। भारतीय इलेवन क्रिकेट महासंघ के तत्वाधान में मध्य प्रदेश इलेवन क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा भोपाल में आयोजित राष्ट्रीय अंपायर प्रशिक्षण और परीक्षा शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन भोपाल में किया गया। इस शिविर में राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, बिहार, तेलंगाना, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, झारखंड सहित करीबन 15 से अधिक राज्यों से आए अंपायरों व अधिकारियों ने भाग लिया। इस राष्ट्रीय प्रशिक्षण व परीक्षा शिविर कार्यक्रम में दिल्ली इलेवन क्रिकेट एसोसिएशन के प्रदेश सचिव विजय कुमार के कुशल नेतृत्व में गुरप्रीत सिंह हैरी और महिला क्रिकेटर उवर्शी ने अंपायर शिविर में भाग लिया। जिसमें गुरप्रीत सिंह हैरी ने ए प्लस ग्रेड का प्रशिक्षण सर्टिफिकेट प्राप्त किया। इस परीक्षा में पूरे देश में से कुल सात अंपायरों को ग्रेड ए सर्टिफिकेट प्राप्त हुआ है। जिसमें दिल्ली के गुरप्रीत सिंह हैरी शामिल है। ए प्लस ग्रेड पाने वाले इंडिया के निम्न अम्पायर है - गुरप्रीत सिंह दिल्ली, शाहनवाज खान भीलवाड़ा राजस्थान, आसिफ खान करोली राजस्थान,प्रमोद कुमार झा बिहार, शशि भूषण सहरसा बिहार, सौरभ शर्मा चंडीगढ़, शिखर सक्सेना उत्तर प्रदेश शामिल है। यह शिविर भारतीय इलेवन क्रिकेट के महासचिव अर्जुन विश्वकर्मा के कुशल नेतृत्व में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

साहा ने बंगाल से संबंध समाप्त किये

कोलकाता। आईपीएल 2022 की विजेता टीम गुजरात टाइटन्स के विकेटकीपर रिद्धिमान साहा ने शनिवार को बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) से विदा लेते हुए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त किया। सीएबी ने यहां जारी एक बयान में कहा, श्री रिद्धिमान साहा सीएबी के पास आये और अध्यक्ष अविषेक डालमिया को लिखे एक पत्र में संघ से एनओसी तलब किया। सीएबी ने श्री साहा के निवेदन पर सहमति जताते हुए उन्हें दूसरे राज्य के लिये खेलने की अनुमति दी। 37 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज ने आईपीएल 2022 से पहले कहा था कि उन्होंने रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में बंगाल के लिये खेलने से मना कर दिया है। बंगाल के लिये 15 सालों के दौरान 122 मैच खेल चुके साहा ने कहा, ईडन (गार्डन) नहीं मोटेरा मेरा घर है।

मुंबई के घरेलू खिलाड़ियों को मिल सकते हैं वार्षिक अनुबंध

मुम्बई। नंबवर 2019 में बीसीसीआई अध्यक्ष पद संभालने के बाद सौरव गांगुली का घरेलू क्रिकेटरों को केंद्रीय अनुबंध देने का किया हुआ वादा मुंबई के क्रिकेटरों के लिए पूरा हो सकता है। 2021-22 के घरेलू सीज़न के बाद मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के अध्यक्ष विजय पाटिल का मुंबई के घरेलू खिलाड़ियों को अनुबंध देने का प्रस्ताव संघ की एपेक्स कॉउंसिल की बैठक में मंजूर किया गया है। हालांकि अभी इसे अगस्त में होने वाली वार्षिक जनरल बैठेक में मंजूरी का इंतज़ार है। बीसीसीआई के सिस्टम की तरह सीनियर पुरुष और महिला खिलाड़ियों के लिए वार्षिक अनुबंधों का प्रस्ताव रखा गया है। फ़िलहाल अनुबंधों की संख्या पर अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है लेकिन माना जा रहा है कि बीसीसीआई का अनुबंध प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को इस सूची में शामिल नहीं किया जाएगा ताकि ज़्यादा से ज़्यादा घरेलू खिलाड़ियों को अनुबंध दिया जा सके।

एमसीए के अध्यक्ष पाटिल ने कहा, इस साल मुंबई ने घरेलू क्रिकेट में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और हम अपने घरेलू खिलाड़ियों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना चाहते थे। साथ ही हमारा उद्देश्य हमारे मौजूदा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को टीम के साथ बरक़रार रखने का था। मुझे लगता है कि यह कॉन्ट्रैक्ट हमें युवा खिलाड़ियों में निवेश करने का अवसर देंगे।

ाटिल ने आगे एपेक्स काउंसिल का आभार व्यक्त किया जिन्होंने सर्व सहमति से इस प्रस्ताव को मंजूरी दी। उन्होंने कहा, मुझे ख़ुशी है कि एपेक्स काउंसिल ने हमारे प्रस्ताव को हरी झंडी दिखाई है। सभी टूर्नामेंटों में मुंबई के प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए हर कोई चाहता था कि अनुबंध दिए जाए। यह खिलाड़ियों के प्रति संघ का कर्तव्य है। जतिन परांजपे, निलेश कुलकर्णी और

विनोद कांबली की एमसीए की क्रिकेट विकास समिति अनुंबधों पर काम करेगी। उम्मीद जताई जा रही है कि सितंबर में शुरू हो रहे 2022-23 सीज़न से पहले अनुबंध दिए जाएंगे। इस विषय पर पाटिल ने कहा, क्रिकेट विकास समिति अनुबंधों की श्रेणी, योग्यता के मापदंड, चुने जाने वाले खिलाड़ियों की संख्या जैसी सारी चीज़ों पर काम करेगी जिसके बाद अंतिम फ़ैसला लिया जाएगा। इस फ़ैसले के बाद कुछ ही समय में हम अनुबंधों का वितरण शुरू करेंगे।

कोरोना महामारी के दौरान देश भर के अनगिनत क्रिकेटरों द्वारा सामना की गई आर्थिक परेशानी के बाद खिलाड़ियों को अनुबंध देने की बात ज़ोर पकड़ रही थी। खिलाड़ियों ने इस निर्णय का स्वागत किया था लेकिन अब भी संदेह बना हुआ है कि कैसे और कब इस पर अमल किया जाएगा।

पिछले साल सितंबर में बीसीसीआई ने घरेलू खिलाड़ियों की मैच फ़ीस में बढ़ोतरी की थी। इसके बाद सीनियर पुरुष खिलाड़ी को प्रति दिन 40 से 60 हज़ार रुपये जबकि सीनियर महिला खिलाड़ी को 20 हज़ार रुपये तक मिलेंगे। हालांकि इसका लाभ देखा नहीं गया क्योंकि बीसीसीआई ने अपने घरेलू सीज़न को छोटा कर दिया था।

उदाहरणस्वरूप रणजी ट्रॉफ़ी को आठ या नौ की बजाय तीन लीग मैचों तक सीमित किया गया था। खिलाड़ियों को उम्मीद है कि बोर्ड पुराने फ़ॉर्मेट पर लौट जाएगा जिससे प्रत्येक टीम को कम से कम आठ या नौ लीग मैच खेलने का अवसर मिलेगा और खिलाड़ियों की आमदनी बढ़ेगी।

बीसीसीआई द्वारा विजेता टीम को दिए जाने वाले दो करोड़ रुपये के अलावा मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ ने रणजी ट्रॉफ़ी विजेता टीम को दो करोड़ रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की थी। इसके बाद अब एमसीए ने 2021-22 सीज़न में पृथ्वी शॉ के नेतृत्व में उपविजेता रही मुम्बई टीम के लिए एक करोड़ रुपये का इनाम ज़ाहिर किया है। साथ ही बोर्ड ने बीसीसीआई द्वारा आयु वर्ग की विजेता टीमों को दिए जाने वाली इनाम राशि की बराबरी की है।

घरेलू क्रिकेट में इस सीज़न मुंबई का प्रदर्शन शानदार रहा। सीनियर पुरुष टीम छह सालों बाद रणजी ट्रॉफ़ी के फ़ाइनल में पहुंची, अंडर-25 टीम सीके नायडू ट्रॉफ़ी की विजेता रही और अंडर-19 टीम कूच बिहार ट्रॉफ़ी में उपविजेता बनकर उभरी।

इस इनाम के अलावा एमसीए ने सेवानिवृत्त अंपायरों को 50 हज़ार रुपये और आईपीएल के दौरान काम करने वाले ग्राउंडस्टाफ़ के लिए 25 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की। मई में बीसीसीआई सचिव जय शाह ने आईपीएल 2022 के आयोजन में इस्तेमाल किए गए चार मैदान और दो अभ्यास ग्राउंड के ग्राउंडस्टाफ़ और क्यूरेटर के लिए सवा करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की थी।

पंत, जडेजा के शतक से 416 तक पहुंचा भारत

बर्मिंघम। ऋषभ पंत (146) के तूफानी शतक के बाद रविंद्र जडेजा (104) ने भी शतक लगाकर भारत को इंग्लैंड के खिलाफ पहली पारी में शनिवार को 416/10 के स्कोर तक पहुंचाया।दूसरे दिन 338/7 से शुरुआत करते हुए जडेजा और मोहम्मद शमी ने अपना समय लिया, लेकिन शमी ने मैथ्यू पॉट्स के ओवर में दो चौके लगाकर पारी की रफ्तार बढ़ाई। इस दौरान जडेजा ने अपना शतक भी पूरा किया। स्टुअर्ट ब्रॉड ने शमी को 16 रन पर पवेलियन लौटाकर अपने 550 टेस्ट विकेट पूरे किये, जबकि जडेजा ने एंडरसन के हाथों आउट होने से पहले 194 गेंदों की अपनी पारी में 13 चौकों की बदौलत 104 रन बनाये।

भारत के नौ विकेट गिरने के बाद पहली बार कप्तानी कर रहे जसप्रीत बुमराह (31 नाबाद) अपने तूफ़ान में इंग्लैंड को ले उड़े। बुमराह ने ब्रॉड के एक ओवर में 35 रन जोड़े, जिसमें से 29 रन बुमराह के बल्ले से, पांच रन वाइड से और एक रन नो बॉल से आया। बुमराह टेस्ट मैच के एक ओवर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गये।

इंग्लैंड के लिये '100 प्रतिशत' तैयार हैं : कप्तान सविता

एम्सटेलवीन। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता ने इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप मुकाबले से पहले शनिवार को कहा कि टीम 100 प्रतिशत तैयार है।

टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत और ग्रेट ब्रिटेन कांस्य पदक मुकाबले में आमने-सामने आये थे, जहां इंग्लैंड ने करीबी मुकाबले में भारत को 4-3 से हराया था। अब भारत को अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत रविवार को इंग्लैंड के खिलाफ करनी है।

दोनों टीमों की प्रतिद्वंद्विता इससे भी पुरानी रही है। लंदन में 2018 में आयोजित विश्व कप के पिछले संस्करण में, भारत ने राउंड रॉबिन लीग मैच में इंग्लैंड के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला था। भारतीय महिला टीम ने उस वर्ष की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में राष्ट्रमंडल खेलों में ग्रुप चरण में इंग्लैंड को 2-1 से हराया भी था, लेकिन कांस्य पदक मैच में उनसे हार गई थी।

ये दोनों टीमें 2006 के विश्व कप में आमने-सामने रही थीं, जहां उन्होंने 1-1 से ड्रॉ खेला था। साथ ही 2002 के चैंपियंस चैलेंज को 3-3 से ड्रॉ किया, और 1998 के महिला विश्व कप ग्रुप मैच में 1-0 से भारत को हार मिली थी।

आंकड़ों के आधार पर यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत और इंग्लैंड के बीच रविवार का मैच रोमांचक होने वाला है।

भारतीय टीम की कप्तान सविता ने अपने प्रतिद्वंद्वी के बारे में बात करते हुए कहा, भले ही एक टीम के रूप में हम अपने प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करेंगे, लेकिन इंग्लैंड और भारत ने कुछ बहुत करीबी मुकाबले खेले हैं। निस्संदेह पिछले तीन-चार वर्षों में विशेष रूप से एक प्रतिद्वंद्विता विकसित हुई है।

सविता ने कहा, हमारे कुछ खिलाड़ी उनकी गोलकीपर मैडी हिंग को चुनौती देना चाहते हैं, जो गोलपोस्ट पर काफी असाधारण रही हैं। उनके पास लौरा उन्सवर्थ, गिजेल एंस्ले, उनकी कप्तान होली पीयरने-वेब और लिली ओवस्ले जैसे कुछ बहुत अनुभवी खिलाड़ी भी हैं, जो हमारे सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देना चाहेंगे।

भारत और इंग्लैंड को इस साल की शुरुआत में एफआईएच हॉकी प्रो लीग में दो मैच खेलने थे, जो भारत को इंग्लैंड टीम की क्षमता और कमजोरियों की अच्छी समझ प्रदान कर सकते थे। यह मुकाबले रद्द कर दिये गये थे, लेकिन भारत प्रतिष्ठित विश्व कप में यहां अपनी संभावनाओं को लेकर आशावादी बना हुआ है।

गोलकीपर सविता ने टीम की सकारात्मक सोच के बारे में कहा, हां, विश्व कप से पहले उनके खिलाफ मैच आदर्श होता, लेकिन अतीत में जो कुछ भी हुआ है, उससे हमें ज्यादा परेशान नहीं होना चाहिए। अभी हमारे लिए एकमात्र लक्ष्य टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करना है और टीम 100 प्रतिशत तैयार है।

भारतीय टीम पूल बी में अपने अभियान के पहले मैच में तीन जुलाई को इंग्लैंड से भिड़ेगी। अपने दूसरे मैच में वे पांच जुलाई को चीन से खेलेंगे और उसके बाद सात जुलाई को नीदरलैंड के एमस्टलवीन में न्यूजीलैंड का सामना करेंगे।

सविता ने भारतीय प्रशंसकों से उनके पहले विश्व कप पदक के अभियान में उनका समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, नीदरलैंड में एक बड़ा भारतीय समुदाय है और हम उम्मीद कर रहे हैं कि उनमें से कई मैच के लिए आएंगे।

पाकिस्तान में संचार सेवा ठप होने का संकट

बिजली कटौती से परेशान टेलीकॉम ऑपरेटर्स ने दी चेतावनी, नेचुरल गैस की भी कमी

इस्लामाबाद। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही है। देश में प्रमुख शहरों को लगातार पॉवरकट की समस्या से दो चार होना पड़ रहा है। इस वजह से ही अब टेलीकॉम ऑपरेटरों ने देश में मोबाइल और इंटरनेट सर्विस बंद करने की चेतावनी दी है।

नेशनल इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी बोर्ड ने कहा- पाकिस्तान में टेलीकॉम ऑपरेटरों ने सर्विस बंद करने की चेतावनी दी है। देश में बार बार होने वाले पॉवरकट की वजह से मोबाइल और इंटरनेट बंद हो जाते हैं, इस वजह से इन्हें ऑपरेट करने में दिक्कत हो रही है।

इस बीच पाकिस्तानी प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ ने देश को चेतावनी दी कि जुलाई के आने वाले महीने में उन्हें लोड शेडिंग का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को जरूरी LNG नहीं मिल पा रही है, हालांकि, सरकार इनके इंपोर्ट को जारी रखने की कोशिश कर रही थी।

पाकिस्तान में 4 हजार मेगावॉट बिजली की कमी

पाकिस्तान में 22 हजार मेगावट बिजली का उत्पादन हो रहा है जबकि जरूरत 26 हजार मेगावट की है। ऐसे में पाकिस्तान में 4 हजार मेगावॉट बिजली की कमी है। हाल के दिनों में पाकिस्तान में बिजली की कमी बढ़कर 7800 मेगावट तक पहुंच गई है।

7 जून को पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची में 15 घंटे बिजली गुल रही जबकि लाहौर में इसी दिन 12 घंटे तक बिजली कटौती हुई। इससे पाकिस्तान में बिजली संकट से पैदा हुए हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है।

पाकिस्तान में बिजली संकट की वजह क्या है?

पाकिस्तान में बिजली संकट की मुख्य वजह आर्थिक बदहाली है। दरअसल, पाकिस्तान के ज्यादातर पॉवर प्लांट में तेल के जरिए बिजली पैदा की जाती है। इन पॉवर प्लांट में इस्तेमाल होने वाले तेल को विदेश से आयात किया जाता है।

यूक्रेन युद्ध के बाद दुनिया भर में तेल की कीमत में दोगुने से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इस वक्त डॉलर की तुलना में पाकिस्तानी रुपया 202 रुपए प्रति डॉलर तक पहुंच गया है। ऐसे में सरकार तेल का आयात कम से कम करना चाहती है।

पीएम शहवाज शरीफ ने खुद ये बात कही है कि पाकिस्तान सरकार के खजाने में इतना पैसा नहीं है कि हम तेल और गैस दूसरे देशों से खरीद सकें। ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के मुताबिक इन्हीं वजहों से अगस्त 2021 की तुलना में जून 2022 में पाकिस्तान में तेल के आयात में 50त्न तक की कमी आई है।

अफगानिस्तान के मामलों में हस्तक्षेप न करें विदेशी: तालिबान

काबुल। तालिबान के सर्वोच्च नेता मौलवी हैबतुल्लाह अखुंदजादा ने विदेशियों को चेतावनी दी है कि वे अफगानिस्तान के मामलों में हस्तक्षेप न करें। अफगानिस्तान की सरकारी न्यूज एसेंसी बख्तर न्यूज एजेंसी ने अखुंदजादा के हवाले अपनी रिपोर्ट में कहा कि उन्होंने अखुंदजादी ने काबुल में इस्लामिक मौलवियों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अफगानिस्तान स्वतंत्र हुए बिना विकसित नहीं हो सकता। उन्होंने कहा, खुदा का शुक्र है, अब हम एक स्वतंत्र देश हैं। विदेशियों को हमें आदेश नहीं देना चाहिए। यह हमारी प्रणाली है, और हमारे अपने निर्णय हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, अफगानिस्तान की जिहाद की सफलता पर न सिर्फ अफगानिस्तान के निवासियों के लिए, बल्कि दुनिया भर के मुसलमानों के लिए भी गर्व का स्रोत है। सीएनएन न्यूज चैलन के मुताबिक श्री अखुंदजादा तालिबान की जन्मस्थली एवं आध्यात्मिक गढ़ कंधार में है। उनकी तस्वीरें कभी-कभार ही सार्वजनिक होती है। पिछले कुछ समय से उनके बीमार होने या संभवत: मृत होने की चर्चा होती रही हैं।इस बैठक को मीडिया की ओर से प्रसारित नहीं किया गया।

मदरसा में विस्फोट, 10 लोग घायल

काबुल। अफगानिस्तान के नांगरहार प्रांत में एक मदरसे में हुए विस्फोट में कम से कम 10 लोग घायल हो गए। मीडिया रिपोर्टों ने शनिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक यह विस्फोट रोडत जिले में कल रात में हुआ। एक विस्फोटक उपकरण के कारण यह विस्फोट हुआ। घायलों में एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने कहा कि आठ लोग घायल हुए हैं और किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

जेरी हॉल ने मर्डोक से तलाक के लिए दायर की याचिका

वाशिंगटन। मॉडल और अभिनेत्री जेरी हॉल ने अमेरिका के कैलिफोर्निया की एक अदालत में मीडिया उद्योगपति रूपर्ट मर्डोक से तलाक के लिए अर्जी दाखिल की है। यह जानकारी बीबीसी ने शनिवार को दी। याचिका में गहरे मतभेद का हवाला दिया गया। दोनों की शादी छह वर्ष पूर्व हुयी थी। बीबीसी ने कहा कि मर्डोक का न्यूज कारोबार का साम्राज्य अमेरिका में फॉक्स न्यूज और वॉल स्ट्रीट जर्नल तथा ब्रिटेन में द सन एंड द टाइम्स सहित प्रमुख आउटलेट्स को नियंत्रित करता है। उनके बारे पहले कहा जाता था कि वह अपनी नयी पत्नी को अधिक समय देते थे। यह मर्डोक (91) का चौथा तलाक है। हॉल (66) ने पहले रोलिंग स्टोन्स के फ्रंटमैन मिक जैगर के साथ शादी की थी। टेक्सन मॉडल से अभिनेत्री बनी हॉल के जैगर के साथ चार बच्चे थे। इन्होंने वर्ष 1990 में इंडोनेशिया के बाली में एक हिंदू विवाह समारोह में शादी के बंधन में की थी। शादी को एक दशक से भी कम समय के बाद लंदन के उच्च न्यायालय में रद्द कर दिया गया था और फैसला सुनाया गया था कि ब्रिटेन और इंडोनेशियाई कानून के अनुसार यह शादी आधिकारिक नहीं थी।

दक्षिण ईरान में भूकंप के कई झटके, पांच लोगों की मौत

तेहरान। ईरान के दक्षिणी होर्मुजगन प्रांत में शनिवार तड़के छह से अधिक तीव्रता वाले तीन भूकंप के झटकों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और अन्य 49 घायल हो गए। फार्स समाचार एजेंसी ने आपातकालीन अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी है। एजेंसी के मुताबिक होर्मोजगन प्रांत के गवर्नर-जनरल ने बताया कि भूकंप के तीन झटकों की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.1 और 6.3 बीच मापी गयी। भूकंप का केंद्र खाड़ी के पास बंदरगाह शहर बंदर खमीर के आसपास रहा। भूकंप का पहला झटका शुक्रवार देर रात स्थानीय समय दो बजकर 02 मिनट पर महसूस किया गया जो सतह से 10 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। इसके बाद दूसरा तेज झटका कुछ घंटे के बाद महसूस किया गया जिसकी रिक्टर पैमाने पर तीव्रता 6.3 मापी गयी। इसी प्रकार कुछ समय बाद भूकंप को तीसरा तेज झटका फिर से महसूस किया गया। इसके बाद भी रिक्टर पैमाने पर चार की तीव्रता के कई झटके महसूस किए गए।

रूस ने यूक्रेन के ओडेसा में 9 मंजिला बिल्डिंग पर दागी मिसाइल; 10 की मौत, 7 घायल

एजेंसी

कीव/मॉस्को। रूस और यूक्रेन की जंग को चार महीने से ज्यादा हो चुके हैं, लेकिन युद्ध रुकने का नाम नहीं ले रहा है। हजारों लोगों की जान जाने के बाद भी रूस किसी तरह से पीछे हटने को तैयार नहीं है। रूसी सैनिकों के हमले पहले की तरह जारी हैं।

गुरुवार-शुक्रवार के बीच की दरम्यानी रात ढाई बजे रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के ओडेसा ओब्लास्ट में एक 9 मंजिला बिल्डिंग को निशाना बनाया, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई, 7 से ज्यादा घायल हो गए। मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक रूसी सैनिकों ने बिल्डिंग पर मिसाइल दागी। हमले के बाद वहां रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है।

इससे पहले 27 जून को रूस ने यूक्रेन के एक सेंट्रल मॉल पर मिसाइल दागी थी, जिसमें 18 नागरिकों की मौत हो गई थी। हमले के बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की रूसी राष्ट्रपति पुतिन को आतंकवादी बताया था।

जंग के 127वें दिन रूसी सेना ने यूक्रेन के एक शहर लिसिचांस्क में हमले तेज कर दिए, जिसके बाद वहां के हालात काफी खराब हो गए। यह जानकारी लुगांस्क के गवर्नर ने सर्गेई गेडे ने गुरुवार को दी। गवर्नर ने स्थानीय मीडिया से बात करते हुए कहा कि रूसी गोलाबारी के चलते वहां के नागरिकों का निकलना मुश्किल हो गया है।

सर्गेई के मुताबिक रूसी सेना अलग-अलग दिशाओं से लिसिचन्स्क की ओर बढ़ रही है। एक दिन पहले यानी बुधवार को रूसी सेना ने यूक्रेन के दक्षिणी शहर माइकोलाइव में एक बिल्डिंग पर हमले किए थे। हमले में 2 यूक्रेनी नागरिकों की मौत हो गई, 3 घायल हो गए।

स्वीडन-फिनलैंड को NATO में शामिल करने की दिशा पर रूस सख्त

स्वीडन और फिनलैंड के NATO में शामिल होने की दिशा में एक और कदम बढ़ाने पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रतिक्रिया दी है। पुतिन ने कहा कि फिनलैंड और स्वीडन के NATOमें शामिल होने पर यूक्रेन जैसी समस्या नहीं होगी। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि अगर दोनों देश NATO में शामिल होना चाहते हैं, तो हम उनका स्वागत करते हैं, लेकिन अगर दोनों देश NATO में शामिल हो गए, तो हमारे रिश्तों में कुछ तनाव रहेगा। हालांकि, कुछ दिन पहले पुतिन ने कहा था कि अगर फिनलैंड और स्वीडन ने रूस के बॉर्डर के पास हथियार तैनात किए तो उसका करारा जवाब दिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

पशुपालन के बिना संभव नहीं टिकाऊ खेती

कृषि कार्य से धन अर्जन प्राचीन समय से किया जा रहा है प्राचीन सभ्यताएं स्वावलम्बी कृषि पर ही निर्भर रहीं। जब भी कृषि में स्वावलंबन समाप्त हुआ सभ्यताएं गिर गई। स्वावलम्बी कृषक बाहर के आदानों का मूल्य नहीं चुकाता है, वह उन्हें स्वयं उत्पादित करता है। स्वावलम्बन का अर्थ है पर्याप्त उत्पादन करना, पैसा कमाना तथा विपत्ति के दिनों के लिये बचाकर रखना है। भारत के किसान अपने परम्परागत ज्ञान को परिमार्जित करते हुए कृषि कार्य द्वारा मिट्टी से सोना बनाने का कार्य करता रहे, परन्तु आज पाश्चात्य् कृषि शिक्षा का प्रभाव, हरित क्रांति की चकाचौंध, कृषि के मशीनीकरण, रसायनिक खाद एवं कीटनाशकों के तात्कालिक लाभों को देखकर भारतीय किसान कृषि के स्वावलम्बन से दूर होकर रसायनिक खेती अपनाने लगा।

किसान अधिक उपज लेने के लिये आवश्यकता से अधिक उर्वरक एवं रसायनिक दवाओं का प्रयोग करने लगा जिससे उत्पादन में बढ़ोत्तरी अवश्य होती है परन्तु साथ ही साथ प्रति हेक्टेयर खर्चा भी बढता जा रहा है। इससे न केवल किसानों की आय में कमी देखी जा रही है बल्कि पर्यावरण पर भी विपरीत असर होता दिखाई दे रहा है। पिछले चार दशकों में कृषि रसायनों (खाद, कीटनाशक, नींदानाशक, और बढ़वार कारकों) और पानी के अविवेकीय अन्धाधुन्ध उपयोग ने मृदा उर्वरता, कृषि उत्पादकता के कारकों, उत्पाद गुणवत्ता एवं पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव डाला है। रसायनिक खेती या गहन कृषि पद्धति की ओर प्रेरित किया है क्योंकि विश्व की जनसंख्या दिन पर दिन बढ़ती जा रही है और खाद्यान्न की आवश्यकता में भी वृद्धि होती जा रही है। रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से कृषि योग्य भूमि में निम्नलिखित परिणाम देखने को मिले हैं।

- भूमि की सतह का सख्त होना।
- लाभप्रद जीवाणुओं की संख्या में कमी।
- भूमि की जलधारण क्षमता में कमी।
- मृदा की क्षारीयता, लवणता तथा जलागम में वृद्धि।
- भूमि में जीवाश्म की मात्रा में कमी।
- फसलों में कीट, व्याधियों व खरपतवारों की समस्या में वृद्धि ।
- भूमि की उत्पादकता में निरन्तर कमी।

उपरोक्त कारणों की वजह से आज कृषक को खेती घाटे का सौदा बनती जा रही है। आज हमारे विश्व की जनसंख्या लगभग 6 अरब है व सन् 2050 तक इसका 9 अरब होने का अनुमान है। लेकिन हमारी कृषि उत्पादकता बढ़ने की बजाय स्थिर हो गई है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए कृषि वैज्ञानिक आधारित या टिकाऊ खेती करने पर जोर दे रहे हैं।

टिकाऊ खेती से तात्पर्य फसल एवं पशुपालन उत्पादन के एकीकरण तंत्र से है। जो लम्बे समय तक निम्न बातें पूर्ण कर सके।

- मनुष्य के भोजन की पूर्ति कर सके।
- वातावरण की गुणवत्ता एवं प्राकृतिक संसाधनों को बचायें।
- उन सभी संसाधनों का प्रभावी ढंग से उपयोग हो जिनका पुर्नउत्पादन नहीं हो सकता है।
- भूमि की आर्थिक उपयोगिता को बनाये रखें।
- कृषक व समाज के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाएं।

इस प्रकार से टिकाऊ खेती में वह सभी बातें समाहित हैं जिससे वातावारण सुधरे, आर्थिक लाभ हो एवं समाज में समानता आए। यहां पशुपालन की टिकाऊ खेती में बराबर की हिस्सेदारी है क्योंकि पशुओं की कृषि में आर्थिक उपयोगिता है, व साथ ही ये चराहाग एवं फसलों के अवशेषों आदि को मनुष्य को खाने योग्य बनाने में मदद करते हैं। टिकाऊ खेती का सबसे उत्तम उपाय है जैविक खेती। जैविक खेती से तात्पर्य है कि खेती में रसायनिक खाद, कीटनाशक व जैविक वृद्धिकारकों का उपयोग करके उत्पादन लिया जाय। जैविक खाद बनाने के लिये पशुओं की आवश्यकता पड़ेगी। क्योंकि पशुओं से ही गोबर, मलमूत्र इत्यादि प्राप्त होंगे।

इसके अतिरिक्त मुर्गी खाद भी भूमि की उर्वराशक्ति को बढ़ाने में काफी मदद करती है, क्योंकि मुर्गी खाद में लगभग 20 प्रतिशत प्रोटीन पाई जाती है। जिससे इस खाद में नाइट्रोजन की मात्रा अधिकतम लगभग 3 प्रतिशत व फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 2-2 प्रतिशत होती है। वहीं सुअर के मल में नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश क्रमशः 0.7, 0.6 एवं 0.7 प्रतिशत पाए जाते हैं।

इसके अतिरिक्त जैविक खेती में विभिन्न खादों जैसे गोबर व फसल अवशेष के मिश्रण से खाद (नाडेप या कम्पोष्ट खाद), गोबर गैस संयंत्र से उपलब्ध खाद एवं वर्मी कम्पोस्ट आदि का उपयोग होता है। वर्मी कम्पोस्ट केंचुए की मदद से बनने वाला खाद है। एक क्विंटल ताजा वर्मी कम्पोस्ट से भूमि को 800 ग्राम पोटेशियम प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त इसमें सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कि जस्ता 0.16: तांबा 0.09 और लोहा 1.38 अनुपात होते हैं।

इसमें कुछ पादप हार्मोन्स और एन्टीबायोटिक्स भी होते हैं जो कि फसल की अच्छी पैदावार एवं पौध संरक्षण को बढ़ावा देते हैं। वर्मी कम्पोस्ट की अम्लीयता क्षारीयता 6.8 से 7.2 के बीच होती है। इसमें मृदा का तापमान संतुलित रहता है व मिट्टी में पानी सोखने की प्रवृति बढती हैं। इसके अतिरिक्त मुख्य उपयोग पशु का ये है कि वह जमीन जो कि अत्यंत अनउपजाऊ एवं बंजर होती है उसको भी उपजाऊ बनाने में मदद करते हैं।

उपरोक्त के अलावा टिकाऊ खेती में प्राकृतिक संसाधनों का भी प्रभावी ढंग से उपयोग करना है। इसके लिये हम पशु ऊर्जा का उपयोग मशीनी ऊर्जा के स्थान पर कर सकते हैं। पशु ऊर्जा का उपयोग क्यों करना चाहिए यह निम्न बातों से स्पष्ट होता है-

- पशुओं का उपयोग किसान की कार्यक्षमता को बढ़ाता है। यह फसलों के विविधीकरण कृषि क्षेत्र को बढाने एवं समय पर कृषि कार्यों को सम्पन्न करने में सहायक है।
- मशीनों पर आधारित उत्पादन तन्त्र कुछ ही फसलों तक सीमित रह जाता है और इस तरह विविधता को तहस-नहस कर देता है।
- पशु चलित यन्त्र सस्ते, सुलभ और गांवों में भी बनाये जा सकते हैं।
- पशु ऊर्जा का उपयोग मंहगे और अनवीनीकरण ईंधन पर होने वाले खर्च को बचाना है। पशु खेतों से ही आने वाले फसलों के अवशेष को खाकर उसे उपयोगी चीजों जैसे- दुग्ध, बायोगैस, खाद इत्यादि में बदल देते हैं, और ये भोजन के लिये मानव के प्रतियोगी भी नहीं है।
- ऊर्जा पशुओं का उपयोग पशुओं को फसलोत्पादन से जोड़ने में किसानों की मदद करता है। इस तरह पशुओं की शक्ति का फसलोत्पादन निरन्तर बनाये रखने के लिये दोहन होता रहता है।
- एक बार ट्रैक्टर या पावर टिलर की जीवन अवधि जो कि प्रायः बहुत छोटी होती है, समाप्त हो जाती है तो उसका कोई प्रयोगात्मक उपयोग नहीं रह जाता है। पशु उस पर किये गये खर्च को कई तरह से लौटाता है। वह जीवनभर व मृत्यु उपरान्त भी पशु पालकों को अनेक उपयोगी चीजें देता है। मशीनों के साथ किसानों के कर्ज में फंसने का डर बना रहता है। यदि बढ़ी ऋण सहायता से मशीनीकरण पूर्ण हो भी जाये तो अधिकतर कृषक आबादी अपनी भूमि छोड़ने के लिये बाध्य हो जायेगी। क्योंकि मशीनों की सहायता से बड़े से बड़ा क्षेत्र कुछ ही हाथों द्वारा तैयार किया जा सकता है। इस प्रकार से स्पष्ट है कि टिकाऊ खेती में पशुओं का बहुत बढ़ा योगदान है जिसकों अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

रसायनिक उर्वरकों के लाभकारी सुझाव

उर्वरकों के भरपूर लाभ कैसे लें इसके लिये निम्नलिखित बातें ध्यान रखें -

- मिट्टी परीक्षण के आधार पर नत्रजन, फास्फोरस एवं पोटाश तत्व का संतुलित मात्रा में प्रयोग करें.
- मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग करें.
- रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश करें.
- फसल चक्र अपनायें.
- उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें.

मिट्टी परीक्षण के आधार पर गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों का उपयोग--जैसा कि विदित है कि हमारे द्वारा लगातार अधिक मुख्य तत्वों वाले रसायनिक उर्वरक उपयोग कर उपज में बढ़ोत्तरी की है लेकिन जमीन से गौण व सूक्ष्म पोषक तत्व जमीन में नहीं दिये जा रहे हैं. जिसके फलस्वरूप हमारी जमीन में मुख्य पोषक तत्वों के साथ-साथ गौण व सूक्ष्म पोषक तत्वों की भी कमी हो गई है। जिसमें सल्फर तत्व चौथे आवश्यक पोषक तत्व के रूप में उभर कर आया है। जिसका मुख्य कारण सघन खेती के साथ जमीन में इन पोषक तत्वों का उपयोग न करना तथा कार्बनिक पदार्थों का खेतों में न डालना है।

रसायनिक उर्वरकों के साथ जैविक खादों का समावेश- परम्परागत खेती के समय रसायनिक खादों का उपयोग कम था लेकिन किसान खेती में गोबर खाद,हरी खाद एवं भूसा आदि को खेत में मिला दिया जाता था तथा सघन खेती भी नहीं होती थी जिसके कारण जमीन की जलधारण क्षमता अच्छी थी तथा पोषक तत्व भी पर्याप्त होते थे परंतु वर्तमान युग मशीनरी की खेती का युग हो गया है जिसमें पशुपालन कम होता जा रहा है किसान भाई अधिक उपज प्राप्ती के लिये मिट्टी के स्वास्थ्य का ध्यान रखना भूल गये हैं जिसके परिणाम किसानों को दिखने लगे हैं कि रासायनिक खाद दिये जाने पर फसल उसका उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये प्रत्येक तीन वर्ष में एक बार 15-20 टन गोबर खाद प्रति हेक्टर खेत में डालें.

फसल चक्र अपनायें- फसल चक्र से आशय एक ही फसल को लगातार न बोयें. पहली वर्ष यदि खरीफ में सोयाबीन और रबी में गेहूं तो दूसरी वर्ष खरीफ में मक्का एवं रबी में चना बोयें। फसल चक्र में दलहनी फसलों का समावेश अवश्य करें. दलहनी फसल वायुमंडलीय नत्रजन को अवशोषित कर स्थिर करती है. तथा नत्रजन दलहनी फसल में नहीं देना पड़ता है.उथली जड़ वाली फसल के बाद गहरी जड़ वाली फसल,अधिक पानी वाली फसल के बाद कम पानी चाहने वाली फसल बोये. फसल चक्र अपनाने से उर्वरकों की क्षमता तो बढ़ती ही है साथ ही साथ कीड़े बीमारी भी कम लगती है।

उपयुक्त सस्य क्रियायें अपनायें- उपयुक्त सस्य क्रियायं अपनाने से रसायनिक उर्वरकों की दी गई मात्रा अधिक से अधिक फसल द्वारा ली जावेगी जिससे उपज भी अच्छी मिलेगी. इसके लिये कुछ मुख्य कृषि क्रियायें मुख्य हैं जो निम्नलिखित हैं.

- उपलब्ध साधनों के अनुरूप अधिक उपज देने वाली किस्म बोयें.
- बीज जनित रोगों से बचने के लिये बाबिस्टीन, थाइरम से बीज को उपचारित कर बोयें.
- किस्म की पकने की अवधि के अनुसार समय पर बुवाई करें.
- उर्वरकों को सही विधि व समय पर दें.
- फसलों की बढ़वार के क्रान्तिक समय में खेत को खरपतवार रहित रखें.
- सिंचाई आवश्यकतानुसार एवं सही विधि से करें.
- रोग व बीमारियों का प्रबंधन करें.
- समय पर कटाई कर,थ्रेसिंग कर उचित भंडारण करें.

दूध के साथ रेशम उत्पादन

मिल्क विथ सिल्क सिद्धांत की जरूरत और महत्व

भारत के कई इलाकों में सिंचाई की सुविधाएँ सीमित मात्रा में होने से 50 प्रतिशत से ज्यादा खेती बारानी है। यह सर्वविदित हैं कि पिछले कुछ वर्षों से अनियमित मानसून, अमौसमी बरसात, कठोर जलवायु तथा अन्य कई कारणों से बारानी खेती बिना भरोसे की तथा नुकसानमंद साबित हो रही हैं। इससे किसानों में निराशा आर्थिक नुकसान के कारण आत्महत्या तक हो रही हैं। इस स्थिति से उबरने का एक उपाय हैं खेती से जुड़े पूरक व्यवसाय शुरू करना और उन्हें ज्यादा प्रभावी तथा ज्यादा फायदेमंद बनाने हेतु दो या तीन पूरक व्यवसायों को एक साथ करना जैसे दुग्ध व्यवसाय और रेशमकीट पालन एक साथ करना जो एक-दूसरे के पूरक हैं।

दुग्ध उत्पादन हेतु पशुपालन तथा रेशम कीट पालन हेतु मलबेरी की काश्त करना एक-दूसरों के कई तरह से पूरक हैं। पशुओं को दूध उत्पादन हेतु पौष्टिक चारा चाहिए जो उन्हें मलबेरी की पत्तियों से मिलता हैं।

इसके अलावा मलबेरी की पत्तियाँ जायकेदार पाई गई। उनकी पाचकता 70 से 90 च पाई गई। उनमें खनिज लवण 25 प्रतिशत तक पाये गये जो दूध उत्पादन बढ़ाने हेतु तथा पशु के स्वास्थ्य एवं प्रजनन क्षमता बरकरार रखने हेतु अत्यंत उपयुक्त हैं।

एक गाय को उसके शरीर पोषण हेतु रोजाना 7 ग्राम कैल्शियम तथा 7 ग्राम फॉस्फोरस आवश्यक होता हैं जबकि मलबेरी की पत्तियों में करीब 1.8 से 2.4 प्रतिशत कैल्शियम तथा 0.14 से 0.24 प्रतिशत फास्फोरस पाया गया हैं। इसका मतलब हैं कि अगर मलबेरी की पत्तियाँ भरपूर मात्रा में दुधारू पशु को खिलाई जाये तो उनके दूध उत्पादन में बढ़ोत्तरी होगी इसके अलावा उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। एक वैज्ञानिक प्रयोग में पाया गया कि खुराक और मलबेरी को पत्तियां अनुक्रम 60:40 तथा 25:75 प्रतिशत इस अनुपात में खिलाने पर गायों का दूध उत्पादन 13.2 और 13.8 लीटर प्राप्त हुआ जबकि सिर्फ खुराक खिलाने पर 14.2 लीटर था। इसका मतलब यह हुआ की मलबेरी की पत्तियाँ खिलाने से दूध उत्पादन में ज्यादा कमी नहीं आई बल्कि खुराक की मात्रा कम लगने से उसके पोषण खर्च में कमी आई यानि मलबेरी की पत्तियां खिलाने से दूध उत्पादन का धंधा किफायती होता हैं।

रेशम कीटों को डाली हुई मलबेरी की जो पत्तियां बाकी रह जाती हैं वो पत्तियाँ, डालियाँ दुधारू पशुओं को खिलाया जाये तो वह बरबाद होने से बच जाता हैं। कुछ स्थानों पर रेशम की इल्लियों के अपशिष्ट पदार्थ पर नमक का घोल डालकर वह दुधारू पशुओं को खिलाया जाता हैं।

इस प्रकार रेशम कीट पालन तथा दुग्ध व्यवसाय का आपस में घनिष्ठ नाता जोड़कर दोनों ही व्यवसाय एक साथ एक ही खेत पर कर सकते हैं। इसमें जो मजदूर होते हैं उनका उत्कृष्ठ इस्तेमाल होता हैं. रेशम कीटों द्वारा कोष निर्माण होने पर उन्हें बेचकर पैसा प्राप्त होता हैं। इसके अलावा दुग्ध व्यवसाय से दूध, खाद तथा बछड़े बेंचकर अधिक धन प्राप्त होगा और इस प्रकार किसान भाईयों को कमाई के दो स्त्रोत प्राप्त होंगे जिससे ज्यादा आर्थिक सम्पन्नता का लाभ होगा।

रेशम कीट पालन हेतु प्रशिक्षण, जानकारी, तांत्रिक मार्गदर्शन, रेशम उद्योग, संचालनालय से प्राप्त होते हैं तथा दुग्ध व्यवसाय के विषय में जानकारी प्रशिक्षण तथा तांत्रिक मार्गदर्शन हर जिले में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र, जिले के पशुपालन विभाग, कृषि विश्वविद्यालयों में स्थित पशुपालन एवं दुग्ध शास्त्र विभाग आदि जगह से प्राप्त कर सकते हैं।

ध्यान रहे, पूरक व्यवसाय के बिना किसान भाईयों की सही मायने में उन्नति नहीं हो सकती अतः पूरक व्यवसाय अवश्य अपनाएं और अपनी आर्थिक उन्नति हासिल करें.